शुक्रवार
17 मई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

पूर्व मंत्री शहनवाज हुसैन तेजस्वी पर बरसे

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

लोकसभा चुनाव के पहले चार चरणों में कुल 67% मतदान

- करीब 97 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं में से 45.1 करोड़ ने अपने मताधिकार का किया है इस्तेमाल

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के पहले चार चरणों में कुल मतदान 66.95 प्रतिशत दर्ज किया गया है। निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को ये जानकारी दी। आयोग ने बताया कि करीब 97 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं में से 45.1 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया है। आयोग ने बयान में मतदाताओं का आह्वान किया कि वे आने वाले चरणों में मतदान के लिए बड़ी संख्या में बाहर निकलें। उसके अनुसार, 13 मई को हुए चौथे चरण में अपडेटेड मतदान 69.16 प्रतिशत था, जो 2019 के संसदीय चुनावों में इसी चरण की तुलना में 3.65 प्रतिशत अधिक है। लोकसभा चुनाव में तीसरे चरण के मतदान के लिए अपडेटेड मतदान का आंकड़ा 65.68 प्रतिशत रहा। 2019 के तीसरे चरण में 68.4 प्रतिशत मतदान हुआ था। 26 अप्रैल को हुए चुनाव के दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 के दूसरे चरण में 69.64 प्रतिशत मतदान हुआ था। पहले चरण में 66.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। 2019 के चुनाव में पहले चरण में 69.43 फीसदी मतदान हुआ था।

लालू प्रसाद की जमीनों को जब्त कर उस पर अनाथालय बनाएंगे: जदयू

- जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव के जॉब शो वाले बयान पर किया पलटवार
- बोले- लालू प्रसाद एवं उनके परिवार के पास आज केवल पटना शहर में 43 बीघा 12 कट्ठा जमीन है

केटी न्यूज/नई दिल्ली

जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने गुरुवार को तेजस्वी यादव के जॉब शो वाले बयान पर पलटवार करते हुए हमला बोला। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को अपना लैंड शो चलाना चाहिए। सिर्फ तेजस्वी ही नहीं बल्कि तरुण यादव के नाम पर भी जमीन है। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद संविधान पर खतरे की बात करते हैं तो आपके लिए या पिछड़ा वर्ग, दलित और अति पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक समुदाय के लिए एक संदेश है कि लालू प्रसाद यादव बिहार के नव जमीदार हैं। लालू प्रसाद एवं उनके परिवार के पास आज केवल पटना शहर में 43 बीघा 12 कट्ठा जमीन है। 486 करोड़ की संपत्ति है। लालू यादव को अपनी संपत्ति का खतरा लग रहा है। एनडीए में हमारी सरकार बनना तय है। 2024 के चुनाव परिणाम आने के बाद लालू प्रसाद ने नौकरी के नाम पर जो संपत्ति अर्जित किया है, उस संपत्ति को अधिग्रहित करेंगे और अधिकृत करके अनाथालय बनाएंगे, दिव्यांग जनों के लिए रहने के लिए आश्रम बनाएंगे, वृद्ध आश्रम बनाएंगे।

लालू और तेजस्वी बताएं कि 43 बीघा जमीन कहां से आया

उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद एवं तेजस्वी यादव को यह बताना चाहिए की 43 बीघा 12 कट्ठा जमीन कहां से आया है। यहां भाकपा माले की उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं उन्हें यह बताना चाहिए कि 43 बीघा 12 कट्ठा जमीन पटना जैसे शहर में कहां से आया है। उन्हें इस पर अपना नजरिया साफ करना चाहिए हम लोगों के पास पूरा दस्तावेज है। प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि इस बार आरक्षण खत्म होगा, लेकिन पारिवारिक आरक्षण खत्म होगा, संपत्ति का आरक्षण खत्म होगा। यह नहीं चलने दिया जाएगा। सामाजिक न्याय का ढोंग रखिएगा, दूसरी तरफ आप दलित पिछड़े की बात करके संपत्ति अर्जित करियेगा। लालू जी को उनके बेटे ने राजनैतिक रूप से नजर बंद कर दिया है। लालू जी को खतरा इस बात से है कि इस बार बिहार की जनता पारिवारिक आरक्षण को खत्म करने जा रही है। संपत्ति का आरक्षण खत्म करने जा रही है।

नीरज बोले- माले बताए, क्या वे राजनैतिक रूप से अछूत हैं

उन्होंने कहा कि हम माले से यह पूछना चाहते हैं कि क्या वे राजनैतिक रूप से अछूत हैं। क्यों नहीं दीपांकर भट्टाचार्य को लेकर तेजस्वी यादव घूम रहे हैं। क्या उनमें योग्यता की कमी है, क्या माले के उम्मीदवार के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए हेलीकॉप्टर पर जाएंगे तो हेलीकॉप्टर अशुद्ध हो जाएगा। यह माले स्पष्ट करे। माले प्रत्याशी बताएं कि जो माले के समर्थक लालू जी के राज में 118 नरसंहार हुआ था। उसमें माले के कार्यकर्ता मारे गए थे। दलित, अति पिछड़ा किनके शासन काल में मारे गए थे। गरीब तबके के लोग थे, उनका नरसंहार हुआ था। जो नरसंहार करवाने वाला था उसके साथ खड़े हैं और संविधान में खतरे की बात कर रहे हैं, लोकतंत्र पर खतरे की बात कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने आजमगढ़ के लालगंज में जनसभा को किया संबोधित

योगी ने माफिया-दंगाइयों को साफ कर स्वच्छता अभियान को बढ़ाया है आगे : मोदी

- बोले मोदी, यदुवंश का महत्व हम जानते हैं, मध्य प्रदेश में मोहन यादव को बनाया सीएम
- बोले मोदी, दुनिया देख रही भारत के लोगों को मोदी की गारंटी पर है कितना भरोसा

केटी न्यूज/आजमगढ़

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में माफिया, दंगाइयों और रंगदारी मांगने वालों की सफाई करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरपूर स्वच्छता अभियान चलाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा यदुवंश का सम्मान करने वाली पार्टी है, जिसने मध्य प्रदेश में मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया। पीएम मोदी ने कांग्रेस और सपा को चुनौती देते हुए कहा कि वो लोग देश विदेश चाहे जहां से भी ताकत इकट्ठी कर लें, मैं भी मैदान में हूं और तुम भी मैदान में हो। उन्होंने कहा कि सपा के शहजादे आतंकियों का सम्मान करते हैं और उनके कार्यकाल में दंगाइयों को छोड़ने का काम होता था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा भले ही दो दल दिखते हों मगर इनकी दुकान एक ही है, जो झूठ, तुष्टिकरण, परिवारवाद और भ्रष्टाचार का सामान बेचते हैं। पीएम मोदी गुरुवार को लालगंज में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां लालगंज सीट से पार्टी प्रत्याशी नीलम सोनकर और आजमगढ़ सीट से प्रत्याशी दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' के समर्थन में वोट की अपील की।

सपा-कांग्रेस तुष्टिकरण की ट्रिपल डोज लेकर आए हैं

पीएम मोदी ने कहा कि सपा कांग्रेस दल दो हैं, मगर दुकान एक ही है। ये झूठ, तुष्टिकरण, परिवारवाद और भ्रष्टाचार का सामान बेचते हैं। अब ये तुष्टिकरण की ट्रिपल डोज लेकर आए हैं। पिछड़े, दलित और आदीवासियों का अधिकार छीनकर अपने वोटबैंक को देना चाहते हैं। ये आपकी संपत्ति का आधा हिस्सा छीनकर उसे भी अपने वोटबैंक को देना चाहते हैं। साथ ही देश के बजट को बांटना चाहते हैं। हमें फूट डालो और राज करो वालों से चौकन्ना रहना है। 70 साल तक इन्होने हिन्दू मुसलमान किया। हमें एक होना होगा। पीएम ने कहा कि सपा ने राममंदिर को गालियां देने का मिशन चला रखा है। वोट बैंक के लिए हमारी आस्था को वोट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार में यूपी का तेज विकास हो रहा है। मंदुरी एयरपोर्ट बना है, महाराजा सुहेलदेव यूनिवर्सिटी बनी है। किसान कल्याण के काम हो रहे हैं। लेकिन यूपी के शहजादे को इन कामों से पेट में दर्द होने लगता है। इन्हें लगता है कि विकास हो गया तो इनकी दुकान कैसे चलेगी। सपा के गुंडाराज को आपने देखा है। बाजार सात बजे बंद हो जाते थे। माताएं बहनें घर से बाहर नहीं निकल पाती थीं, पढ़ाई के लिए भी बेटियां घर से नहीं निकल पाती थीं।

मोदी की गारंटी का ही ताजा उदाहरण है सीएए कानून

पीएम मोदी ने कहा कि मोदी की गारंटी का ताजा उदाहरण सीएए कानून है। उन्होंने कहा कि कल ही सीएए कानून के तहत शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देने का काम शुरू हो गया है। जिन्हें नागरिकता दी गई है वो सभी भाई बहन हिन्दू, सिख, बौद्ध, पारसी और ईसाई हैं। ये शरणार्थी बनकर लंबे अर्से से भारत में रह रहे हैं। ये धर्म के आधार पर बंटवारे का शिकार हुए थे। 70 साल में ये परिवार प्रताड़ना सहते हुए, अपनी बेटियों की इज्जत और अपना धर्म बचाने के लिए मजबूरन भारत में शरण लिये हुए थे। कांग्रेस ने इनकी सुध नहीं ली, क्योंकि ये कांग्रेस के वोट बैंक नहीं थे। इनमें से ज्यादातर दलित, पिछड़े थे। इनपर वहां तो जुल्म हुआ ही, वोट बैंक की राजनीति में यहां की कांग्रेस सरकार और उनके साथियों ने इनपर जुल्म करने में कमी नहीं रखी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज कश्मीर में भी मोदी की गारंटी दिख रही है। पिछले 5-6 दशकों में कश्मीर हर चुनाव में मुद्दा होता था। अब हमारे विरोधी की बोलती बंद हो गई है। उनके मुंह पर ताला लग गया है। दबी जुबान में वहां जाकर कहते हैं कि मोदी ने 370 हटाया है हमें मौका मिला तो वापस ले आएंगे।

अमित शाह को पीएम बनाना चाहते हैं मोदी, चुनाव के बाद यूपी के सीएम नहीं रहेंगे योगी: केजरीवाल

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

2014 के लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी ने लाल कृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को यह कह कर रिटायर कर दिया था कि वह 75 साल के ऊपर हो गये है, क्या यहीं बात अब मोदी जी पर भी लागू होती है। यह सवाल करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सपा कार्यालय में अखिलेश यादव के साथ गठबंधन की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मोदी जी कुछ माह बाद 75 साल के हो जाएंगे क्या वह शाह को प्रधानमंत्री बना कर राजनीति से संन्यास ले लेंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा मैं यूपी के मतदाताओं से वोट की अपील करने आया हूं। शाह को प्रधानमंत्री बनाने में जितने लोग भी बाधा डाल सकते हैं मोदी जी ने सबको किनारे कर दिया है, बस एक ही शख्श है योगी जी उनको पद से हटा दिया जाएगा। मोदी जी अपने रुल को फॉलो करेंगे। योगी जी को हटाने के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई है। केजरीवाल ने कहा कि 400 पार का बड़ा काम है। आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। बाबा जी के संविधान को बदलना चाह रहे हैं। सभी राज्यों में भाजपा की सीटें कम हो रही हैं। 220 सीटें भी बहुत मुश्किल से आयेगी। 4 जून को इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

अखिलेश यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मैं केजरीवाल का धन्यवाद देता हूं। भाजपा चार चरण में चित हो चुकी है। 400 पार सीटें यानि भाजपा 150 सीटें भी मुश्किल से निकाल पाएगी। हम रोटी कपड़ा मकान के साथ संविधान बचाने के लिए सब मिलकर काम करेंगे। भाजपा आरक्षण को समाप्त कर देना चाहते हैं। भाजपा किसी की सगी नहीं है झूठे मुकदमे लगाने का गैग हैं। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि पहलवानो के मामले और महिलाओं के अत्याचार पर पीएम कुछ नहीं बोलते हैं। जनता के सवालों-महंगाई, बेरोजगारी, किसानों के मुद्दे आदि पर कुछ नहीं बोलते हैं।

मालीवाल मामले में केजरीवाल के पूर्व निजी सचिव को पेश होने का आदेश

राष्ट्रीय महिला आयोग ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पूर्व निजी सचिव बिभव कुमार को शुक्रवार को पेश होने के लिए कहा है। दरअसल, बिभव कुमार पर आम आदमी पार्टी (आप) की सांसद स्वाति मालीवाल के साथ बदसलूकी का आरोप है। बिभव कुमार को शुक्रवार यानी की 17 मई को सुबह के 11 बजे राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है। महिला आयोग ने मालीवाल के उस मीडिया पोस्ट पर स्वतः संज्ञान लिया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि बिभव ने मुख्यमंत्री के आवास पर उनके साथ बदसलूकी की। इन आरोपों पर महिला आयोग ने नोटिस जारी किया।

क्या था मामला: मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने पहुंचीं दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने सीएम आवास के भीतर खुद के साथ बदसलूकी की जानकारी पीसीआर कॉल पर दी। कॉल में स्वाति ने मुख्यमंत्री के निजी सचिव पर बदसलूकी के आरोप लगाए। इसके बाद वह सिविल लाइंस थाने पहुंचीं और पुलिस अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। हालांकि, लिखित शिकायत बाद में देने की बात कहकर थाने से लौट गईं। उधर, राष्ट्रीय महिला आयोग ने पुलिस को नोटिस जारी कर तीन दिन में एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी है। इस मामले में आप की ओर से कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया।

जीएसटी के सभी केस में जरूरी नहीं है गिरफ्तारी : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा है कि जीएसटी के सभी मामलों में गिरफ्तारी की कोई जरूरत नहीं है। गिरफ्तारी तभी की जा सकती है जब दोषी साबित करने के लिए विश्वसनीय सबूत और ठोस सामग्री हो। जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने कहा कि गिरफ्तार करने की शक्ति गिरफ्तारी की आवश्यकता से भिन्न है। पीठ ने सीमा शुल्क अधिनियम और वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम से संबंधित प्रावधानों की सांविधानिक वैधता और व्याख्या को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू से कहा, कानून में यह नहीं कहा है कि जांच पूरी करने के लिए आपको गिरफ्तार किया जाना जरूरी है। यह कानून का उद्देश्य नहीं है। जीएसटी कानून के तहत गिरफ्तारी के प्रावधानों पर राजू से कई सवाल पूछने वाली पीठ ने कहा, कानून ने स्वयं स्वतंत्रता को ऊंचे स्थान पर रखा है और इसे कमजोर नहीं किया जाना चाहिए।

एनसीबीसी ने पंजाब और प. बंगाल में ओबीसी के लिए रोजगार में आरक्षण का कोटा बढ़ाने की सिफारिश की

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) ने पंजाब और पश्चिम बंगाल में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए रोजगार में आरक्षण कोटा बढ़ाने की सिफारिश की है। आयोग का यह फैसला मौजूदा आरक्षण नीतियों, मौखिक बयानों और दस्तावेजी साक्ष्यों की समीक्षा करने के बाद आया है, जिसका उद्देश्य इंदिरा साहनी मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निदेशों का पालन करना है। वर्तमान समय में पंजाब में रोजगार के क्षेत्र में कुल 37 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है, जिसमें 25 प्रतिशत अनुसूचित जाति को और 12 प्रतिशत आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोगों को दिया गया है। एनसीबीसी ने पंजाब में रोजगार में ओबीसी के लिए 13 प्रतिशत अतिरिक्त आरक्षण बढ़ाने की सिफारिश की है, जिससे ओबीसी वर्ग का कुल आरक्षण 25 प्रतिशत हो जाएगा। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए 50 प्रतिशत तक आरक्षण की सीमा तय की है। पंजाब सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव डी के तिवारी 22 फरवरी को एनसीबीसी में उपस्थित हुए थे और उन्होंने आयोग की सिफारिशों को लागू करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता जताई थी।

पश्चिम बंगाल में ओबीसी वर्ग में 35 नई जातियां/समुदाय शामिल किए गए हैं। पश्चिम बंगाल में ओबीसी की राज्य सूची में कुल 179 ओबीसी समुदाय सूचीबद्ध हैं। श्रेणी 'ए' (अधिक पिछड़ी) में 81 जातियां हैं, जिनमें से 73 जातियां मुस्लिम धर्म से संबंधित हैं। श्रेणी 'बी' (पिछड़ा) में 98 जातियां हैं, जिनमें से 45 समुदाय मुस्लिम धर्म से संबंधित हैं। श्रेणी 'ए' (अधिक पिछड़ा) के लिए आरक्षण 10 प्रतिशत और श्रेणी 'बी' (पिछड़ा) के लिए आरक्षण सात प्रतिशत है।

पहली बार इस आयोजन में भोजपुरी फिल्म को किया गया है शामिल

कांस फिल्म फेस्टिवल में भोजपुरी का प्रतिनिधित्व करेंगे प्रदीप पांडेय

केटी न्यूज/पटना

सुपर स्टार प्रदीप पांडेय चिंटू, कांस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के रेड कारपेट पर पहली बार भोजपुरी भाषा का प्रतिनिधित्व करते नजर आने वाले हैं। वे भोजपुरी के पहले ऐसे स्टार हो गये हैं, जो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपना जलवा बिखेरते नजर आयेंगे। मालूम हो कि यह फिल्म फेस्टिवल हर साल फ्रांस के कांस शहर में आयोजित किया जाता है, जो फिल्म उद्योग का एक महत्वपूर्ण आयोजन है। इस आयोजन में शामिल होकर भोजपुरी भाषा को गौरवान्वित करने का सौभाग्य भोजपुरी के अभिनेता प्रदीप पांडेय चिंटू को मिल रहा है, जिससे वे खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

दीवाना, दुलारा, मोहब्बत जैसी भोजपुरी फिल्मों में नजर आ चुके प्रदीप पांडे चिंटू ने इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों के साथ इस गर्व के पल को साझा किया। समारोह से अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए अभिनेता ने यह जानकारी अपने फैंस को दी है। अभिनेता के फैंस उन्हें ढेर सारी बधाई भी दे रहे हैं और इस खास पल के लिए शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट साझा करते हुए उसे कैप्शन दिया, अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल कान में पहली बार हमारी भोजपुरी फिल्म अग्निसाक्षी का पहुंचना, हमारी भोजपुरी भाषा का पहुंचना, हम सभी के लिए बहुत बड़े गर्व की बात है। आप सबके अनंत प्यार और आशीर्वाद ने यहाँ तक पहुंचाया है। जहां हॉलीवुड और बॉलीवुड के बड़े बड़े स्टार्स को बुलाया जाता रहा है, वहीं पर पहली बार भोजपुरी के एक कलाकार को बुलाया गया, ये हम सभी भोजपुरियों की जीत है। इस ऐतिहासिक दिन के लिए हम सभी भोजपुरियों को ढेर सारी शुभकामनाएं। आज एक नया इतिहास रचा गया है। आप सभी को प्यार।

हाल के दिनों में भोजपुरी भाषा की फिल्मों का ग्राप बढ़ा है और इसे वैश्विक मंच से सराहना भी मिल रही है। इसमें प्रदीप पांडेय चिंटू की फिल्मों का भी अहम योगदान रहा है।

पूर्व मंत्री शहनवाज हुसैन तेजस्वी पर बरसे, बोले

कमर में चोट लग गई लेकिन सीट आ रही जीरो

केटी न्यूज/पटना

भाजपा प्रवक्ता पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन तेजस्वी यादव पर जमकर बरसे। तेजस्वी यादव के द्वारा प्रधानमंत्री पर दिए गए बयान पर उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव आजकल हर बात पर माय और बाप बहुत बोलते हैं। अब भाजपा को और मंहगाई को माय बाप बोल रहे हैं। पहले कहते थे माय बाप की सरकार है तो इस तरह की भाषा वह बोलते हैं क्यों कि तेजस्वी यादव बहुत मेहनत किये, कमर में चोट भी लग गया लेकिन सीट आ रही है जीरो। तो जब जीरो सीट आ रही है इसलिए अभी से ऐसा बयानबाजी कर रहे हैं। लालू यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं तब तो कुछ ही नहीं बोल रहे हैं और तेजस्वी यादव भूल जाते हैं कि जिस पार्टी के वह कार्यकर्त्ता हैं तेजस्वी यादव आजकल हर बात पर माय और बाप बहुत बोलते हैं। अब भाजपा को और मंहगाई को माय बाप बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री काफी उम्र दराज हैं लालू प्रसाद भी उम्रदराज हैं लगता है कि वह नरेंद्र मोदी का अपमान करते करते वह लालू यादव का अपमान करने लगते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि जिस तरह से सूरज का उगना तय है उसी तरह नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना भी तय है। इसमें शक की कोई गुंजाईश नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बार भी प्रधानमंत्री बनेंगे और अब की बार 400 के पार जाएंगे। हर चुनाव में कुछ लोग ऐसे संस्थान हैं जो हवा बनाते हैं ये फेज अच्छा नहीं रहा वो फेज अच्छा नहीं रहा। अभी तक हमलोग पूर्ण बहुमत प्राप्त कर चुके हैं चार फेज में, अब तो उसपर ऊपर सीटें आ रही हैं। नरेन्द्र मोदी अगले प्रधानमंत्री बन गये हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि संविधान पर सर रखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सर झुकाकर शपथ लिया था प्रधानमंत्री का। उन्होंने कहा कि संविधान न खतरे में था न है न रहेगा। संविधान में संशोधन तो ज्यादा कांग्रेस ने किया था, हमलोग तो बाबा भीम राव आंबेडकर के बताये हुए रास्ते पर चलते हैं, बाबा साहेब के अनुयायी हैं। संविधान है और रहेगा।

जब नौकर इतना अमीर है तो मालिक का हाल क्या होगा: झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम की गिरफ्तारी हुई है क्यों कि उनके पीए के नौकर के घर से 30 करोड़ निकला था। जब नौकर इतना आमिर है तो मालिक का हाल क्या होगा। पुरे तथ्य के साथ गिरफ्तारी हुई है। गिरफ्तारी हुई है झारखण्ड में और बिहार के कुछ नेता बड़े डर रहे हैं।

गरीमा सहित 11 प्रशिक्षु आईएएस को मिला निर्वाचन का प्रशिक्षण

केटी न्यूज/जहानाबाद

जहानाबाद में निर्वाचन से संबंधित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। इसमें बक्सर की गरीमा लोहिया सहित 11 प्रशिक्षु आईएएस को दिया प्रशिक्षण अपर समाहर्ता ने दिया। विभागीय जांच द्वारा सर्व प्रथम प्रशिक्षण में आयें भारतीय प्रशासनिक सेवा (2023) बैच के 11 परीक्ष्यमान पदाधिकारियों का जिला अतिथि गृह में स्वागत किया गया। अतिथि गृह के सभा कक्ष में पदाधिकारियों को निर्वाचन सामान्य प्रेक्षक गोपालकृष्णन के. तथा निर्वाचन पुलिस प्रेक्षक धर्मेन्द्र शर्मा से परिचय कराया गया। इस संबंध में अपर समाहर्ता, विभागीय जांच ने बताया कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी , जहानाबाद के निदेशानुसार बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) गया में आईएएस-2023 बैंच के 11 परीक्ष्यमान पदाधिकारियों को जहानाबाद जिले में आगामी लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 के मद्देनजर चल रहे कोषांग यथा जिला संयुक्त नियंत्रण कक्ष (मतदाता हेल्पलाइन , व्यय अनुश्रवण कॉल सेंटर तथा पुलिस नियंत्रण कक्ष), वीवीटी और वीएसटी कोषांग, सामग्री प्रबंधन कोषांग एवं एकल खिड़की से संबंधित जानकारी दी गई। वीवीटी की नोडल पदाधिकारी रश्मि सिंह द्वारा कोषांग के कार्यों के बारे में बताया गया। एकल खिड़की कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार ने बताया कि एकल खिड़की जहानाबाद जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए अनुमंडल स्तर पर बनाया गया है, इसके माध्यम से अभ्यर्थी अपने गतिविधियों के संचालन हेतु अनुमति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही सुविधा पोर्टल के बारे में बताया गया। सामग्री प्रबंधन कोषांग की नोडल पदाधिकारी सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी वन्दना कुमारी द्वारा मतदान कार्य में मतदान केंद्र हेतु आवश्यक सामग्री के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में अपर समाहर्ता, विभागीय जांच ने बताया कि बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान गया में भारतीय प्रशासनिक सेवा बैंच के 11 परीक्ष्यमान पदाधिकारियों में गरीमा लोहिया, तुषार कुमार, प्रतीक्षा सिंह, अनिरुद्ध पांडेय, कृति मिश्रा, अकांक्षा आनंद, प्रदुम्न सिंह यादव, अंजली शर्मा, रोहित कर्दम, शिप्रा विजयकुमार चौधरी, एवं नेहा कुमारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण उपरांत सभी आईएएस के प्रशिक्षु पदाधिकारियों को स्मृतिचिन्ह भेंट किया गया। अंत में अपर समाहर्ता, विभागीय जांच द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया।

सीएम ने दिवंगत बीजेपी नेता सुशील मोदी को दी श्रद्धांजलि, घर पहुंचकर परिजनों को बंधाया ढांढस

केटी न्यूज/पटना

सीएम नीतीश कुमार ने दिवंगत बीजेपी नेता सुशील मोदी को श्रद्धांजलि दी हैं। गुरुवार को नीतीश कुमार राजेंद्र नगर स्थित घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान जेडीयू के राज्यसभा सांसद संजय झा और मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद रहे। बता दें कि तबीयत खराब होने की वजह से पिछले दो दिनों में मुख्यमंत्री ने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए थे। इस कारण वो सुशील मोदी के अंतिम दर्शन नहीं कर पाए थे। यहां तक की पीएम मोदी के नामांकन कार्यक्रम में भी शामिल नहीं हुए थे। वहीं, सुशील मोदी के बड़े भाई राजकुमार मोदी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत ही पुराना संबंध उनके साथ है। उन्होंने अपना एक सच्चा साथी खोया है। उन्होंने आगे कहा कि वह बहुत ही ज्यादा पढ़े-लिखे और ज्ञानी व्यक्ति थे। सभी सब्जेक्ट पर विस्तृत ज्ञान था। जीएसटी आज जो देश में लागू हुआ है, उसका मुख्य श्रेय उन्हीं को जाता है। शायद वह उसकी पूरी हिस्ट्री लिखते, लेकिन बहुत तेजी से उनका स्वास्थ्य खराब हुआ। बिहार के विकास के सुशील मोदी का अहम योगदान था। पंद्रह साल के जंगल राज समाप्त के बाद जब एनडीए के हाथ में बिहार की कमान मिली थी। तब अर्थव्यवस्था पूरी तरह से टूट चुकी थी। व्यवसायी, डॉक्टर सहित अन्य समृद्ध का पलायन हो चुका था। उस विकट परिस्थिति में सुशील मोदी ने बिहार के अर्थव्यवस्था की बागडोर अपने हाथ में लिया था। उनकी देन है कि बिहार को विकास के पथ पर आगे लेकर आये। बिहार में बडे उद्योगपति आने लगे। विदेश से व्यवसायी आकर यहां व्यवसाय करने लगे। कई कंपनिया आई है। सुशील मोदी के इस योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। सीएम नीतिश कुमार ने कहा कि डॉक्टर ने बहुत कोशिश की। प्रधानमंत्री खुद उनके ट्रीटमेंट को मॉनिटर कर रहे थे। प्रभु के इच्छा के आगे मनुष्य बेबस और लाचार है। 13 मई (सोमवार) शाम को दिल्ली एम्स में सुशील मोदी का इलाज के दौरान निधन हो गया था। वे 72 साल के थे। उन्होंने करीब 7 महीने पहले गले में दर्द की शिकायत पर जांच कराई थी, जिसमें कैंसर का पता चला था। इसके बाद से दिल्ली एम्स में उनका इलाज चल रहा था। सुशील मोदी के पार्थिव शरीर को मंगलवार करीब 2.20 बजे दिल्ली से पटना एयरपोर्ट लाया गया। एयरपोर्ट पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। फूलों से सजी पुलिस की गाड़ी में पार्थिव शरीर को उनके घर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। इसके बाद पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए सीएम ऑफिस, विधान परिषद और बीजेपी ऑफिस लाया गया। बीजेपी कार्यालय से उनके पार्थिव शरीर को दीघा घाट लाया गया, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। दीघा घाट पर ही उनका अंतिम संस्कार किया गया।

हत्या के आरोप में चार आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

केटी न्यूज/पटना

व्यवहार न्यायालय दरभंगा के अपर सत्र न्यायाधीश सुमन कुमार दिवाकर की अदालत ने हत्या के जुर्म में 4 मर्डर अभियुक्तों को आजीवन सश्रम कारावास और 1-1 लाख रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। मृतक मो सलीम का मोबाइल चोरी गया था। मृतक के मोबाइल पर कॉल करने पर उसका मोबाइल आरोपी मो नबाव उर्फ लीलू ने रिसीव किया था। मृतक सलीम को मोबाइल लौटाना नहीं पड़े, इस कारण चारों आरोपियों ने मिलकर ईंट पत्थर प्रहार कर उसकी हत्या कर दी थी। इस मामले को लेकर मृतक के भाई मो रुस्तम ने थाना में चारों आरोपियों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी कांड संख्या दर्ज करायी था।

मुजफ्फरपुर में वार्ड पार्षद के घर पर आयकर विभाग की छापेमारी

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

आयकर विभाग की टीम पूर्व वार्ड पार्षद और निवर्तमान पार्षद सीमा झा पति विजय कुमार झा के घर पर पहुंची है। आयकर विभाग के छह से अधिक अधिकारी पार्षद पति के घर को खंगाल रहे हैं। उनके दुकान, कार्यालय और कई अन्य जगहों पर छापेमारी चल रही है। आयकर विभाग की टीम विजय कुमार झा से सघन पूछताछ कर रही है। विजय कुमार झज्ञ पर आय से अधिक संपत्ति, प्रॉपर्टी लेन-देन के आरोप लगे हैं। बताया जा रहा है कि गुरुवार सुबह मालीघाट चौक स्थित नगर निगम वार्ड 41 की पार्षद सीमा झा के पति पूर्व पार्षद विजय झा ने जैसे ही घर का दरवाजा खोला तो वह दंग रह गए। इनकम टैक्स की टीम अचानक घर के अंदर आ गई। घर में बाहर से आने वालों की इंट्री बंद कर दी गई है। अलग-अलग टीम पुरानी बाजार स्थित सविता विवाह भवन, चूना भट्टी रोड स्थित सविता वृद्ध आश्रम, भारत माता चौक के टाइल्स मार्बल दुकान, कोठिया स्थित स्वामी विवेकानंद स्कूल में जांच करने पहुंची है। हालांकि इस मामले में इनकम टैक्स की ओर से कोई बयान नहीं दिया गया है। वहीं सूत्रों का कहना है कि पूर्व पार्षद के कई ठिकानों पर लगातार आयकर विभाग के अधिकारियों ने छापेमारी की है। उनकी कई संपतियों की जांच चल रहा है।

छपरा के मदरसा में बम धमाका, गेंद समझकर छात्र ने उठाया, मौलाना ने की फेंकने की कोशिश तो हुआ विस्फोट, दोनों घायल

केटी न्यूज/छपरा

छपरा के गड़खा थाना क्षेत्र के मोतिराजपुर गांव स्थित एक मदरसा में अचानक ब्लास्ट हो गया। इसमें मदरसा के मौलाना और उनका छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। धमाके की गूंज आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने दोनों को सदर अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां से दोनों को बेहतर इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच रेफर किया गया है। दोनों की मदरसा में ही रहते थे। इनकी पहचान मढ़ौरा थाना क्षेत्र के ओल्हनपुर गांव निवासी मौलाना इमामुद्दीन और 15 वर्षीय नूर आलम के रूप में हुई। नूर मुजफ्फरपुर जिले का निवासी है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि मदरसा में रह कर पढ़ाई कर रहे नूर आलम ने मदरसा के पीछे गेंद जैसे दिख रहे बम को हाथ में उठा लिया और अंदर आ गया। उसके बाद हाथ में बम देख मौलाना उसे अपने हाथ में लेकर फेंकना चाह रहे थे कि नीचे नूर आलम के पैर पर गिर पड़ा। इस घटना में नूर आलम के पैर एवं मौलाना के हाथ फट गया है। हालांकि कुछ लोग इस घटना को बम बांधे जाने की बात भी दबे जुबान बता रहे हैं। बुधवार रात घटना के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। वहीं स्थानीय पुलिस इस मामले की छानबीन में जुट गई है। इस बम ब्लास्ट की पुष्टि सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव मंगला के द्वारा की गई है। पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव मंगला ने बताया कि कि प्रथम दृष्टया बम ब्लास्ट पटाखा फैक्ट्री का प्रतीत हो रहा है। इसमें दो लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। इस मामले में गड़खा थानाध्यक्ष शशि रंजन के द्वारा बताया गया कि मोतीराजपुर गांव स्थित मदरसा परिसर में बम के फटने की सूचना मिली है। जिसमें मदरसा के 40 वर्षीय मौलाना इमामुद्दीन एवं 15 वर्षीय नूर आलम बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। जिनका उपचार किसी निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। वहीं सूत्रों की मानें तो दोनों घायलों को निजी अस्पताल से पीएमसीएच रेफर किया जा चुका है। वहीं पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
HARNAHI ROAD, DUMRAON, BUXAR- 802119
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII

ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)

REGISTRATION & ADMISSION STARTED

ELIGIBILITY CRITERIA

- DIRECT ADMISSION with INTERVIEW FOR CLASS X (2024) PASS OUT STUDENTS OF CAMBRIDGE GROUP OF SCHOOLS with 80% MARKS for PCM, 70% for PCB and 60% for COMMERCE STREAM.
- ADMISSION TEST & INTERVIEW WILL BE CONDUCTED FOR THE STUDENTS OF OTHER SCHOOLS.

SCHOLARSHIP SCHEME

- CANDIDATES WITH 95% & ABOVE WILL BE GIVEN FULL FREESHIP (100% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
- CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.

CHAIRMAN - MR. T.N. CHOUBEY

TOPPERS IN AISSCE (Std. XII)

1st SHAKSHI KUMARI 94.80%
2nd ANKIT KUMAR 92.60%
3rd SANJANA KUMARI 92.00%

SUBJECTWISE HIGHEST MARKS

English Core - 97	Mathematics - 95	Accountancy - 95
Hindi Elective- 95	Biology - 96	Business Studies- 93
Physics - 95	Chemistry - 95	Economics - 94

TOPPERS IN AISSE (Std. X)

1st ARADHYA GUPTA 96.80%
2nd RUKHSAR NAAZ 95.00%
3rd SANANDAN DUBEY 94.80%

SUBJECTWISE HIGHEST MARKS

English - 94	Hindi - 95	Science - 96
Sanskrit - 100	Mathematics - 100	Social Science - 100

INFORMATION

REGISTRATION FORMS are AVAILABLE and can be OBTAINED from the ADMISSION CELL at CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON, (Junior Wing, Dr. Jagnarayan Hospital Campus) on all working days from 08 AM to 2 PM.

8210918840, 7319972175, 6396686958
www.cambridgeschooldumraon.in
www.facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON

LIMITED SEATS
Hurry Up

वोट डालने 3 किलोमीटर दूर परमानपुर जाते है मुकुंदपुर के ग्रामीण, नहीं है पक्की सड़क

- आजादी के साढ़ेसात दशक बाद भी मुकुंदपुर का पगडंडियों से नहीं छूटा नाता
- 2 हजार की आबादी और 15 सौ वोटर हैं गांव में
- एक किलोमीटर पैदल चलकर रोड पर आते हैं ग्रामीण

केटी न्यूज/डुमरांव

एक तरफ निर्वाचन आयोग व प्रशासन मतदान प्रतिशत प्रतिशत बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर मतदाता जागरूकता अभियान चला रहा है। मतदाताओं के घरों के नजदीक मतदान केन्द्र बनाने के साथ ही वहां पेयजल, शौचालय, बिजली, रैंप जैसी मुलभूत सुविधाओं की बहाली की गई है। ताकी मतदाता बिना किसी परेशानी के मतदान कर सकें। लेकिन, अनुमंडल में एक ऐसा भी गांव है, जहां के मतदाताओं को मतदान करने के लिए 3 किलोमीटर दूर दूसरे गांव में जाना पड़ता है। इस गांव में जाने के लिए पक्की सड़क तक नहीं है। हम बात कर रहे सिमरी प्रखंड के मझवारी पंचायत के मुकुंदपुर गांव की। जहां के ग्रामीणों को मतदान करने के लिए 3 किलोमीटर दूर परमानपुर गांव में जाना पड़ता है वही मुख्य सड़क तक जाने के लिए एक किलोमीटर पैदल सफर कर जाना पड़ता है। जबकि इस गांव की कुल आबादी ढाई हजार है और 1500 मतदाता है।

गांव में रोड बनाने का दिया था आश्वासन: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने दौरे के दौरान ग्रामीणों के बीच यह आश्वासन दिया था कि गांव में जाने तक रोड बनेगा। उनके अश्वासन के बाद संबंधित अधिकारी सक्रिय हुए थे। गांव में जाकर सारी जानकारी लेकर सड़क बनाने के लिए मापी का काम भी शुरू किया था। मापी का काम शुरू होते ही रैयती जमीन का मामला आ गया। अधिकारी इस रैयती जमीन का मामला सुलझाने की बजाए इसको ठंढे बस्ते में डाल दिये, जो आजतक पड़ा हुआ है। आजादी के साढ़े सात दशक बितने के बाद भी गांव में जाने के लिए सड़क नहीं बना, भले ही सुनने में अटपटा लगे, लेकिन यह सच्चाई है। ऐसा ही गांव है बक्सर जिले के सिमरी प्रखंड का गांव मुकुंदपुर। यह गावं कोलिया ताल के किनारे पर बसा हुआ है। बच्चों को पढ़ने जाना है या बीमार को अस्पताल पहुंचाना हुआ नयाभोजपुर-सिमरी रोड तक पैदल चलकर ही आना पड़ेगा। बीमार को लोग आज भी चारपाई पर लादकर ले जाते हैं। लोगों को उस समय काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जब बरसात शुरू हो जाती है। बरसात में ताल जब पूरा भर जाता है, उस समय गांव टापू बन जाता है। पैदल भी आने-जाने लायक जगह नहीं बचती है, लिहाजा रास्ता बदल पगडंडियों का सहारा लेना पड़ता है। इतना ही नहीं पानी भर जाने के बाद बच्चों की पढ़ाई तीन माह तक बंद हो जाती है। पानी घटने के बाद धीरे-धीरे लोगों का आना-जाना शुरू होता है और बच्चे तीन माह बाद स्कूल जाना शुरू करते हैं।

गांव में नहीं बनता बूथ

यहां के ग्रामीणों को वोट डालने के लिए 3 किलोमीटर का रास्ता तय कर दूसरे गांव में जाना पड़ता है। बूथ नहीं होने की बात पर गांव के ही डॉ. गांधी राजभर, छात्रा शोभा कुमारी, प्रीति कुमारी, हरिशंकर यादव, प्रभूनाथ यादव, अनेश गोंड, बुद्धु राजभर, विश्राम यादव, मो. आबीद, अरूण कुमार सहित अन्य का कहना है कि गांव में जाने का रास्ता नहीं होने के कारण बूथ नहीं बनता है। यही रास्ता बना रहता तो मतदाता अपने गांव में ही वोट डालने के लिए बूथ पर जाते। यहां की जनता को यह आस है कि आखिर कब बनेगी सड़क।

ब्रजगृह की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की व्यवस्था के साथ रहेगी त्रिस्तरीय सुरक्षा

डीएम व सामान्य प्रेक्षक ने किया ब्रजगृह का निरीक्षण, संबंधित अधिकारियों को दिया निर्देश

- बिजली, पानी व मौसम आंधी-वर्षा को देखते सुरक्षित टेंट आदि की व्यवस्था
- ईवीएम संग्रह केन्द्र स्थल बाजार समिति परिसर में विभिन्न क्रमवार रखें जाएंगे

केटी न्यूज/बक्सर

सामान्य प्रेक्षक एके जॉय व डीएम अंशुल अग्रवाल ने बाजार समिति प्रागंण में बनाये गए ब्रजगृह एवं मतगणना केन्द्र का निरीक्षण किया। जहां, ब्रजगृह के सुरक्षा इंतजाम संसाधनों का जायजा लिया गया। वही उन्हें ब्रजगृह की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की व्यवस्था के साथ त्रिस्तरीय सुरक्षा की जानकारी दी गई। बताया गया कि ब्रजगृह विभिन्न संसाधनों से लैस रहेगी। जहां विधानसभा वार ईवीएम सुरक्षित रखी जायेगी। विभिन्न विभागों बिजली, पानी व मौसम आंधी-वर्षा को देखते सुरक्षित टेंट आदि की व्यवस्था किये जाने को बताया गया। निरीक्षण के दौरान सभी विभागीय पदाधिकारियों को सम्बंधित कार्य व्यवस्था सुदृढ़ रखने को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के क्रम में नोडल पदाधिकारी, ईवीएम कोषांग द्वारा बताया गया कि ईवीएम संग्रह केन्द्र स्थल बाजार समिति बक्सर के परिसर में विभिन्न क्रमवार विधानसभाओं के कक्ष में रखे जाएंगे। जिसके संग्रह के लिए 20-20 टेबल की व्यवस्था की गई है। वही, एक टेबल विशेष टेबल के रूप में चिन्हित किया जायेगा जिसपर ईवीएम जमा करने के दौरान किसी प्रकार की समस्या आने पर उक्त विशेष टेबल के माध्यम से निराकरण किया जाना है। जबकि, पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने ईवीएम की त्रिस्तरीय सुरक्षा की विस्तृत रूप से जानकारी दी। वहीं नोडल पदाधिकारी को खुले छत की सीधी बैरिकेटिंग कराने, सीसीटीवी के अलावे अतिरिक्त ईवीएम संग्रह केन्द्र स्थलों पर सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने को निर्देशित किया गया। वहीं मतगणना के दिन बाहर से आने वाले कार्यकर्ताओं के बैठने सहित अन्य व्यवस्था की भी जानकारी ली गई। यह निर्देश दिया गया कि निर्धारित सीमा से अधिक कार्यकर्ताओं को जाने की इजाजत नहीं है। वाहनों को बाहर ही रोका जाएगा। ताकि जाम की स्थिति पैदा नहीं हो सके। इस दौरान उप विकास आयुक्त डॉ महेंद्र पाल, अपर समाहर्त्ता गिरजेश कुमार, अपर समाहर्ता कुमारी अनुपम सिंह, अनुमण्डल पदाधिकारी धीरेंद्र मिश्रा, कोषागार पदाधिकारी सुकर पासवान, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद, संवेदक एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

ईवीएम व वीवीपैट की सुरक्षा में 24 घंटे तैनात रहेंगे जवान : डीएसपी

केटी न्यूज/डुमरांव

डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी व थानाध्यक्ष अनिशा राणा ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर डिस्पैच सेंटर बनाए गए राज हाई स्कूल तथा डीके कॉलेज का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने मुख्य रूप से सुरक्षा व्यवस्था की पड़ताल की तथा कई आवश्यक निर्देश दिए । इस संबंध में डीएसपी अफाक ने बताया कि मुख्य रूप से सुरक्षा व्यवस्था की जांच-पड़ताल की गई। उन्होंने जांच के बाद सुरक्षा व्यवस्था से संतोष जताया और कहा कि दोनों डिस्पैच सेंटरों की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की गई है। डीएसपी ने बताया कि प्रत्येक डिस्पैच सेंटर पर ईवीएम व वीवीपैट मशीन शुक्रवार को आ रहा है। इसके पहले वहां निर्धारित संख्या में जवानों की तैनाती कर दी गई है। डीएसपी ने बताया कि प्रत्येक डिस्पैच सेंटर पर दो-दो हवलदार तथा आठ-आठ जवानों की ड्यूटि लगाई गई है। उन्हें रोस्टर के अनुसार संतरी ड्यूटि का बंटवारा भी कर दिया गया है। इसके अलावे जवानों के ठहराव, नास्ता, पानी व भोजन के साथ ही वाहनों के लगाने की जगह तथा साफ सफाई का निरीक्षण भी किया गया। डीएसपी ने बताया कि डिस्पैच सेंटरों से ही मतदान केन्द्र तक ईवीएम व वीवीपैट मशीन सुरक्षित पहुंचाना है। इस लिहाज से डिस्पैच सेंटरों की भूमिका महत्वपूर्ण बन गई है। वही प्रशिक्षु डीएसपी अनिशा राणा ने कहा कि दोनों डिस्पैच सेंटरों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम तथा जवानों के ठहरने की अच्छी व्यवस्था की गई है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 के तहत राज हाई स्कूल को डुमरांव विधान सभा क्षेत्र का जबकि डीके कॉलेज डुमरांव को ब्रह्मपुर विधान सभा क्षेत्र का डिस्पैच सेंटर बनाया गया है। इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था की पुख्ता इंतजाम है।

स्वास्थ्य कर्मियों ने जागरूकता रैली निकाल आम जनता को दी डेंगू से बचाव की जानकारी

केटी न्यूज/चौसा

डेंगू दिवस के मौके पर चौसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सक डा.अरुण कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा जागरूकता अभियान के तहत रैली निकाली गई। जो चौसा पीएचसी से निकल यादव मोड़, खिलाफतपुर, नारायणपुर आदि जगहों से होकर वापस पीएचसी पहुंचा। इस अभियान में स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा मरीजों को डेंगू की पहचान व बचाव के उपाय बताए गए। इस सम्बंध में चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि डेंगू की बीमारी संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से होती है। इसकी पहचान तेज बुखार आना बदन सर आंखों के पीछे दर्द एवं जोड़ों में दर्द त्वचा पर लाल धब्बे चकते का निशान होना नाक मसूड़े या उल्टी के साथ रक्तस्राव काला पैखाना होना इत्यादि इस बीमारी के लक्षण है। उन्होंने बताया कि बीमारी के लक्षण होने पर बिना समय नष्ट किये चिकित्सक के संपर्क में तुरंत आना चाहिए। डेंगू बुखार की स्थिति में सभी रोगियों को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं होती है, समय पर उपचार करने से मरीज पूर्णत स्वस्थ्य भी हो जाता है। वही डा. चंद्रमणी विमल ने बताया कि डेंगू से बचाव के कुछ उपाय अपनाने पर इसे बचा जा सकता है। जैसे दिन में भी सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल, मच्छर भगाने वाली दवा क्रीम का प्रयोग, पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहने और घर के सभी कमरे को साफ सुथरा एवं हवादार बनाए रखें टूटे-फूटे बर्तनों कूलर एसी फ्रिज के पानी को निकाल दें, पानी टंकी एवं घर के अंदर एवं अगल-बगल के जगह पर पानी न जमा होने दें, अपने आसपास के जगह को साफ सुथरा रखें एवं जमा पानी पर कीटनाशक दावों का छिड़काव करें इत्यादि जमे हुए पानी पर मिट्टी का तेल भी डाल सकते है।

18 मई को बक्सर आएंगे असम के मुख्यमंत्री हिमन्ता विश्वा शर्मा, करेंगे जनसभा : विजय

केटी न्यूज/डुमरांव

भाजपा के फायर ब्रांड नेता व असम के मुख्यमंत्री हेमंता विश्वशर्मा 18 मई को बक्सर में होंगे। वे आसन्न लोकसभा चुनाव में बक्सर संसदीय सीट के भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी के समर्थन में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। यह जनसभा ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के अर्जुनपुर उच्च विद्यालय नियाजीपुर के खेल मैदान में आयोजित की गई है। जहां, वे हेलीकाप्टर से शाम करीब पौने चार बजे आएंगे तथा भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा को संबोधित करेंगे। इस आशय की जानकारी कार्यक्रम के संयोजक व वरिष्ठ भाजपा नेता विजय मिश्रा ने दी है। उन्होंने बताया कि हिंदू हृदय सम्राट हिमन्ता विश्व शर्मा के आगमन की खबर सुन इलाके के सनातनियों में हर्ष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि उनकी जनसभा में लाखों की भीड़ जुटेगी। विजय मिश्र ने कहा कि उनके सभा स्थल व हेलीपैड का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर कराया जा रहा हैं। वही, इसका व्यापक प्रचार प्रसार भी कराया जा रहा है। भाजपा नेता ने बताया कि उनके आगमन की खबर सुन लोगों में खुशी व्याप्त है तथा लोग उनकी एक झलक पाने को बेताब है। बता दें कि हेमंता विश्वशर्मा की गिनती भाजपा के फायर ब्रांड नेताओं में की जाती है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरह ही उनके चाहने वालों की संख्या देशभर में बढ़ रही है। विजय मिश्रा ने बताया कि बक्सर संसदीय सीट से एनडीए प्रत्याशी की जीत निश्चित है, वही असम के मुख्यमंत्री के आने के बाद बक्सर संसदीय सीट से एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी रिकार्ड मत से चुनाव जीतेंगे। विजय मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री के अबकी बार चार सौ के पार का नारा साकार होने जा रहा है तथा इसमें एक सीट बक्सर की भी होगी। इसके लिए भाजपा के सभी कार्यकर्ता दिन रात एकजुट होकर लगें है। बक्सर में भाजपा दो लाख से अधिक मतों से चुनाव जीतेगी।

योगी शीलनाथ महाराज ने हवन कुंड में पूर्णाहूति डालते ही पूरा इलाका जयकारे से गूंजायमान हो

नाथबाबा मंदिर में आयोजित सात दिवसीय श्रीरूद्र महायज्ञ का भंडारे के साथ हुआ समापन

- श्रीआदिनाथ अखाड़ा चरित्रवन के तत्वावधान में आयोजित हुआ था महायज्ञ
- अंतिम दिन शामिल हुए अलवर सांसद मठाधीश्वर बालकनाथ

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के नाथ बाबा मंदिर में श्री आदिनाथ अखाड़ा चरित्रवन के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्री रूद्र महायज्ञ गुरुवार को पूर्णाहूति व भंडारे के साथ संपन्न हो गया। अंतिम दिन महामंडलेश्वर योगी शीलनाथजी महाराज ने हवन कुंड में पूर्णाहूति डालते ही मंदिर परिसर गुरुदेव भगवान श्रीनाथ बाबा के जयकारे से गूंजायमान हो उठा। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में साधु संतो व श्रद्धालु भक्तों ने पंगत में बैठ प्रसाद ग्रहण किया। इसके पूर्व बुधवार की रात नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार महामंडलेश्वर शीलनाथजी महाराज के नेतृत्व में नवनाथ पूजन किया गया। वही गुरुवार को भी सुबह में महायज्ञ के विधानों को वैदिक मंत्रोच्चार व हवनादि के साथ पूरा किया गया। इस महायज्ञ के आयोजन से सात दिनों तक इलाके का माहौल भक्तिमय बन गया था। पूर्णाहूति में राजस्थान के अलवर जिले से भाजपा सांसद तथा नाथ संप्रदाय के मठाधीश्वर बालकनाथजी महाराज के साथ ही महंत योगी किशन नाथ जी, महंत योगी बसंतनाथ, महंत योगी बालवीरनाथ, महंत योगी विश्वनाथ, महंत योगी सोमनाथ, महंत योगी साधुनाथ, महंत योगी दिव्यनाथ, योगी भव्यनाथ, यति धर्मनाथ, बाबा बृहस्पति नाथ, सिद्धेश्वरनाथ के अलावे आश्रम से जुड़े सभी शिष्य एवं हजारों श्रद्धालु भक्त मौजूद थे।

सनातन संस्कृति में है अद्भूत शक्ति : बालकनाथ

श्रीरूद्र महायज्ञ में शामिल होने आए नाथ संप्रदाय के मठाधीश्वर व राजस्थान के अलवर से भाजपा सांसद बालकनाथ ने कहा कि सनातन संस्कृति में अद्भूत शक्ति है। उन्होंने कहा कि भारत पर लंबे समय तक विदेशी ताकतों का शासन रहा, लगभग 1000 वर्षों तक मुगल और अंग्रेज भी शासन किए फिर भी विदेशी आक्रांता लंबी गुलामी एवं क्रूरता के बावजूद देश की संस्कृति एवं परंपराओं को खत्म करने में सफल नहीं हुए। यह सनातन संस्कृति की विशेषता की देन है। उन्होंने कहा कि सुखमय पारिवारिक जीवन के लिए परिवार के सदस्यों के बीच मयार्दा व संस्कार का होना जरूरी है। बिना संस्कार के ही मनुष्य को अपने जीवन में कई संकटों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चें के जन्म के बाद जिस तरह से बोलना और चलना सिखाया जाता है, उसी तरह उनमें संस्कार का बीजारोपण भी करना चाहिए। जिससे बड़ा होने पर वे इसे अपने जीवन में उतार सकें। उन्होंने कहा कि बक्सर का नाम कई बार सुना था, इसके धार्मिक महत्व के बारे में भी मुझे जानकारी है। जिस कारण मैं बक्सर आने के लिए लालायित था। उन्होंने महामंडलेश्वर शीलनाथजी महाराज एवं भक्तों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इनके कारण ही मुझे यहां आने का सौभाग्य मिल सका।

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में शुरू हुई सीजेरियन सेवा, मिलेगी राहत

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडलीय अस्पताल में सीजेरियन सेवा शुरू होने से मरीजों को काफी राहत मिली है। सेवा शुरू होने से मरीज को रेफर करने की नौबत नहीं आती है। गुरुवार को अस्पताल में मौजूद डाक्टरों ने आपसी समझ के साथ दो मरीजों का सीजेरियन कर मरीज को सुरक्षित किया। इस सीजेरियन सेवा में डीएस डॉ. गिरीश कुमार सिंह, डॉ. लोकेश कुमार, डॉ. अजीत कुमार, डॉ. एस प्रिया, डॉ. श्रुति प्रकाश, डॉ. जेएन की सराहनय भूमिका रही। विदित हो कि सीएस डॉ. एससी सिन्हा ने अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव में डाक्टरों की सेवा बढ़ते ही सीजेरियन करने के लिए आदेशित किया है। उसी आदेश के आलोक में गुरुवार को सीजेरियन सेवा शुरू की गई। इस सेवा में दो मरीज का सीजेरियन किया गया। मौके पर सभी ओपीडी चिकित्सक मौजूद रहे। मरीज का सीजेरियन सफल होने के बाद उनके अभिभावक काफी खुश थे। बता दें कि पहले सीजेरियन नहीं होता था और मरीज को रेफर कर दिया जाता था। जिससे उनकी आर्थिक व मानसिक परेशानी शुरू हो जाती थी। सीजेरियन शुरू होने से मरीज और उनके अभिभावक इन सभी परेशानियों से बच जाएंगे।

एक नजर

डुमरांव पुलिस ने चार वारंटियों को पकड़ा, जेल

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगहों से स्थानीय पुलिस ने फरार चार वारंटियों को पकड़ने में सफलता पायी है। पकड़े गये आरोपियों की पहचान दक्षिण टोला निवासी स्व गोपाल राम के पुत्र पिंटू राम, स्व नगीना राम के पुत्र संतोष राम और थाना क्षेत्र के भरखरा गांव निवासी स्व भुनेश्वर पाठक के पुत्र नारायण पाठक व नंदजी पाठक के रूप में हुई है। डुमरांव पुलिस ने बताया कि इन आरोपियों के खिलाफ न्यायालय द्वारा वारंट निर्गत किया गया था। जिन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

शराब के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार, एक फरार

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के बनकट गांव में पुलिस ने देसी शराब के साथ एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है जबकि दूसरा तस्कर भागने में सफल रहा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बनकट गांव निवासी चिंता देवी के रूप में हुई है जबकि फरार तस्कर मोहन राम बताया जाता है। दोनों तस्कर रिश्ते में पति-पत्नी बताये जाते है। अपर थानाध्यक्ष संजीत शर्मा ने बताया कि महिला तस्कर का पति पूर्व में शराब बेचने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस की टीम ने इसके के ठिकाने से आठ सौ मिलीलीटर देसी शराब बरामद किया है। उन्होंने बताया कि फरार तस्कर की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

वाहन जांच के दौरान वसूले गए हजारों रुपए

केसठ। लोकसभा चुनाव को ले क्षेत्र में पुलिस चौकसी बढ़ गई है। जिला प्रशासन के आदेश पर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में चेक पोस्ट बनाई गई है जहां पुलिस द्वारा वाहनों की सघन जांच की जा रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को नावानगर पुलिस के द्वारा पचदारा पुल के समीप बनाए गए चेक पोस्ट पर वाहन जांच अभियान सह रोको टोको अभियान चलाया। इस दौरान नावानगर एसआई सुभम कुमारी और मजिस्ट्रेट विजय कुमार के द्वारा दो पहिया और चार पहिए वाहनों से चार हजार रुपए का चलान वसूला गया। एसआई सुभम कुमारी ने बताया की लोक सभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए बनाए गए चेक पोस्ट पर वाहन जांच अभियान शेड्ढूल बनाकर की जा रही है। ताकि आदर्श आचार संहिता का पालन हो और क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रहे। वाहन जांच के दौरान हेमलेट, वाहन की वैध कागजातो की जांच की गई। साथ ही अवैध कागजातों और बिना हेमलेट वाहन चालकों से चार हजार रुपए का चलान काटा गया। जांच टीम में रामजी, उमेश सिंह, दिलीप कुमार सिंह समेत कई अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

विभिन्न थाना व चेकपोस्ट से भारी मात्रा में शराब के साथ, पांच गिरफ्तार, दो वाहन जब्त

बक्सर। जिले के दो थाने राजपुर व मुफस्सिल थाने के साथ चौसा चेकपोस्ट से जांच के दौरान भारी मात्रा में शराब के साथ पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। जहा प्रयोग में लायी गयी बाइक व मैजिक पिकअप को जब्त की करवाई की गई। इस तरह राजपुर में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पंजराव पुल के पास बने चेकपोस्ट पर पुलिस द्वारा रोक लगाने का संकेत के बावजूद एक मैजिक पिकअप वाहन बिना जांच के बेधड़क भाग रहा था। जिसे पुलिस ने तिवाय गांव के पास पीछा कर दबोच लिया। जांच की गई। बाहर से पिकअप पर लदे मिनरल वाटर की बोतल नजर आ रही थी। पुलिस ने पानी की बोतलों को हटाया तो उन्हें शराब की पेटिया नजर आयी। जहा चालक व सह चालक को गिरफ्तार कर पिकअप को थाने लाया। जहा गिनती की तो 80 कार्टून 500 एमएल पर बोतल कुल 1920 बोतल किंगफिशर बियर बरामद की। पुलिस द्वारा पूछताछ पर चालकों ने बताया इसे बक्सर पहचान था। वही उनलोगों वाहन मालिक व तस्कर की पहचान बताई। दो पकड़े गए चालक यूपी वाराणसी के रहने वाले अभिषेक कुमार व पप्पू कुमार है। इसकी जानकारी थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने प्रेस वार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि पिकअप में 40 बड़े कार्टून में किंगफिशर स्ट्रॉन्ग मल्टी बियर लगभग 80 कार्टून में 960 लीटर तथा 500 मिलीलीटर का 1272 पानी का बोतल एवं एक लीटर के 1020 पानी की बोतल बरामद की गई है। वहीं, मुफस्सिल पुलिस ने वाहन जांच के दौरान लालगंज मोड़ पर बाइक से एक काले बैग में छुपाकर ले जा रहे काले बैग से 200 एमएल की 179 टेट्रा पैक देशी मसालेदार शराब बरामद की गई। जिसके साथ दो इटाढ़ी थाने के खनिता निवासी घूरन राम व बसाव डेरा के मुकेश कुमार को गिरफ्तार किया गया। वही, शराब व बाइक को जब्त करते हुए दोनों को जेल भेज दिया गया। तो दूसरी ओर चौसा चेकपोस्ट पर जांच के दौरान 41 टेट्रा पैक देशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। तस्कर मुफस्सिल थाना के बघेलवा गांव निवासी रविकांत यादव है।

डुमरांव पीएचसी में मनाया गया राष्ट्रीय डेंगू दिवस

डुमरांव। राष्ट्रीय डेंगू दिवसर के अवसर पर पीएचसी डुमरांव में आशा कार्यकताओं की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी को डेंगू एवं चिकनगुनिया बीमारी के संबंध में विस्तार से बताया गया। आशा कार्यकताओं को यह बताया गया की इसका उचार होने से मरीज बिल्कुल ठीक हो जाएगा। यह बीमारी संक्रमित एडीस मच्छर के काटने से फैलता है। चिकित्सकों ने बताया इस बीमारी के लक्षण और बचाव के उपाय से सभी को अवगत कराया। नगर में जुलूस निकाल इस संबंध में लोगों को बताना था, लेकिन जुलूस की केवल खानापूर्ति की गई। जुलूस केवर पीएचसी के गेट पर ही निकाला गया।

रफ्तार का कहर: काम के सिलसिले में घर से निकले युवक की सड़क हादसे में मौत

- आरा-अरवल रोड पर पवना बाजार के समीप की गुरुवार सुबह की घटना
- सड़क किनारे पैदल जा रहे युवक को वाहन ने रौंद डाला, मौके पर गयी जान

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में वाहनों की तेज रफ्तार के कारण अब सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया है। यमराज बन सड़कों पर दौड़ रही गाड़ियां लोगों को रौंदते निकल जा रही है। खासकर बालू वाले रूट पर तो वाहनों का आतंक ज्यादा ही बढ़ गया है। सुबह, दोपहर या रात वाहनों की रफ्तार का कहर टूटता ही रहता है। वाहनों की आमने-सामने की भिड़ंत की बात दूर, अब तो सड़क के किनारे पैदल चलना भी सुरक्षित नहीं रह गया है। आरा-अरवल रोड़ पर पवना बाजार के समीप गुरुवार की सुबह तेज रफ्तार एक वाहन ने सड़क किनारे जा रहे एक युवक को कुचल दिया। उसमें युवक की मौत हो गयी। युवक किसी काम के सिलसिले में अल सुबह घर से निकला था। मृत युवक पवना थाना क्षेत्र के पवार गांव निवासी बालेश्वर यादव का 40 वर्षीय पुत्र लाल बाबू यादव था। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराने का बाद शव उनके परिजनों को सौंप दिया गया। बालेश्वर यादव ने बताया कि गुरुवार की सुबह वह किसी काम के सिलसिले में घर से पैदल पवना बाजार जा रहा था। उसी दौरान पवना बाजार स्थित पेट्रोल पंप के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उसे रौंद दिया। स्थानीय पुलिस की ओर से घटना की सूचना दी गयी। बताया जा रहा है कि लाल बाबू यादव अपने चार भाई और एक बहन में चौथे स्थान पर था। उसके परिवार में फुलवासो देवी, तीन भाई योगेंद्र, राम केवल, विनोद और एक बहन तेतरी देवी है। उसकी मौत के बाद मां सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। बता दें कि जिले में हर रोज सड़क हादसे में एक दो लोगों की जान जा रही है। अधिकतर हादसों का मूल कारण वाहनों की अनियंत्रित गति ही रहे हैं। तेज रफ्तार के कारण कहीं वाहनों की आमने-सामने की भिड़ंत हो जा रही है, तो कहीं दूसरे को पीछे से ठोकते निकल जा रहे हैं।

एक नजर

चाहे जो हो मजबूरी, वोट देना बहुत जरूरी, बूढ़ा हो या जवान सभी करें मतदान

काराकाट। काराकाट लोक सभा चुनाव 2024 को लेकर काराकाट लोक सभा क्षेत्र में आगामी 1 मई को मतदान होगा। चुनाव आयोग के निर्देश पर स्वीप कार्यक्रम के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है कि संविधान में मिले अधिकार को मतदान कर अपना अधिकार पाएं । बता दें कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में जिले में 54.72 प्रतिशत मतदान हुआ था। वर्ष 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य है। स्वीप कार्यक्रम के तहत ग्रामीण मतदाताओं को प्रेरित कर बूथ तक लाने की जिम्मेदारी आशा, आंगनबाड़ी सेविकाओं को सौंपी गई है। बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने कहा कि पुरुष मतदाता तो वोट डालने के लिए बूथ पर स्वयं आते हैं, मगर महिला मतदाता कोई न कोई परेशानी बताकर बूथ तक जाने में दिलचस्पी नहीं दिखाती हैं। इसलिए इस बार गांव में तैनात आंगनबाड़ी सेविका और आशा कार्यकर्ता उन्हें बूथ तक लाने में अहम भूमिका निभाएंगी। स्वीप कार्यक्रम के तहत सीएचसी काराकाट से गोडारी बाजार में सीएचसी के कर्मियों व आशा कार्यकताओं के द्वारा पैदल मार्च के साथ रैली भी निकली गई। जिसमें बूढ़ा हो या जवान, सभी करें मतदान जैसे नारे लगाते हुये रैली के माध्यम से जन-जन को वोट देने के लिए जागरूक किया गया। चाहे जो हो मजबूरी वोट देना बहुत जरूरी जैसे स्लोगन बोलते हुए आशा कार्यकताओं ने मतदाताओं से 1 मई को मतदान करने की अपील की। इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य कर्मी सभी आशा रही। स्वास्थ विभाग रोहतास डीपीएमयू अजय कुमार सिंह ने कहा कि मतदान करने से लोकतंत्र मजबूत होता है। स्वीप कार्यक्रम के तहत आशा कार्यकताओं ने मतदाता जागरूकता रैली निकाल कर मतदाताओं को जागरूक करने का काम रही हैं।

बीडीओ ने मतदान केंद्र का किया भौतिक सत्यापन

संझौली। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर बीडीओ मोहम्मद सयैद सरफराजुद्दीन अहमद ने मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन किया। गुरुवार को संझौली, बसौरा, मसोना व अमैठी सहित लगभग एक दर्जन मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन बीडीओ द्वारा किया गया। जहां आवश्यक बुनियादी सुविधा के तहत रैंप, शौचालय, पेयजल व विद्युत कनेक्शन आदि की जांच किया गया। इस दौरान बीसीओ मनोज कुमार व विद्यालय के कई शिक्षक मौजूद थे।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर से दूर होगा किरायेदारों व मकान मालिकों के बीच बिजली बिल का विवाद

बिक्रमगंज। राज्य मे बिजली को लेकर किरायेदारों और मकान मालिकों के बीच विवाद की बात सामने आती रहती थी। अब इस विवाद के समाधान में स्मार्ट प्रीपेड मीटर बेहतर भूमिका निभायेगा। अब किरायेदार अपनी पहचान और मकान में निवास का प्रमाण वाले कागजात (रेंट एग्रीमेंट) के साथ आवेदन कर बिजली कंपनी के माध्यम से स्मार्ट प्रीपेड मीटर निःशुल्क लगवा सकेंगे। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया कि नयी व्यवस्था तहत उपभोक्ता जितने का रिचार्ज करवायेंगे उतना का ही बिजली की खपत कर सकेंगे। इस मीटर का डाटा सुरक्षित रहता है, इसलिए गड़बड़ी की आशंका नहीं है। इससे बिजली बिल बकाया रहने का झंझट खत्म हो जायेगा । साथ ही किरायेदार के स्मार्ट प्रीपेड मीटर की वजह से मकान मालिक अब बिजली बिल के बकाये की समस्या से बचे रहेंगे। बताते चलें कि बिक्रमगंज शहरी क्षेत्र में लगभग 9 हजार 890 एवं ग्रामीण क्षेत्र मे 81हजार 127 उपभोक्ता हैं। शहरी क्षेत्र में किरायेदारों को अलग से स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगने से बिजली उपभोक्ताओं की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी होगी। विद्युत विभाग के अधिकारी द्वारा बताया गया कि राज्य में स्मार्ट प्रीपेड मीटर एक वेब- मॉनीटरिंग सिस्टम से जुड़ा है। इसके लग जाने से राजस्व संग्रह की प्रक्रिया और आसान हो जायेगा तथा स्मार्ट प्रीपेड मीटर वाणिज्यिक नुकसान को कम करेगा। पहले बिजली मीटरों में पोस्टपेड व्यवस्था लागू थी। ऐसे में किरायेदार यदि अपने नाम से बिजली कनेक्शन लेकर उसका बिल चुकाये बिना ही मकान बदल लेता था तो बकाये राशि की वसूली संबंधित मकान के मालिक से की जाती थी । इस हालत में आमतौर पर कोई भी मकान मालिक अपने किरायेदार को बिजली कनेक्शन लेने की अनुमति नहीं देते थे। सभी प्रशाखा के कनीय विद्युत अभियंता ने उपभोक्ताओं से स्मार्ट मीटर लगवाने हेतु सहयोग करने का अनुरोध किया है।

खबरें फटाफट

पांच वारंटियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने भेजा न्यायालय

दिनारा। दिनारा पुलिस ने पांच वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय । दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के कौआखोंच निवासी लालमोहन सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध सासाराम न्यायालय से वारंट निर्गत था। तो वहीं दूसरी ओर पुलिस ने दिनारा निवासी संतोष सिंह , परवेज अंसारी , संतोष साह एवं जमरोढ़ निवासी सत्यनारायण साह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार चारों अभियुक्त के विरुद्ध बिक्रमगंज न्यायालय से वारंट निर्गत था।

10 लीटर महुआ शराब बरामद,

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र के सकला गांव से पुलिस ने देशी शराब बरामद किया लेकिन शराब धंधेबाज फरार होने में कामयाब हो गया। पुलिस ने गुप्त सूचना पर सकला गांव में छापेमारी किया जहां शराब धंधेबाज पुलिस को देखकर फरार होने में कामयाब हो गया हालाकि 10 लीटर देशी महुआ शराब को पुलिस ने जप्त कर लिया। थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताया कि शराब धंधेबाज को चिन्हीत कर लिया गया है। शराब धंधेबाज सकला गांव निवासी राहुल पासवान पिता सुरेंद्र पासवान है।

विवाद में मारपीट, 4 पर एफआईआर

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र के ईटढिया गांव में आपसी विवाद में मारपीट होने का मामला प्रकाश में आया है । आपसी विवाद में हुये मारपीट में ईंटढियां गांव निवासी संजय कुमार राय पिता अर्जुन राय ने अपने गांव के ही चंदन राय पिता कैलास राय सहित चार को आरोपी बनाया है।

स्कूल का ताला तोड़ सामान की चोरी

जहानाबाद। घोषी थाना क्षेत्र के मायाबिगहा प्राथमिक विद्यालय में चोरों ने बुधवार के रात्रि ताला तोड़कर हजारों का सामान गायब कर दिया। इस सिलसिले स्कूल के प्रधानाध्यापक मोहनलाल दास ने बताया कि वह गुरुवार के सुबह स्कूल पहुंचे तो देखा कि स्कूल का ताला टूटा है और कमरे में रखा चावल, पंखा समेत कई स्कूल के सामान गायब हैं वहीं ज्यादातर सामान कमरे में बिखरा पड़ा है।

23 जनवरी 2024 को बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के मोहनी में हुई थी घटना

सीएसपी सेंटर में लूटपाट करनेवाले तीन अंतर जिला अभियुक्तों को पुलिस ने दबोचा

- पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से दो मोबाइल फोन और एक लैपटॉप किया बरामद
- मोहनी में एसबीआई सीएसपी में 2 लाख 30 हजार की हुई थी लूट
- गिरफ्तार तीनों अभियुक्त भोजपुर जिला के रहने वाले

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के एसबीआई सीएसपी केंद्र से हथियार का भय दिखाकर लूटकांड मामले में पुलिस ने तीन अंतर जिला अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। घटना 23 जनवरी 2024 को बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के मोहनी में स्थित एसबीआई सीएसपी केंद्र में घटी थी। सीएसपी संचालक अभय कुमार के आवेदन पर यह मामला दर्ज किया गया था। जहां पुलिस ने अंतर जिला तीन अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। जिसमें गिरफ्तार तीनों अभियुक्त भोजपुर जिला के रहने वाले बताए जाते हैं। इस संदर्भ में अपने कार्यालय कक्ष में गुरुवार को प्रेसवार्ता कर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने बताया कि 23 जनवरी 2024 को बिक्रमगंज- आरा मुख्य मार्ग पर स्थित मोहनी में एसबीआई ग्राहक सेवा केन्द्र में घुसकर तीन अपराधकर्मी ने दो लाख तीस हजार रुपए नगद, एक लैपटॉप, एक मोबाईल फोन तथा तीन एटीएम की लूट की घटना को अंजाम दिया था। संचालक अभय कुमार के आवेदन पर बिक्रमगंज थाना में कांड संख्या 43/ 24 तहत लूट का कांड दर्ज किया गया था। साथ ही साथ लूट कांड के ही मामले में भी तीन अपराधकर्मी के विरुद्ध 3 फरवरी 2024 को आयरकोठा थाना में कांड संख्या 14/24 के आलोक में लूटकांड का मामला दर्ज किया गया था। एसडीपीओ ने बताया कि रोहतास एसपी के निर्देश पर मेरे नेतृत्व में बिक्रमगंज थानाध्यक्ष एवं डीआईयू टीम के साथ उद्भेदन हेतु टीम गठित की गई थी। गठित टीम ने अनुसंधान व तकनीकी सहयोग के आधार पर गड़हनी (भोजपुर) थाना क्षेत्र में कांड के संदिग्ध भगवान जी यादव उर्फ मगन को गिरफ्तार किया गया। जिसके स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर घटना में लूटी गई मोबाईल तथा आयरकोठा थाना क्षेत्र से लूटी गई लैपटॉप को बरामद किया गया तथा दो अन्य लैपटॉप रखने वाले व मोबाईल खरीदने वाले को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि मुख्य सरगना रणवीर राय उर्फ मकरध्वज पिता स्व० रामप्रवेश सिंह साकिम अगियांव थाना गड़हनी जिला भोजपुर छपरा जेल में है, जबकि राहुल राय पिता संजय सिंह साकिम लहरपा थाना गड़हनी जिला भोजपुर छापेमारी में फरार पाया गया। बताया कि सभी का आपराधिक इतिहास रहा है। गठित टीम द्वारा काफी सराहनीय कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि लूटकांड मामले में भगवान जी यादव उर्फ मगन उम्र करीब 19 वर्ष पिता दशरथ राय निवासी छोटका इटहना थाना कृष्णागढ़ जिला भोजपुर , सुनील कुमार उर्फ निरहु पिता शिवचरण सिंह निवासी सलेमपुर थाना चांदी भोजपुर तथा किशोर पवन कुमार पिता जितेंद्र सिंह निवासी खरेंचा थाना गड़हनी भोजपुर को गिरफ्तार किया गया है । एसडीपीओ ने कहा कि लूटकांड मामले में गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों के पास से दो मोबाइल और एक लैपटॉप भी टीम ने बरामद किया है । मौके पर छापेमारी दौरान थाना के पुअनि अतवेंद्र कुमार सिंह ,डीआइयू प्रभारी सहित सशस्त्र बल के जवान मौजूद थे ।

पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ तीन उच्चकों को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

केटी न्यूज/जहानाबाद

जहानाबाद-मखदुमपुर ब्लॉक के विसुनगंज थाने की पुलिस ने चोरी की मोटरसाकिल के साथ तीन लोगो को गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरी की ग्लैमर मोटरसाइकिल को भी बरामद किया है। जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष फूलचंद यादव ने बताया के गुप्त सूचना मिली के चोरी की मोटरसाइकिल को बेचने के फिराक में कुछ लोग लगे हुए है। जिसे दबोचने पर पता चला के दो दिन पूर्व ही लाल रंग की ग्लैमर मोटरसाइकिल को दाऊदनगर थाना क्षेत्र से चोरी किया गया था। जिसे बेचने की फिराक में विसुनगंज थाना क्षेत्र में ये लोग आए हुए थे। जिसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार लोगो मे अभिषेक कुमार, चंदन कुमार एवं मुकुल कुमार उर्फ केशव कुमार सामिल है। उन्होंने बताया के मुकुल कुमार के विरूद्ध कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पटना-गया मार्ग पर स्थित पीएनबी के सीएसपी संचालक से दिनदहाड़े 1.60 लाख की छिनतई

केटी न्यूज/जहानाबाद

जहानाबाद शहर के अति व्यस्त पटना-गया मुख्य सड़क मार्ग पर गौतम बुद्ध इंटर स्कूल के समीप गुरुवार को दिनदहाड़े बाइक सवार अपराधियों ने पीएनबी के सीएसपी संचालक रौशन कुमार से एक लाख साठ हजार रुपये छीन लिये। रुपए रखा बैग बचाने के चक्कर में ऊक्त संचालक टेंपो से गिरकर घायल हो गए जिनका इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। घायल संचालक कड़ौना थाना के सुकुलचक गांव के निवासी हैं। सूचना पाकर नगर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर दिवाकर कुमार विश्वकर्मा ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की तहकीकात की। उन्होंने बताया कि बाइक सवार दो बदमाशों ने छिनतई की घटना को अंजाम दिया है। सीएसपी संचालक ने बताया कि वह शहर के निजामउद्दीनपुर में ऊक्त बैंक के सीएसपी के संचालक हैं। शाम करीब सबा चार बजे वह पीएनबी से चेक के माध्यम से एक लाख चालीस हजार रुपए की निकासी की थी। उनके बैग में पहले से बीस हजार रुपये और कुछ चेक थे। वह टेंपो पर सवार होकर अपने घर जा रहे थे। जब उनका टेंपो गौतम बुद्ध इंटर स्कूल से आगे बढ़ा, उसी दौरान पीछे से एक बाइक पर सवार दो उचक्के आए और झपट्टा मारकर बैग छीन लिया।

मनपसंद काम कराने का दिया जा रहा था दबाव, नहीं करने पर करा दी गयी प्रखंड प्रमुख के बेटे की हत्या

- प्रखंड प्रमुख की तहरीर पर दर्ज कराए गए केस में लगाए आरोप
- एएसपी के नेतृत्व में अलग-अलग टीम कर रही छापेमारी

केटी न्यूज/आरा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव निवासी सदर प्रखंड प्रमुख जयकुमारी देवी के पुत्र अखिलेश कुमार की हत्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है। प्रखंड प्रमुख की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज किया गया है। तीनों मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अलग अलग गांवों के रहने वाले हैं। उनमें एक पूर्व पंचायत प्रतिनिधि का पुत्र भी बताया जा रहा है। सभी पर मनपसंद काम कराने पर साजिश के तहत अखिलेश कुमार की हत्या करने का आरोप लगाया गया है।

कहा गया है कि आरोपितों की ओर से अखिलेश कुमार पर अक्सर अपनी मां से उनके मनपसंद का काम कराने का दबाव दिया जा रहा था। नहीं करने पर हत्या करने की धमकी भी दी जा रही थी। प्रखंड प्रमुख की ओर से अपने बेटे अखिलेश कुमार के मोबाइल में आरोप से संबंधित वीडीओ होने का भी दावा किया गया है। इधर, प्राथमिकी दर्ज करने के बाद पुलिस की तफ्तीश तेज हो गयी है। पुलिस की ओर से पूर्व की आपसी दुश्मनी सहित अन्य एंगल से जांच कर रही है। वहीं गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी भी तेज कर दी गई है। हत्या में शामिल अपराध कर्मियों की पहचान और धरपकड़ के लिए पुलिस द्वारा तकनीकी सूत्र की भी मदद ली जा रही है। एएसपी परिचय कुमार के नेतृत्व में अलग-अलग टीम छापेमारी भी कर रही है। हालांकि घटना के 48 घंटे के बाद भी इस मामले में पुलिस के हाथ खाली हैं। बताते चलें कि प्रमुख जयकुमारी देवी का पुत्र अखिलेश कुमार रोज की तरह सोमवार की सुबह काम के सिलसिले में ब्लॉक ऑफिस आया था। देर रात आरा-बक्सर हाइवे पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रतनपुर सारंगपुर चिमनी भट्ठा के समीप उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

परिजनों से मिले पूर्व विधायक, मामले में अधिकारियों से बात करने का दिया आश्वासन

दो दिन बाद भी छात्र अनमोल का नहीं मिला कोई सुराग

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट थाना क्षेत्र के कुरूर गांव निवासी उमेश लाल का 18 वर्षीय पुत्र अनमोल कुमार का दो दिनों बाद भी कोई सुराग नहीं मिला है। अनहोनी की आशंका से परिजनों में कोहराम मच गया है। पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने परिजनों से मिल कर छात्र की तालाश के लिए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया है।

गौरतलब हो कि छात्र अनमोल किताब खरीदने के लिए बाइक से मंगलवार को करीब ग्यारह बजे अपने घर से बिक्रमगंज गया था। बिक्रमगंज से किताब खरीद कर मां को फोन पर बताया कि किताब खरीद लिया हूं वापस घर आ रहा हूं। लेकिन दो बजे तक घर वापस नहीं आने पर परिजन चिंतित हो गये। परिजन जब फोन करने लगे तो उसका मोबाइल पर रिंग हो रहा था, लेकिन कोई रिसीव नहीं कर रहा था। शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजन खोजबीन करने बिक्रमगंज गये। जहां काफी खोजबीन के बाद बिक्रमगंज काव नदी के पास से देर शाम करीब 8 बजे लवारिस हालत में बाइक मिला। वहीं पास में हेलमेट व मोबाइल भी मिला। इसके बाद परिजनों ने दुर्घटना की आशंका व्यक्त करते हुए बिक्रमगंज के सभी सरकारी व निजी अस्पतालों में खोजबीन किया। लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद परिजन लापता की सूचना देने थाना पहुंचे। जैसे ही पुलिस के संज्ञान में मामला आया तो लापता छात्र के खोजबीन में पुलिस जुट गई। लेकिन अब तक लापता छात्र का कोई सुराग नहीं मिला है। डीएसपी कुमार संजय ने बताया कि मामले को काफी गंभीरता से लिया गया हैं। घटना कि हर पहलू पर जांच किया जा रहा है। उधर सामाजिक कार्यकर्ताओ और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता सहित इलाका के लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है तथा आंदोलन करने की सुगबुगाहट तेज होती जा रही है सैकड़ो लोगों ने कहा कि अगर पुलिस अनमोल को जल्द बरामद कर परिजन को नही सौपती है तो बाध्य होकर प्रजातांत्रिक ढंग से आंदोलन किया जाएगा ।

गाजीपुर में पांच वांछित हत्यारोपी चढ़े पुलिस के हत्थे, हत्या में प्रयुक्त सामान बरामद

तिलक कुमार/ गाजीपुर

जिले की स्वाट, सर्विलांस व कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने शहर क्षेत्र के मोतीनगर चट्टी पर तेरह मई को मारपीट कर मौत के घाट उतारने के आरोपी पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

बता दें कि पुलिस टीम ने उन्हें पीजी कालेज चौराहे के पास से भोर के करीब तीन बजे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने उनके कब्जे से, घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल दो लाठी व एक कुल्हाड़ी भी बरामद कर लिया है। घटना में प्रयुक्त बांस की लाठी अभियुक्त रामायन बिन्द की निशानदेही पर तथा अभियुक्त कृष्णा बिन्द की निशानदेही पर एक कुल्हाडी एवं अभियुक्त अंगद बिन्द की निशानदेही पर बांस की लाठी बरामद की गई।

बताते चलें कि बीते 13 मई को ग्राम परमेठ बिंदपुरवा निवासी दो पक्षों में मारपीट हुई थी। जिसमें गंभीर रूप से घायल राजकिशोर बिन्द पुत्र अन्तु बिन्द की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

थाना कोतवाली पर राजकिशोर बिंद की पत्नी की तहरीर पर अभियोग पंजीकृत कर वांछित अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी। इसमें वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है।पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा बताया कि हम लोगों से 13 मई 2024 की रात लगभग नौ बजे मोतीनगर चट्टी (भटौली) पर राजकिशोर बिन्द व अन्तु बिन्द तथा उनके घरवालों से दुकान से

सामान खरीदने तथा पैसे की लेन-देन को लेकर झगड़ा हुआ था। जिसमें हम लोगों द्वारा उन लोगों को लाठी -डेडा व कुल्हाड़ी से मारा गया, जिसमें वह लोग घायल हो गए। हम लोग घटना के बाद वहां से भाग गए। बाद में हम लोगों को मालूम हुआ कि राजकिशोर बिन्द की अस्पताल में मृत्यु हो गई है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में कृष्णा बिन्द पुत्र शोभित बिन्द उर्फ राधेश्याम बिन्द, अंगद बिन्द पुत्र लालबहादुर बिन्द, गजनी बिन्द उर्फ शैलेश कुमार पुत्र स्व. राजदेव बिन्द, टुनटुन बिन्द उर्फ बुलेंद्र कुमार पुत्र रामदयाल बिंद तथा रामायन बिन्द पुत्र शोभित बिन्द उर्फ राधेश्याम बिन्द निवासीगण परमेठ (बिन्द का पुरवा) थाना करंडा जनपद गाजीपुर रहे।

गिरफ्तार अभियुक्तगणों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। अभियुक्तों को पकड़ने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली दीनदयाल पांडेय तथा प्रभारी स्वाट/सर्विलांस टीम जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

एक नजर

जमानिया में भाजपा ने किया अन्नदाता किसान सम्मेलन का आयोजन

गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के नेतृत्व में अन्नदाता किसान सम्मेलन का आयोजन बृहस्पतिवार को जमानिया के एक निजी

विद्यालय मे संपन्न हुआ। सम्मेलन के मुख्य अतिथि बलिया सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा विगत दस वर्षों में धरती से जुड़े लोगों के साथ उनकी समस्याओं पर व्यावहारिक विचार-विमर्श के साथ उनके समृद्धि के लिए काम किया गया है। साथ ही नीति आयोग के नेतृत्व में संबंधित सभी मंत्रालयों के अधिकारियों के साथ मिलकर बैठकर किसानों के समृद्धि के मार्ग को प्रशस्त करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए एग्रो क्लामेटिक जोन के हिसाब से वहां के किसानों के हित में योजनाएं। कृषि उत्पादों के मूल्यसंवर्धन पर जोर देते हुए मस्त ने संपदा योजना का विस्तार से जिक्र किया। कहा कि दुनिया में सुगंधित कृषि उत्पादों की मांग बहुत बढ़ी है। साथ ही भारत में इसकी बड़ी संभावनाएं हैं। इसका दोहन किया जा सकता है। कहा कि भारत अपने खुशबू से दुनिया में महक बिखेर सकता है। किसानों को समय पर जानकारी मुहैया कराना और मांग आधारित खेती के प्रति उन्हें प्रोत्साहित करना जरूरत बताई है। कहा कि यह तभी संभव है जब देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। उन्होंने कहा कि किसानों को हर तरह की जानकारी मुहैया कराने के लिए डिजिटल प्लेटफार्म तैयारी पर सरकार कार्य कर रही है। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हम केंद्र सरकार की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाएं। जब हर गांव खुशहाल होगा, अन्नदाता के चेहरे पर खुशी होगी, तब हमारा देश भी खुशहाल होगा।

उन्होंने कहा कि हमें हर एक चेहरे पर सुकून भरी मुस्कान लाना है और उसके लिए समर्पित प्रयास चल रहा है। कहा कि छोटे किसानों का दिन जल्द ही सुखद होगा। इसके लिए 63000 सहकारी समितियों के कंप्युटरीकरण का कार्य तेजी से हो रहा है। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए उनकी परंपरागत खेती के साथ अतिरिक्त आय के साधन सृजित करने पर सरकार ने जोर दिया है। इनमें बागवानी, डेयरी, पोल्ट्री, मधुमक्खी पालन व सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को जोड़ा गया है। जमानिया की पूर्व विधायक सुनीता सिंह ने युवा किसानों का आह्वान किया कि आप सब युवा किसान हैं। आप में असीम ऊर्जा के साथ अनगिनत संभावनाएं हैं। किसान खेत और फसल पर ध्यान दें और योजनाओं के लाभ का अवसर लें। किसान की सबसे बडी पूंजी उसकी मेहनत होती है। सच्ची लगन और मेहनत से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। जिलाध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह ने मुख्य अतिथि का जोरदार स्वागत अभिनंदन किया। सम्मेलन की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रूद्र प्रताप सिंह ने किया। जबकि कार्यक्रम में ओमप्रकाश राय, प्रवीण सिंह, रामेश्वर कुशवाहा, माया सिंह, हरदेव कुशवाहा, रंजीत राजभर, राकेश राय, नगरपालिका चेयरमैन जयप्रकाश गुप्ता, अविनाश जयसवाल, हरेन्द्र यादव, तारकेश्वर वर्मा,मीडिया प्रभारी संजीत यादव,अवधेश सिंह,तारकेश्वर वर्मा, निषाद पार्टी के विराट साहनी, सुहेलदेव समाज पार्टी के अच्छेलाल राजभर सहित सभी मंडलों के अध्यक्ष गाजीपुर के सम्मानित किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर दिलाई स्वच्छता की शपथ

चंदौली। राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से मुख्यालय स्थित सीएमओ कार्यालय में बृहस्पतिवार को गोष्ठी व शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. युगल किशोर राय ने जनमानस में जागरूकता लाने के लिए चिकित्सकों और कर्मचारियों को शपथ दिलाई। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि बढ़ती डेंगू की बीमारी को रोकने के लिए लोगों को जागरूक करना बहुत जरूरी है सरकार इस बीमारी को रोकने के लिए तमाम तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरुक कर रही है। कहा कि सभी चिकित्सकों की जिम्मेदारी है कि लोगों को जागरूक करें,ताकि इस बीमारी से लोगों को बचाया जा सके। सहायक जिला मलेरिया अधिकारी राजीव सिंह ने बताया कि अचानक तेज बुखार होना आंखों के पीछे दर्द हो के साथ गंभीर सर दर्द और आंखों के हिलने में कठिनाई होना पूरे शरीर में दर्द होना,बुखार के साथ उल्टी और भूख कम लगना, छाती और ऊपरी बाहों पर दर्द होना यह डेंगू के लक्षण और संकेत है। इसके बचाव के लिए लोगों को अपने घर के आसपास पानी जमा नहीं होने देना चाहिए साफ सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए।डेंगू से बचने के लिए सबसे पहले अपने आसपास मच्छरों को पनपने नहीं देना और मच्छरदानी का प्रयोग करना शामिल है।इस दौरान डा. आरबी शरण सिंह, डा.सीपी सिंह, डा.निशांत कुमार, डा.कल्पना उपस्थित रहे।

घटिया निर्माण देख ग्रामीण भड़के

गाजीपुर। करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के भांवरकोल शिक्षा क्षेत्र अंतर्गत सरदरपुर गांव में नवनिर्मित प्राथमिक विद्यालय के निर्माण कार्य में घटिया सामग्री लगाए जाने को लेकर ग्रामीणों में तीव्र आक्रोश है। इस संबंध में पूछे जाने पर विभाग के जेई ने बताया कि ठेकेदार द्वारा जो भी गलत किया गया है उसे ठीक कराया जाएगा। ग्रामीणों का आरोप है कि नवीन विद्यालय के निर्माण में ईट से लेकर जितने भी सामग्री प्रयोग में लगे हैं वह घटिया किस्म के लगाए गए हैं। इस संबंध में जब भी विभाग के उच्च अधिकारियों को शिकायत की जाती है तो जांच कर कर ठीक कराए जाने की बात कह कर टाल दिया जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि नव निर्मित भवन का दरवाजा, खिड़की घटिया किस्म के लगाए गए हैं। खिड़की की सरिया कमजोर लगे है तथा लकड़ी के दरवाजे के बदले सीमेन्ट सिट के दरवाजे लगे है। पानी के लिए जो टंकी लगाई गई थी वह इतनी घटिया किस्म की लगाई गई की हवा के प्रथम झोके के साथ जमीन पर गिर कर फट गयी।

इस सम्बन्ध में पुछे जाने पर जेई दीपक तिवारी का कहना था कि गडबडी की जानकारी मुझे है घटिया सामान बदल दिया जाएगा। विभाग की अनदेखी व जेई की लापरवाही के चलते सरदरपुर का नवनिर्मित विद्यालय मानक के विपरीत तैयार हो रहा है।

मतदाता जागरूकता युवा महोत्सव एवं युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन

गाजीपुर। राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर के सावित्रीबाई फुले सभागार में मतदाता जागरूकता युवा महोत्सव एवं युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आर्यका अखौरी जिलाधिकारी गाजीपुर के नेतृत्व में जनपद में चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत युवा मतदाताओं को समर्पित और उनको उत्प्रेरित करने के लिए युवा महोत्सव एवं युवा सांसद का आयोजन किया गया। इसके मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी लोकेश कुमार विशिष्ट अतिथि राम नगीना यादव समाज कल्याण अधिकारी एवं संजय कुमार सोनी बाल एवं महिला विकास कल्याण अधिकारी रहे। कार्यक्रम का संचालन स्वीप को-ऑर्डिनेटर डॉ. अमित यादव एवं एनसीसी प्रभारी डॉ. शशि कला ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य प्रोफेसर अनिता कुमारी ने अतिथिगण का स्वागत करते हुए बढ़ चढ़कर मतदान की अपील की। मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी लोकेश कुमार ने उपस्थित युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि न केवल हमें अपना वोट डालना है, बल्कि अपने आस-पास के लोग भी वोट डालने जाएं इसके लिए भी युवाओं को तैयार रहना है। कार्यक्रम के दौरान श्रेया मौर्य, दिव्या तिवारी, साधना यादव, आदि शामिल थे।

खबरें फटाफट

21 लाख के गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मादक पदार्थ (गांजा) की अवैध तस्करी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह को 83.550 किग्रा मादक पदार्थ गांजा (जिसकी अनुमानित कीमत अन्तराष्ट्रीय बाजार में करीब 20 लाख 88 हजार 750 रूपया हैं) के साथ छोटे लाल गुप्ता पुत्र स्व0 जमुना गुप्ता निवासी हनुमान मंदिर के पास बहादुरगंज थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर एवं साहब राज यादव पुत्र रामजीत यादव निवासी सिसवा थाना मेहनगर जनपद आजमगढ को गिरफ्तार करने मे सफलता प्राप्त की गयी ।

ट्रेन से कूदकर युवक ने की आत्महत्या

बलिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के न्यू बहेरी के पास गुरुवार की भोर में एक युवक ट्रेन से कूद कर आत्महत्या कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त राहुल चौहान पुत्र मोहन चौहान उम्र 24 वर्ष निवासी कल्याणीपुर थाना फेफना के रूप में हुई। उधर घटना की सूचना गांव में पहुंचते ही परिजनों का रोते-रोते बुरा हाल है। युवक किन परिस्थितियों में ट्रेन से कूद कर आत्महत्या की है, फिलहाल यश प्रश्न बना हुआ है।

सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षक और व्यय ने बैठक कर तैयारियों का किया आकलन

सामान्य प्रेक्षक बोले... बलिया जनपद में लागू आदर्श आचार संहिता का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें

- कानून व शांति व्यवस्था के आवरण में सम्पन्न होगा लोकसभा निर्वाचन-2024
- प्रेक्षकगणों को जिला निर्वाचन अधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने तैयारियों से कराया अवगत

केटी न्यूज/ बलिया

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को स्वतन्त्र, निष्पक्ष, पारदर्शी, शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सलेमपुर और बलिया संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के पर्यवेक्षण हेतु नियुक्त सामान्य प्रेक्षक मोहम्मद अली शिहाब व हरबंस सिंह ब्रैस्कोन, पुलिस प्रेक्षक वेदमूर्ति सीबी व हिंगलाजदान,व्यय प्रेक्षक बालासुब्रमण्यम अनंतनारायण व वेंकटेश एस और जिला निर्वाचन अधिकारी रवींद्र कुमार एवं पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा की उपस्थिति में सभी नोडल,एआरओ व चुनाव में लगे अधिकारियों के साथ बैठक कर अब तक की गयी तैयारियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

सामान्य प्रेक्षकों ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के नियमों व निदेर्शों के अनुसार एवं आदर्श आचार संहिता के आवरण में निर्वाचन को सम्पन्न कराना सभी अधिकारी सुनिश्चित करेंगे। समय-समय पर दिये गये प्रशिक्षण व निदेर्शों को गम्भीरता व सर्तकता के साथ समझें ताकि मतदान प्रक्रिया में कही कोई समस्या न आए। उन्होंने सभी एआरओ को निर्देशित किया कि एक बार पुनः सभी बूथों का भ्रमण कर मतदान केंद्रों की आधारभूत सुविधाएं जैसे पानी, पंखा, रोशनी, छायादार विश्राम स्थल, शौचालय, आदि की व्यवस्था अवश्य सुनिश्चित करा ले। कहा कि जो भी कार्ययोजना बनाई गई है उसे सही ढंग से लागू किया जाए। भारत निर्वाचन आयोग की जो भी गाइडलाइंस है उसी के अनुसार सारी प्रक्रिया पूर्ण की जाए और आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अखबारों में निकलने वाले पेड न्यूज पर कड़ी निगरानी रखते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

पुलिस प्रेक्षकों ने लोकसभा निर्वाचन के दृष्टि क्षेत्र में कानून व शान्तिव्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन द्वारा लगाये गये पुलिस बलों की ड्यूटी, सीपीएमएफ आदि कानून व्यवस्था के विभिन्न बिन्दुओं की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि दोनों लोकसभा क्षेत्रों में कानून व्यवस्था के आवरण व शान्तिपूर्ण वातावरण में मतदान संपन्न कराना सुनिश्चित कराये। उन्होंने सभी चेकपोस्टों (अंतरराज्यीय/ अंतर्जनपदीय) पर तैनात एफएसटी और एसएसटी को सक्रिय रूप से कार्रवाई करने तथा जहां पर कम कार्रवाई हो रही है, वहां बढ़ाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी और पुलिस अधीक्षक को चुनाव कार्य में लगे सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को ब्रीफ करने और पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों/ कर्मचारियों को बेहतर सामंजस्य स्थापित कर लीगल कारवाई सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने जनपद के अवेलेबल और नॉन अवेलेबल वारंट जारी करने का निर्देश दिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने दोनों संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से सम्बन्धित विभिन्न बिन्दुओं पर प्रेक्षकों को जानकारी दी और बताया कि मतदान कार्मिकों को प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण दिया गया है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। ईवीएम मैनेजमेंट के तहत प्रथम रेंडमाइजेशन हो चुका है। आचार संहिता का अक्षरशः पालन कराने के लिए गठित टीमें सक्रिय रूप से अपना काम कर रही हैं। उन्होंने मैटेरियल मैनेजमेंट, ट्रांसपोर्ट, एपिक, मतदाता सूची, पोलिंग पार्टियों की रवानगी,एफ?एसटी, एस?एसटी एवं वीएसटी की कार्रवाई सहित अन्य बिंदुओं के बारे में प्रेक्षकों को जानकारी दी। कहा जनपद की सभी बूथों पर निर्धारित न्यूनतम मिनिमम सुविधाओं को सुनिश्चित कर लिया गया है। विकास भवन सभागार स्थित निर्वाचन कन्ट्रोल रूम में डिस्ट्रिक्ट कान्टेक्ट सेन्टर, सी-विजिल, मीडिया प्रमाणन अनुवीक्षण समिति, कन्ट्रोल रूम को क्रियाशील किया गया है। प्रत्याशी द्वारा लिये जाने वाले सभी अनुमति हेतु एकल खिड़की व्यवस्था के लिए परमिशन सेल संचालित है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दोनों लोकसभा क्षेत्रों के चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने और चुनाव से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए सभी पुलिस थानों, हल्कों और चौकियों के पुलिसकर्मियों को गूगल मीट के माध्यम से ट्रेनिंग दी गई है। चुनाव से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। उन्होंने कहा कि जनपद की सीमा से लगने वाले जिलों और राज्य की चेकपोस्टों पर एफ?एसटी और एस?एसटी के द्वारा संघन चेकिंग की जा रही है। इन टीमों की गतिविधियों और कार्रवाइयों को कंट्रोल रूम से देखा जा सकता है। सभी पोलिंग सेंटरों का भ्रमण कर लिया गया है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज,उप जिला निर्वाचन अधिकारी डीपी सिंह, सीआरओ त्रिभुवन, सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रकांत द्विवेदी,अपर पुलिस अधीक्षक डीपी तिवारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

विवाद के बाद बेटी ने की मां की हत्या, गांव में मचा हड़कंप

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र के झांसी गांव में बृहस्पतिवार को सुबह मां व बेटी आपस में लड़ गई। इस दौरान कलयुगी बेटी शशि मौर्य ने 55 वर्षी माता को पत्थर व खुरपी से प्रहार कर मौत के घाट उतार दिया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची सदर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बेटी को हिरासत में ले लिया और आगे कार्रवाई में जुट गई। बताते हैं कि पिछले कई दिनों से मृतका मां व आरोपी बेटी के बीच कई दिनों से

आपसी विवाद चल रहा था। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को सुबह में मां-बेटी के बीच विवाद हो गया। विवाद के लिए दौरान आक्रोशित बेटी ने सिलबट्टे और धारदार हथियार से एक के बाद एक कई वार कर दिए। इसमें मां लालमनी मौर्य (55) की मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही हत्या की खबर जंगल में आग की तरह पूरे गांव में फैल गई। ग्रामीणों की सूचना के बाद मौके पर पर पहुचीं पुलिस शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई में भी जुटी है। जानकारी होने के बाद सी ओ सदर राजेश राय और कोतवाल गगन राज सिंह ने मौके पर पहुंचकर वस्तु स्थिति की जानकारी ली। सदर सीओ राजेश राय ने बताया कि शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया गया है। पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है।

स्नान करते डूबे दो दोस्त, एक की मिली लाश, दूसरे की तलाश जारी

बलिया। सहतवार थाना क्षेत्र के घाघरा नदी में बुधवार को स्नान करते वक्त दो किशोर डूब गए थे। जिसमें से एक किशोर की लाश बृहस्पतिवार को बरामद की गई। जबकि दूसरे की तलाश जारी है। बता दे कि सहतवार थाना क्षेत्र के महराजपुर गांव निवासी कौशल राम (17) पुत्र काशी राम, झुन्नु राम (16) पुत्र वशिष्ठ राम व श्याम बाबू पुत्र श्याम बिहारी राम बुधवार की शाम घाघरा नदी में स्नान करने गए हुए थे। जहाँ स्नान करते वक्त कौशल राम पुत्र काशी राम व झुन्नु राम पुत्र वशिष्ठ राम गहरे पानी मे चले जाने के कारण नदी में डूब गए। इसकी जानकारी होने पर सहतवार पुलिस तत्काल मौके पर पहुँच गई और स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों डूबे हुए किशोरों की तलाश की। लेकिन किसी का पता नहीं चल सका।

कनेक्ट विथ कम्यूनिटी, कंट्रोल डेंगू की थीम पर मना डेंगू दिवस, हुए कई कार्यक्रम, की गई अपील

डेंगू से बचना है तो अपने आसपास पानी जमा न होने दें

- हर रविवार मच्छर पर वार, लार्वा पर प्रहार संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं

केटी न्यूज/बलिया

सावधानी

1. डेंगू से बचाव के लिए जितना हो सके सावधानी रखें। इसके लिए हमेशा ध्यान रखें की आस-पास पानी न इकट्ठा होने पाए।
2. पानी को हमेशा ढंककर रखें और हर दिन बदलते रहें, अन्यथा इसमें मच्छर आसानी से प्रजनन कर सकते हैं। हर सप्ताह कूलर का पानी बदलते रहें।
3. खिड़की और दरवाजे पर मच्छर से बचने के लिए जाली लगाएं, जिससे मच्छर अंदर न आ सकें। पूरी बांह के कपड़े पहनें या फिर शरीर को जितना हो सके ढंककर रखें।

उपाय

- अगर आप डेंगू बुखार की चपेट में आ गए हैं, तो तरल पदार्थ जैसे दूध, छाछ ,नारियल पानी, नींबू पानी, ओआरएस घोल,ताजे फल और हरी सब्जियों का सेवन अधिक करें। शरीर में पानी की कमी न होने दें। समय समय पर पानी लगातार पीते रहें और पूरी तरह से आराम करें।
- मच्छरों से बचाव करना बेहद आवश्यक है। इसके लिए सोते समय मच्छरदानी लगाकर सोएं और दिन में भी पूरी बांह के कपड़े पहनें, ताकि मच्छर न काट सकें।
- घर में पानी का किसी प्रकार जमाव न होने दें। घर के आसपास भी कहीं जलजमाव न होने दें, ऐसा होने पर मच्छर तेजी से फैलेंगे।
- बुखार बढ़ने पर कुछ घंटों में पैरासिटामॉल लेकर, बुखार पर नियंत्रण रखें। किसी भी स्थिति में डिस्प्रिन या एस्प्रिन जैसी दवाइयां बिल्कुल न लें।
- जल चिकित्सा के माध्यम से भी शरीर का तापमान कम किया जा सकता है। इससे बुखार नियंत्रण में रहेगा।
- डेंगू के लक्षण सामने आने पर या इस तरह की समस्याएं होने पर डॉक्टर से उचित परामर्श जरूर लें। दवाइयों का सेवन भी चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार ही करें। झोलाछाप डॉक्टर से इलाज कतई ना कराए।

हर साल 16 मई को डेंगू दिवस मनाया जाता है। इस बार इस वर्ष की थीम है कनेक्ट विथ कम्यूनिटी ,कंट्रोल डेंगू की थीम रखी गई है, जिसके तहत समुदाय को डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण के लिए जोड़ा जाएगा। इस अवसर पर जिला मलेरिया अधिकारी श्री सुनील कुमार यादव और मलेरिया,आईडीएसपी टीम के सहयोग से जागरूकता रैली निकाली गयी। साथ ही ए एन एम प्रशिक्षण केंद्र में एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। गोष्ठी में जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाने के पीछे उद्देश्य है कि लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने बताया कि ठहरे हुए पानी में पैदा होने वाले मच्छर से फैलने वाले डेंगू बुखार को हड्डी तोड़ बुखार भी कहा जाता है। डी एम ओ ने जनमानस से अपील की है कि डेंगू के प्रति जागरूकता व जानकारी ही इसका बचाव है। डेंगू से बचाव के लिए कहीं भी एक सप्ताह से ज्यादा जल भंडारण न होने दें। सोते समय मच्छर दानी व मच्छर रोधी क्रीम लगाएं। साफ-सफाई का ध्यान रखें। इसके अलावा आशा कार्यकर्ता द्वारा दिये जा रहे ह्यक्या करें, क्या न करेंह्व के संदेशों का अनुपालन भी करें। इस दिवस पर प्रत्येक सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं कार्यालय स्तर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। विद्यालयों में जन जागरूकता रैली एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार के लिए आशा कार्यकर्ता क्षेत्र भ्रमण के दौरान घर-घर जाकर ह्लहर रविवार मच्छर पर वारह्व स्लोगन के जरिये जनमानस को जागरूक किया जा रहा है।

जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि डेंगू, मादा एडीज इजिप्टी मच्छर के काटने से होता है। यह मच्छर दिन के समय काटता है। डेंगू बुखार एक गंभीर फ्लू जैसी बीमारी है जो छोटे बच्चों से लेकर किसी को भी प्रभावित करती है। व्यक्ति में संक्रामक मच्छर काटने के बाद तीन से चौदह दिनों के भीतर लक्षण विकसित होते है। रोगी जो कि पहले से ही डेंगू से संक्रमित हैं, के लक्षणों की शुरूआत के चार से पांच दिनों के दौरान एडीज मच्छरों के माध्यम से दूसरे व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है। इसलिए शुरूआत में ही जांच व उपचार कर बीमारी से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि डेंगू के लिए अभी तक कोई विशिष्ट एंटीवायरल दवाएं नहीं हैं।

रोगी के लिए अधिक से अधिक मात्रा में तरल पदार्थों पीना और पर्याप्त आराम करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 में डेंगू के 20 मरीज मिले थे। वर्ष 2021 में 99 मरीज मिले , वर्ष 2022 में 199 मरीज मिले, वर्ष 2023 मे 340 मरीज मिले, वर्ष 2024 मे जनवरी से अब तक 7 मरीज मिले है। वर्ष 2020 से अब तक डेंगू से किसी की मृत्यु नहीं नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि डेंगू के प्रमुख लक्षणों में बहुत तेज सिर दर्द, बदन दर्द, हड्डियों, जोड़ो में दर्द के साथ तीव्र बुखार आना, उल्टी मितली आना, खून और प्लेटलेट्स की कमी, नाक या मसूड़ों से खून बहना, उल्टी करने पर रक्तस्राव होना,आंखें लाल हो जाना, थकावट बेचैनी या चिड़चिड़ापन महसूस करना। समय से जांच व इलाज नहीं कराने पर यह जानलेवा हो सकता है।

आजमगढ़ को बदनाम करने वाले आज बेनकाब हो चुके हैं: सीएम योगी

♦ मुख्यमंत्री योगी ने आजमगढ़ के फरिया-निजामाबाद रोड के लालगंज लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को किया संबोधित

केटी न्यूज/आजमगढ

देश 10 वर्ष पहले पहचान और विश्वास के संकट से जूझ रहा था। हर एक व्यक्ति पर सुरक्षा का खतरा मंडरा रहा था। देश में विकास कार्य ठप हो चुके थे क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी थी। उस दौरान गरीब भूख से मरता था, किसान आत्महत्या करते थे, बेटी और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। वहीं देश और दुनिया में आतंकी घटना होने पर उसके तार आजमगढ़ से जोड़े जाते थे और उसे बदनाम किया जाता था। पिछले 10 वर्षों में हमने बदलते हुए भारत को देखा है। हम एक नये भारत का दर्शन कर रहे हैं, जिसमें दुनिया में सम्मान बढ़ा है, सीमाएं सुरक्षित हुई हैं, आतंकवाद-नक्सलवाद पर प्रभावी अंकुश लगा है। आजमगढ़ में महाराज सुहेलदेव के नाम पर एक विश्वविद्यालय बन गया है। इसके साथ ही आजमगढ़ पूर्वांचल एक्सप्रेस से जुड़ गया है। आज आजमगढ़ में एयरपोर्ट भी है।

ये सब मोदी की गारंटी से हुआ है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आजमगढ़ के फरिया-निजामाबाद रोड के लालगंज लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने आजमगढ़ के लोकसभा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ और लालगंज लोकसभा प्रत्याशी नीलम सोनकर के पक्ष में वोट की अपील की।

तीसरे कार्यकाल का इंतजार कर रहे देशवासी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजमगढ़ को बदनाम करने वाले आज बेनकाब हो चुके हैं। आज आजमगढ़ वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, प्रयागराज समेत अन्य जिलों से फोरलेन की बेहतरीन कनेक्टिविटी के साथ जुड़कर नये भारत के नये उत्तर प्रदेश का नया आजमगढ़ बन चुका है। पहले देश और दुनिया में लोग आजमगढ़ का नाम सुनते ही चौंक जाते थे। उस दौरान यहां के लोगों को देश और दुनिया में जाने में काफी समस्या होती थी क्योंकि वहां आजमगढ़ वासियों को होटल तो दूर धर्मशाला में भी रूम नहीं मिलते थे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज आजमगढ़वासियों का सम्मान बढ़ा है। उन्हे नई पहचान मिली है। यही वजह है कि पूरे देश में अबकी बार 400 पार की गूंज सुनायी दे रही है। पूरा देश एक स्वर में कह रहा है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। 500 वर्षों के इंतजार के बाद अयोध्या में रामलला विराजमान हो गये हैं। इससे हर देशवासी अभिभूत है। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का इंतजार कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि हमें भटकना और बहकना नहीं है। जिन्होंने हमारे लिये काम किया है और हमें पहचान दी है।

एक नजर

गबन के मामले में शाखा प्रबंधक की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बांसडीह। बांसडीह कोतवाली क्षेत्र में एक माइक्रो फाइनेंस कंपनी से धोखाधड़ी कर साढ़े चौदह लाख रुपये के गबन के मामले में पुलिस ने शाखा प्रबंधक की तहरीर पर तीन कर्मचारियों के खिलाफ गबन व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। शाखा प्रबंधक मोहन श्रीवास्तव ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि उनकी कंपनी भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड इंडसइंड बैंक की सौ प्रतिशत सब्सिडियरी है। वर्तमान में वे बांसडीह में उक्त कंपनी के शाखा प्रबंधक के पद पर तैनात हैं। कंपनी का प्रमुख कार्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में महिलाओं का समूह बनाकर स्वरोजगार के लिये बैंक खातों के माध्यम से ऋण प्रदान करना है, जिसे ब्याजदर के साथ साप्ताहिक किश्त द्वारा लिया जाता है। कंपनी के फील्ड असिस्टेंट अनंजय कुमार (निवासी कटारिया थाना दाउदनगर, औरंगाबाद, बिहार), फील्ड असिस्टेंट राजकुमार विश्वकर्मा (निवासी तरारी थाना बरखुआ, औरंगाबाद, बिहार) व एक फील्ड असिस्टेंट रोहित यादव (निवासी चांदनीपुर कोतवाली बलिया) भी कंपनी की बांसडीह शाखा में तैनात थे। साप्ताहिक वसूली के दौरान अनंजय सिंह द्वारा 21 महिला सदस्यों से 578249 रुपये , राजकुमार द्वारा 39 महिला सदस्यों से 781293 रुपये व रोहित यादव द्वारा 10 महिला सदस्यों से 86826 रुपये की रकम वसूल कर अपने पास रख ली गयी है। इस संबंध में जानकारी होने पर उनसे पूछताछ की गयी तो उनका कहना था कि उन्हें पैसों की जरूरत थी। इसलिए वे रुपये लेकर अपने निजी काम के लिए घर पर रखा है। इसके बाद वे घर से पैसे लाकर देने की बात कहकर चले दिये। कई दिनों तक वापस न लौटने पर शाखा प्रबंधक उनके घर जाने पर उन्हें धमकी देकर वहां से भगा दिया गया। मामले में शाखा प्रबंधक की तहरीर पर पुलिस ने तीनों कर्मियों समेत उनके अज्ञात घरवालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि शाखा प्रबंधक की तहरीर पर अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

मतदान कार्मिकों एवं माइक्रो आब्जर्वर का द्वितीय रेंडमाइजेशन कार्य संपन्न

मऊ। घोसी लोकसभा क्षेत्र में सकुशल मतदान संपन्न कराने हेतु मतदान कार्मिकों एवं माइक्रो आब्जर्वर का द्वितीय रेंडमाइजेशन कार्य नामित सामान्य प्रेक्षक अनिल कुमार सिंह, जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण मिश्र एवं प्रभारी कार्मिक प्रशांत नागर की उपस्थिति में एनआईसी सभागार में संपन्न हुआ। मतदान कार्मिकों के द्वितीय रैंडमाइजेशन के उपरांत पोलिंग पार्टियों का चयन किया गया। लोकसभा क्षेत्र घोसी हेतु कुल 1762 बूथों के सापेक्ष 110% पोलिंग पार्टियों का चयन किया गया, जिनकी संख्या 1941 है। तृतीय रेंडमाइजेशन के उपरांत पोलिंग पार्टियों हेतु बूथों का चयन किया जाएगा। आज ही सामान्य प्रेक्षक एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष माइक्रो आब्जर्वर का भी द्वितीय रेंडमाइजेशन कार्य किया गया। लोकसभा क्षेत्र के क्रिटिकल बूथों पर इनकी तैनाती की जानी है।

मिजार्पुर के बेलाही गांव में घुस गया था तेंदुआ टीम ने बेहोश कर पिजड़े में किया बंद

मिजार्पुर । मिजार्पुर के हलिया वन रेंज के बेलाही गांव में घुसा तेंदुआ को निकालने में अधिकारियों को छूटा पसीना बीस घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बुधवार की बीती आधी रात को मिली सफलता। तेंदुए को पकड़ने के लिए कानपुर चिड़ियाघर से एक्सपर्ट की टीम कानपुर से आधी रात हलिया के बेलाही गांव में पहुंच कर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। एक्सपर्ट की टीम ने तेंदुए को बेहोश कर पिजड़े में बंद कर लिया। मौके पर वन्य जीव प्रतिपालक डीएफओ मिजार्पुर व डीएफओ चंदौली मौजूद रहे।

जिंदगी के लिए रक्तदान और लोकतंत्र के लिए मतदान महत्वपूर्ण : जिलाधिकारी

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ के निर्देशन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चल रही स्वीप गतिविधियों के तहत स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता के साथ मानवता की सेवा के लिए रक्तदान की अनूठी पहल की गई। रक्तदान-जीवनदान, मतदान-महादान थीम पर आई.एम.ए. ब्लड बैंक लाइन बाजार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

खबरें फटाफट

छात्रा के अपहरणकर्ता को मजदूरों ने रंगेहाथ पकड़ा, पुलिस को किया सुपुर्द

मऊ। मुहम्मदाबाद गोहाना कोतवाली क्षेत्र के भाटपारा सोफीगंज गांव में गुरुवार को सुबह 7:00 बजे स्कूल पढ़ने जा रही छात्रा का अंधेड़ ने अगवा का प्रयास किया। बच्ची के चिल्लाने पर मजदूर मौके पर दड़े तो अपहरणकर्ता भागने का प्रयास करने लगा जिसे दौड़ा कर पकड़ लिया गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे कोतवाली ले आई। पीड़ित छात्रा की मां ने आरोपी के खिलाफ तहरीर दी है।

सपा के संस्थापक सदस्य रामहरी चौहान ने दिया इस्तीफा

मऊ। जनपद निवासी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रामहरी चौहान ने समाजवादी पार्टी की स्थापना के पूर्व समय से मुलायम सिंह यादव के साथ राष्ट्रीय लोक दल में काम करते रहे। जो समाजवादी पार्टी की स्थापना के साथ पार्टी के संस्थापक सदस्य बने। वह सपा के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए 2017 में अखिलेश यादव के कार्यकाल में पार्टी के राष्ट्रीय सचिव भी बने।
उल्लेखनीय है कि 1980 में युवा लोक दल मंडल अध्यक्ष पदाधिकारी के रूप में अपने राजनीतिक कैरियर की शुरूआत किया। उसे समय चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष थे और प्रदेश अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव थे। 1992 में मुलायम सिंह यादव ने लोक दल से अलग होकर अपनी पार्टी का गठन किया, उसके बाद से समाजवादी पार्टी के साथ राम हरी चौहान भी संस्थापक सदस्य मुलायम सिंह के साथ बन रहे। लगभग 44 साल बीतने के बाद पार्टी की नीतियों से क्षुब्ध होकर वह इस्तीफा देने के लिए मजबूर हो गए। अब मऊ जनपद में चचाएं है कि वह भाजपा का दामन थाम सकते हैं। उसके बाद से समाजवादी पार्टी के साथ राम हरी चौहान भी संस्थापक सदस्य मुलायम सिंह के साथ बन रहे। लगभग 44 साल बीतने के बाद पार्टी की नीतियों से क्षुब्ध होकर वह इस्तीफा देने के लिए मजबूर हो गए। अब मऊ जनपद में चचाएं है कि वह भाजपा का दामन थाम सकते हैं।

पीएम ने जौनपुर में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को किया संबोधित

जब तक मैं जिंदा हूं तब तक तुष्टीकरण करने वालों को राजनीति नहीं करने दूंगा : नरेंद्र मोदी

♦ कांग्रेस वाले एक एक्सरे मशीन लाए हैं उससे सावधान होने की जरूरत है : मोदी

केटी न्यूज/जौनपुर

पीएम नरेंद्र मोदी आज जौनपुर दौरे पर थे। इस मौके पर उन्होंने जौनपुर लोकसभा एवम मछली शहर लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर उन्होंने जनता से जीत का आश्वासन मांगा, इस दौरान उन्होंने लोगों को मोदी की गारंटी दी।

पीएम मोदी ने कहा कि जब तक मैं जिंदा हूं तब तक तुष्टिकरण करने वालो को राजनीति नहीं करने दूंगा। ये कांग्रेस वाले एक एक्सरे मशीन लाए हैं, उससे सावधान रहने की जरूरत है। एक हफ्ते से देख रहा हूं उनका एक्सरे मशीन रिपेयरिंग में गया है। कांग्रेस ने कहा कि आपकी संपत्ति का एक्सरे करेंगे जो अधिक होगा उसे छीन लेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं देश में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाऊंगा। आप लोग जिसके घर जाइए उन्हें बताइए की मोदी ने गारंटी दी है कि जिसे भी घर नहीं मिला, गैस का कनेक्शन नहीं मिला सब मिलेगा। मैंने तय किया है कि आपके घर के बिजली के बिल भी जीरो करना है। यही नहीं आपके घर जो बिजली पैदा होगी उसे सरकार खरीद कर आपको पैसा देगी। मोदी की एक और गारंटी आपके माता- पिता, चाचा- चाची दादा दादी सबके इलाज की चिंता आपका बेटा मोदी करेगा। एक तरफ मोदी संतुष्टीकरण से न्याय दिलाने पर लगा है। वहीं इंडी गठबंधन तुष्टिकरण से देश बांटने पर लगा है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा में जन सैलाब उमड़ पड़ा ।दोपहर 12 बजकर 50 मिनट जौनपुर पहुंचे प्रधानमंत्री अत्यधिक गर्मी के बावजूद लाखो की भीड़ देखकर गदगद हुए।45 मिनट के अपने भाषण में मोदी जी ने विपक्ष को जमकर घेरा।जनसभा में आये आम लोगो ने मोदी योगी के स्टेचू पर सेल्फी का आनंद लिया।मोदी के मंच पर आते ही जय श्री राम व मोदी मोदी ले नारो से गूंज उठा पांडाल।

योगी और मोदी के भेषभूसा में आये छोटे बच्चों की प्रधानमंत्री मोदी ने मंच से उनकी तारीफ की।बोले यह तो पूरे योगी मोदी बन गए है।वहीं एक बच्चा पेंसिल स्क्रेच से मोदी की तस्वीर बनाकर लाया था जिसे वह बार बार खड़ा होकर मोदी जी को दिखाना चाहता था।जिसे देखकर मोदी जी ने मंच से अपने सुरक्षा कर्मियों को उसे परेशान न करने की हिदायत दी।तथा उस तस्वीर को बच्चे के पास से लेने के लिए कहा साथ उस बच्चे का नाम पता भी लिया।मोदी जी ने तस्वीर देखकर बच्चे की तारीफ की।

धरने पर बैठा प्रत्याशी, पुलिस ने बलपूर्वक लिया हिरासत में

जौनपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जौनपुर आने से एक घंटा पूर्व अपने कार्यालय के सामने धरने पर बैठे समाज विकास क्रांति पार्टी के लोकसभा प्रत्यासी अशोक सिंह को पुलिस ने बल पूर्वक लिया हिरासत में। समाज विकास क्रंति पार्टी के प्रत्यासी अशोक सिंह अपने कार्यालय के सामने ही अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए।अशोक सिंह के धरने पर बैठने की सूचना जैसे ही पुलिस अधिकारियों को लगी।वैसे ही आनन फानन में मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने बल पूर्वक अशोक सिंह को समर्थको के साथ हिरासत में ले लिया और थाने ले गयी।अशोक सिंह ने प्रत्यासी होने के कारण जिलाधिकारी से सुरक्षा की भी की थी मांग।उनका चुंकव निशान गन्ना है।

राजीव राय ने रसड़ा के गांवों में आयोजित किया जन चौपाल

केटी न्यूज/मऊ

समाजवादी पार्टी तथा इंडिया गठबंधन के घोसी लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी राजीव राय ने बुधवार को रसड़ा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जन चौपाल के माध्यम से अपनी बात रखी। हरिहरपुर गांव में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने लोगों से एक बार इतिहास बना देने की मांग की कि यहां से बलिया का भी सांसद हो गया है। उन्होंने कहा कि इतना बड़ा इलाका है लेकिन कोई अस्पताल नहीं। आईसीयू आदि के लिए दूर जाकर इलाज कराना पड़ता है। उन्होंने इन समस्याओं का निदान करने की बात कही।वहीं चिलकहर ब्लाक अंतर्गत कोढ़ऊपुर में आयोजित सभा में राजीव राय ने नेता की हैसियत से नहीं, अपनी माटी पर

अपने घर में बेटे की हैसियत से वोट मांगा। उन्होंने कहा कि एक गांव में चिकित्सा के अभाव में एक मौत हो गई जिससे मन दुखी है। मैं इसका संज्ञान जरूर लूंगा। उन्होंने सरकार पर व्यंग करते हुए कहा कि बहुत हो गई महंगाई की मार, अब नहीं चाहिए मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि हर परिवार का मुखिया चाहता है कि उनका बेटा सरकारी नौकरी पा जाए तो बेटी की शादी हो जाए और घर भी बन जाए लेकिन सरकारी नौकरियों पर डाका डाला गया। एक भी नौकरी पर नियुक्ति नहीं हो पाई। नौजवान नौकरी को तरस रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं 10 साल पहले हार गया था लेकिन आप लोगों को छोड़कर कहीं नहीं गया।

उन्होंने लोगों से आशीर्वाद मांगा तो सभी ने हाथ उठाकर उन्हें विजयी होने का आशीर्वाद दिया। यहां पर क्षेत्र के प्रमुख तथा स्वर्गीय भोलाराम जी के पुत्र भूराराम, विजय शंकर यादव, नीतेश जी, भोलाराम जी, देवेन्द्र राम, फतेह वर्मा, छोटेलाल पासवान, जगन यादव आदि ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। रसड़ा विधानसभा क्षेत्र के बुढ़ऊं गांव में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि पांच सालों में किसी की नौकरी नहीं लगी। चुनाव में मंगलसूत्र बहुत याद आ रहा है। जो पांच किलो राशन पर निर्भर है, वह मंगलसूत्र कैसे बनवा पाएगा। यहां पर चंद्रशेखर सिंह, जफर खान, सीताराम, मुख्तार, धर्मराज पासी, शिवशंकर, अर्जुन सिंह, स्वामीनाथ शर्मा सहित कई अन्य लोगों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

पिछले काम का बकाया 50 हजार रुपए देने पर ही काम करने की दी थी चेतावनी

ठेकेदार से 50 हजार रुपए मांगने पर बल्ली से सिर पर हमला, मौत

केटी न्यूज/वाराणसी

वाराणसी के कैंट थाना क्षेत्र में कचहरी चौराहे के पास निमार्णाधीन बिल्डिंग में गुरुवार सुबह मुख्य ठेकेदार और श्रमिकों के ठेकेदार में अचानक खुनी विवाद हो गया। श्रमिक ने ठेकेदार से पहले के बकाया 50 हजार रुपए मांग दिया। जब मुख्य ठेकेदार देने से मना किया तो श्रमिक ठेकेदार ने मकान का काम आगे नहीं बढ़ाने की धमकी दी। फिर क्या श्रमिकों की चेतावनी से ठेकेदार को गुस्सा आ गया। उसने बल्ली से युवक के सिर में हमला कर दिया। ताबड़तोड़ कई प्रहार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर हमलावर मौके से फरार हो गया। श्रमिक घायल को अस्पताल ले गए। जहां उसकी मौत हो गई। कैंट क्षेत्र के कचहरी चौराहे के पास संजय सिंह नए भवन का निर्माण करा रहा हैं। संजय ने श्रमिकों समेत पूरे मकान का काम मंडुवाडीह निवासी ठेकेदार सोहराबुद्दीन को दे रखा है। उसने इस काम को एक श्रमिक ठेकेदार बाबतपुर निवासी इजहार अहमद उर्फ बाबर को दिया है। बिल्डिंग में प्रतिदिन 15-20 मजदूर की मांग रखी। पिछले एक महीने से मकान निर्माण में बड़ी संख्या में श्रमिकों को लगाया गया है। सुबह तीसरे तल की ढलाई का काम समाप्त होने के बाद सोहराबुद्दीन मकान पर पहुंचा, तो बाबतपुर निवासी इजहार अहमद उर्फ बाबर (35) ने ठेकेदार

से श्रमिकों का पिछला बकाया देने की मांग की। पिछले काम का बकाया 50 हजार रुपए देने पर ही काम करने की चेतावनी दी। इस दौरान उन दोनों के बीच काफी बहस हो गई। ढ़लाई का काम करने वाले मिस्त्री अलाउद्दीन शेख और दिनेश मिस्त्री ने दोनों को बीच बचाव कर अलग किया लेकिन कुछ देर बाद दोनों फिर झगड़ गए। ढ़लाई हुई छत पर एक दूसरे पर आरोप लगाकर गाली गलौज देने लगे। पहले आक्रोशित ठेकेदार ने श्रमिक बाबर को गाली-गलौज किया। उसने भी जवाब में गालियां दी। दोनों में विवाद शुरू हो गया। इसी बीच ठेकेदार ने युवक पर बांस बल्ली से हमला कर दिया। उसके सिर पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। सोहराबुद्दीन के प्रहार में बाबर लहुलुहान होकर गिर पड़ा। इसके बाद वह मौके से भाग निकला। साथी मजदूरों की मदद से बाबर को कबीरचौरा हॉस्पिटल में लाया गया।

इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही एडीसीपी टी सरवणन, एसीपी कैंट विदुष सक्सेना और कैंट इंस्पेक्टर अजय राज वर्मा सहित फॉरेंसिक टीम ने मौके पर गहन पड़ताल की। परिजनों को घटना की जानकारी दी और उनके आने पर पूछताछ भी की। एडीसीपी ने हमलवार सोहराबुद्दीन की तलाश में दो टीमें बनाकर भेजी हैं जो दबिश दे रही हैं।

सुभाषितम्

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है। - धीरूभाई अंबानी

रिश्ते-रिश्ते नहीं रहे, पति-पत्नी के रिश्ते गिव एंड टेक की तरह

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में दहेज उत्पीड़न के मामले में एक फैसला सुनाया है। फैसले में हाईकोर्ट ने कहा है कि विवाह के समय जो दहेज मिला है, वह वर पक्ष द्वारा लड़की को स्त्री-धन के रूप में दिया गया है। शादी में वर और वधू पक्ष से जो उपहार मिले हैं, उस सबकी सूची बनाएं। दूल्हा-दुल्हन दोनों के हस्ताक्षर करायें। दोनों परिवारों के प्रमुख सदस्य उस सूची पर हस्ताक्षर करें। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा, कि दहेज और उपहार में अंतर है। वर और वधु को मिलने वाले उपहार को दहेज नहीं माना जा सकता है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा, कि दहेज कानून की धारा 3 में दहेज लेना और देना दोनों ही दंडनीय अपराध है। उपधारा (2) में शादी में मिले उपहार की सूची बनाने की व्यवस्था है। दहेज के किसी भी मामले में विवाद होने पर सत्यापन किया जा सके। हाईकोर्ट ने यह भी कहा, कि सूची होने से इस तरह के विवादों से निपटने में सभी पक्षों को मदद मिलेगी। झूठे मामले, पुलिस और अदालत तक नहीं जाएंगे। विवाद का विषय कोई और होता है। दहेज का मामला बनाकर एक पक्ष को प्रताड़ित करने के मामले सामने आ रहे हैं। जब तक दहेज उन्मूलन कानून प्रचलन में नहीं आया था तब तक इस तरह के मामले सामने नहीं आते थे। पति-पत्नी के रिश्ते तलाक होने की नौबत तक नहीं पहुंचते थे। पति-पत्नी के बीच विवाद होता था। समाज और परिवार के लोग मिलकर उसे सुलझा देते थे। लेकिन अब पति-पत्नी के रिश्ते, वह रिश्ते नहीं रहे, जिन्हें अंतरंग रिश्ता कहा जा सके। अधिकांश मामले में गिव एंड टेक की तरह पति-पत्नी के रिश्ते बन गए हैं। जो चाहा वह नहीं मिला, तो विवाद की स्थिति पैदा होती है। विवाद होने पर तलाक और दहेज उत्पीड़न के मामले बन जाते हैं। पति-पत्नी को तो इसका खामियाजा भुगतना ही पड़ता है। इसके साथ परिवार के अन्य सदस्य भी लपेट लिए जाते हैं। भारत में तलाक और दहेज उत्पीड़न के मामले बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। पति-पत्नी के रिश्ते भी अब लेन-देन पर आधारित हो गए हैं। भारत में चार-पांच दशक पहले हिंदू समाज में तलाक का कोई मामला देखने में नहीं आता था। हिंदू समाज में तलाक को बहुत बुरा माना जाता था। शादी के बाद पति-पत्नी एक दूसरे को जीवन भर एडजस्ट करते थे। सामाजिक एवं पारिवारिक व्यवस्था में सबसे क्लोज और मजबूत रिलेशन पति-पत्नी का ही माना जाता है, लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं। पति-पत्नी के रिश्ते में बंधने के बाद भी दोनों के बीच कोई आत्मीयता नहीं होती है। दोनों की आपस में किसी बात को लेकर कोई सामजस्य नहीं बन पाता है। तो एक दूसरे के साथ शारीरिक संबंध होने के बाद भी मानसिक रूप से जुड़ाव नहीं हो पाता है। दोनों रिश्ते को तोड़ने के लिए तैयार रहते हैं। भारत में जब से संयुक्त परिवार की परंपरा टूटना शुरू हुई है। परिवार के सदस्य अपना कैरियर और व्यापार के लिए संयुक्त परिवार से अलग होकर स्वयं का व्यापार या करियर बनाने लगे हैं। अब तो निजी जीवन में कोई भी एक-दूसरे का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है। जिसके कारण पति-पत्नी के रिश्ते टूटने की समस्या बढ़ती चली जा रही है। पारिवारिक रिश्ते भी अब आर्थिक रूप से एक दूसरे को जोड़कर रखते हैं। रिश्तों का आधार ही आर्थिक और स्वच्छंदता का हो गया है। पुरुष और महिलाओं की शिक्षा और बराबरी की होड़ में कोई किसी के साथ समझौता करके रहना नहीं चाहता है। स्वतंत्र अस्तित्व के कारण पति-पत्नी के रिश्ते भी अब बहुत कमजोर हो गए हैं। जब दोनों के रिश्ते टूटते हैं, तो उसमें आर्थिक आधार और निजी स्वतंत्रता ही सबसे बड़ा कारण होता है। निजी हितों के लिए, ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने के लिए दहेज एवं तलाक कानूनों का दुरुपयोग हो रहा है। पति-पत्नी के तलाक का असर पूरे परिवार और बच्चों पर पड़ रहा है। लोग शादी करने से डरने लगे हैं। जिसके कारण अवैध संबंधों की भी बाढ़ आ रही है। ऐसी स्थिति में सावधानी बरतना बहुत जरूरी हो गया है।

चिंतन-मनन

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर धनिक सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह शुद्ध आचरण से तथा परोपकार के द्वारा पहले अपने को सुपात्र बनाएगा, ताकि उसे आत्मज्ञान सहजता से प्राप्त हो सके।

एक देश, एक रंगीला, दूसरा बर्दाश्त नहीं

- राकेश अचल

हम तेजी से एक देश, एक निशान, एक विधान , एक नेता , एक भगवान की और आगे बढ़ रहे हैं , इसीलिए हमें इस देश में रंगीला भी एक चाहिए । दूसरा कोई रंगीला हम बर्दाश्त नहीं कर सकते, फिर चाहे वो श्याम रंगीला हो या राम रंगीला। इस देश में एक ही रंगीला है। दूसरे की कल्पना करना ही जुर्म है। राष्ट्रद्रोह है। वाराणसी के श्याम रंगीला को कल तक कोई नहीं जानता था, लेकिन आज पूरा देश जान गया है। श्याम रंगीला हास्य कलाकार है। हमारे यहां हास्य कलाकारों को पहले जोकर, बाद में विदूषक और अब कॉमेडियन कहा जाता है। कॉमेडियन श्याम रंगीला बनारस से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन उनका नामांकन खारिज हो गया है। उन्होंने वाराणसी से पर्चा भरा था. जांच के बाद श्याम रंगीला का पर्चा खारिज हो गया। नामांकन रद्द होने के बाद उन्होंने कहा कि वाराणसी से नहीं लड़ने देंगे यह तय था, अब साफ हो गया। दिल जरूर टूट गया है, हौंसला नहीं टूटा है। श्याम रंगीला की तरह 32 और लोगों के नामांकन पात्र खारिज कर दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी की मजबूरी थी कि वो ऐसा करे । यदि न करता तो उसकी छुट्टी हो जाती। बाकी का तो पता नहीं लेकिन श्याम रंगीला के नामांकन को लेकर देश में अच्छी प्रतिक्रिया नहीं आयी है। बनारस में माननीय मोदी जी को हराना फिलहाल किसी के बूते की बात नहीं है । कांग्रेस के अजय राय की भी नहीं ,फिर भी राय लगातार तीसरी बार माननीय मोदी जी के सामने खड़े हुए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी का बस नहीं चलता अन्यथा वो राय साहब का नामांकन भी उसी तरह खारिज कर देता जिस तरह सूरत में हुआ ,जिस तरह खजुराहो में हुआ। जहाँ नामांकन रद्द नहीं हो सकता वहां सत्तारूढ़ दल प्रतिद्वंदी पार्टी के उम्मीदवार को खरीद लेता है या नाम वापस करा लेता है। रंगीला यदि चुनाव लादते तो कोई आसमान नहीं टूट जात। रंगीला की तरह अन्य 32 लोग भी यदि मोदी जी के खिलाफ खड़े रहते तो भी आसमान को नहीं टूटना था लेकिन मोदी जी का दिल जरूर टूट जाता । जिला निर्वाचन अधिकारी को बनारस में ज्यादा से ज्यादा ईवीएम लगना पड़ती । मुमकिन है कि मोदी जी का नाम मशीन में पहले -दूसरे नंबर के बजाय सबसे नीचे होता। यदि ऐसा होता तो मुमकिन है कि मतदाता मोदी जी के कमल निशान तक पहुँच ही न पाता। रंगीला का दिल तोड़ने का काम निर्वाचन अधिकारी ने दिल पर पत्थर रखकर किया है। आखिर अघोषित राजाज्ञा भी तोकोई चीज होती है। मैंने कल ही कहा था कि आज के लोकतंत्र में आम आदमी के लिए चुनाव लड़ने का कोई अवसर नहीं बचा है । करोड़,दस करोड़ नहीं बल्कि हजारों करोड़ के मालिक ही अब चुनाव लड़ते है ,लड़ सकते हैं। श्याम रंगीला जैसों को ये अधिकार नहीं है और यदि है तो उसे आसानी से छीना जा सकता है। श्याम रंगीला में इतनी कूबत नहीं है कि वो बनारस के जिला निर्वाचन अधिकारी के फैसले के खिलाफ किसी बड़ी अदालत का दरवाजा खटखटाये। श्याम रंगीला को चुप होकर घर ही बैठना पडेगा। यदि वो जिद करेगा तो उसे कॉमेडी करने से भी रोक दिया जाएगा ,क्योंकि कॉमेडी करने पर भी एकाधिकार माननीय का है। वे देश के सबसे बड़े स्टेंडअप कमेडियन हैं। उनकी भाव मुद्राएं क्रूज पर साक्षात्कार देते समय अलग और रैली में अलग होती हैं। उनका अभिनय बहुआयामी है। ,उनके कपडे सब हास्य बोध करते हैं। जिस देश में एक निशान,एक विधान,एक जुबान ,एक खानपान का सपना देखा जा रहा हो उस देश में श्याम रंगीला चुनाव कैसे लड़ सकता है ?माननीय के खिलाफ चुनाव लड़ने से रंगीला को केवल सुर्खियां मिलतीं ,दुर्भाग्य से सुर्खियों पर भी माननीय का एकाधिकार कहिये या कॉपी राइट कहिये, है। आम आदमी को सुर्खी में रहने का भी अधिकार नहीं है। उसे केवल एक अधिकार प्राप्त है और वो है मताधिकार। गनीमत है कि एक दशक पुरानी सत्ता ने उससे उसका ये वाला मताधिकार नहीं छीना है। अभी तक सत्ता पक्ष की और से ये हौवा खड़ा नहीं किया गया है कि यदि कांग्रेस सत्ता में आ गयी तो आपके मंगलसूत्र,मकान और भैंसों के साथ ही आपका मताधिकार छीन लिया जाएगा। देश में एक जमाने में रंगीला की तरह बहुत से ऐसे नागरिक थे जो अपनी सांकेतिक उपस्थिति से चुनाव को रोचक बनाया करते थे । हमारे अपने शहर ग्वालियर में एक जमाने में धरतीपकड़ हुआ करते थे। अनेक चायवाले थे लेकिन उनके नामांकन को कभी किसी प्रतिद्वंदी नेता ने न खारिज कराया और न उसके खड़े होना का बुरामाना ,लेकिन अब दुनिया ही नहीं हमारा देश भी बदल रहा है। रंगीला और धरतीपकड़ की भूमिका हमारे सत्तारूढ़ दल के नेता खुद निभा सकते हैं ,निभा रहे हैं। निभा इसलिए रहे हैं क्योंकि उनकी अपनी कोई विरासत नहीं है। इसलिए मजबूरी में भाजपा को भी उन्हीं ज्योतिषियों का सहारा लेना पड़ रहा है ,जिनका सहारा दूसरे लोग भी लेते हैं। मै अपने आपको सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मैंने विधानसभा का चुनाव लड़ा लेकिन मेरे प्रतिद्वंदी तबके सत्तारूढ़ दल के मंत्री बालेंदु शुक्ल ने मेरा नामांकन रद्द नहीं कराया। मुझे चुनाव लड़ने दिया। मुझे खरीदने की कोशिश नहीं की। मुझे धमकाने की कोशिश नहीं की । जिला निर्वाचन अधिकारी से कुछ नहीं कहा ,क्योंकि जब मैंने चुनाव लड़ा था तब मोदी युग नहीं था। शायद मोदी जी भी तब कहीं नहीं थे। यदि रहे भी होंगे तो उन्हें लोग श्याम रंगीला जितना भी शायद न जानते हों। इंदिरा गाँधी को रायबरेली से चुनाव हारने वाले राजनारायण जी भी समाजवादी राजनीति के श्याम रंगीला थे। एकदम फक्क्ड़ । बात-बात पर हंसाते थे ,खुद भी हसंते थे ,लेकिन राजनीति भी जमकर करते थे। मुझे लगता है कि भाजपा को श्याम रंगीला में कहीं राजनारायण के दर्शन तो नहीं हो गए। बहरहाल श्याम रंगीला के साथ जो हुआ ,वो नहीं होना चाहिए था । चुनाव लड़ने वाले किसी भी नागरिक के साथ नहीं होना चाहिए। यदि ऐसा हो रहा है तो इसके लिए देश और लोकतंत्र शर्मिंदा है। गनीमत है कि हम भारत में रहते हैं ,स्लोवाकिया में नहीं। हालाँकि हम स्लोवाकिया की तरह अपने ही अनेक नेताओं के कत्ल के आरोपी रहे हैं। ईश्वर करे कि देश में कभी कोई सिरफिरा पैदा न हो। फिर हमारे नेताओं के जिस्म छलनी न हों। ये सुनिश्चित करने के लिए हमें श्याम रँगीलाओं को संरक्षण देना होगा । उन्हें चुनाव लड़ने का मौका देना होग। अन्यथा लोकतंत्र को लोकतंत्र कहने में संकोच होगा। अठारहवीं लोकसभा के लिए हो रहे मतदान के बाकी के चरणों में निर्वाचन अधिकारी किसी की कठपुतली न बनें। किसी को चुनाव लड़ने से जानबूझकर न रोकें। क्योंकि अभी इस देश में एक निशान है,एक संविधान है।

आधुनिक जीवन का अभिशाप है हाई ब्लडप्रेशर

- ललित गर्ग

उच्च रक्तचाप यानी हाई ब्लड प्रेशर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसके रोकथाम, पहचान और नियंत्रण को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल 17 मई को ह्यविश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया जाता है ह्व वर्तमान में दुनिया भर में उच्च रक्तचाप से करीब डेढ अरब से अधिक लोग पीड़ित हैं। दुनिया भर में उच्च रक्तचाप वाले अनुमानित 46 फीसदी लोग इस बात से अनजान हैं कि उन्हें उच्च रक्तचाप है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक उच्च रक्तचाप वाले पांच में से सिर्फ एक वयस्क इसे नियंत्रण में रखता है, जिसका अर्थ है कि 80 फीसदी को भारी खतरा है, जिसमें दिल का दौरा, स्ट्रोक, अनियमित दिल की धड़कन और गुर्दे को नुकसान पहुंचना आदि शामिल है। इस वर्ष की थीम के तहत ह्यअपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापें, इसे नियंत्रित करें और लंबे समय तक जीवित रहेंह्व, इस पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उच्च रक्तचाप के प्रमुख कारण हैं मोटापा, तनाव, अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, नियमित शारीरिक गतिविधि न करना, धूम्रपान, अल्कोहल, आहार में सोडियम (नमक) की अत्यधिक मात्रा और मधुमेह जैसी कुछ स्थितियाँ भी इसका कारण बन सकती हैं। गर्भावस्था के दौरान भी उच्च रक्तचाप हो सकता है। नयी सदी की दहलीज पर खड़े महत्त्वाकांक्षी युवा-वर्ग के सामने प्रतिस्पधार्ओं का अंतहीन माहौल है। यदि वह इस बाधा दौड़ में हारता है, तो नकारात्मक तनावों से घिर जाता है, यदि जीतता है तो नयी-नयी स्पधाओं का चुनौति भरा संघर्ष फिर शुरू हो जाता है। अपनी विजय को स्थायी रखने तथा नये-नये कीर्तिमान स्थापित करने के लिए छल-प्रपंच और झूठ का सहारा लेता है। वैज्ञानिक कहते हैं दुनिया में जितना अधिक झूठ बढ़ा है, उतना ही अधिक हाई ब्लड प्रेशर का खतरा भी बढ़ा है। झूठ का रास्ता कभी सीधा नहीं होता। उबड़-खाबड़, टेढ़ा-मेढ़ा और घुमावदार होता है वह। कुटिल व्यक्ति के विचार सदा प्रदूषित रहते हैं। यह मन का प्रदूषण उच्च रक्तचाप की जड़ है। उच्च रक्तचाप से जुड़े तमाम खतरों के बीच प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुओं (अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड) का बढ़ता चलन चिंताजनक है। चिंता इसलिए कि खतरों को जानते-बूझते भी ऐसे खाद्य पदार्थों की बाजार में उपलब्धता ज्यादा होने लगी है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के हाल ही में सामने आए एक अध्ययन में बताया गया है कि नियमित रूप से प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ खाने से समय पूर्व मौत का जोखिम चार फीसदी बढ़ जाता है, जिसमें उच्च रक्तचाप प्रमुख है। आमतौर पर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ रेडी टू यूज होते हैं। पैकेट वाले स्नैक्स, डिब्बाबंद फूड, कोल्ड ड्रिंक इसकी श्रेणी में आते हैं। हाई ब्लडप्रेशर का खतरा महिलाओं से ज्यादा पुरुषों में होता है। इससे बचने के लिए न केवल डाइट और लाइफ स्टाइल पर ध्यान देने की जरूरत है बल्कि तनाव को कम करना और शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए एक्सरसाइज भी बेहद जरूरी है। आजकल 18 साल से 50 वर्ष के लोग हाइपरटेंशन के अधिक शिकार हैं। हालांकि साठ साल की उम्र से पहले पुरुषों में उच्च रक्तचाप का खतरा ज्यादा रहता है, पर बाद में स्त्री-पुरुष दोनों में ही खतरे की आशंका बराबर होती है। देखा गया है कि जो व्यक्ति गुस्सा नहीं करते, वो कम बीमार होते हैं। जिस व्यक्ति को गुस्सा ज्यादा आता है, उनमें ब्लडप्रेशर, हाइपरटेंशन, गंभीर रूप से पीठ में दर्द की शिकायत देखी गई है। इसके साथ ही ऐसे लोगों को पेट की शिकायत भी हो सकती है। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस उच्च रक्तचाप की रोकथाम और नियंत्रण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसमें नियमित व्यायाम करना, स्वस्थ भोजन और संतुलित आहार खाना, तंबाकू, अत्यधिक शराब और धूम्रपान से बचना शामिल है। जीवनशैली में ये बदलाव उच्च रक्तचाप और इसकी जटिलताओं के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं। व्यक्ति की भावनाएं, सोच, विचार और आदत में अन्तरसंबंध होता है। हमारे विचार, हमारे सोच को प्रभावित करते हैं और सोच से आदत बदलती है। इसके लिए आपको नियमित व्यायाम करना चाहिए। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस का एक प्रमुख संदेश नियमित रक्तचाप की निगरानी का महत्व है। उच्च रक्तचाप को अक्सर ह्यसाइलेंट किलरह्व कहा जाता है क्योंकि आमतौर पर इसके कोई लक्षण नहीं होते हैं जब तक कि यह गंभीर जटिलताएं पैदा न कर दे। नियमित रक्तचाप जांच से उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और जटिलताओं को रोकने के लिए समय पर हस्तक्षेप करने में मदद मिल सकती है। स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर द्वारा बताई गई दवाएं लेना भी शामिल है। चिकित्सा-विज्ञान की अपूर्व प्रगति ने मनुष्य को इस जीवनघाती व्याधि से बचाने में कल्पनातीत सहयोग दिया है। रोग-निदान करने वाले अति संवेदी सूक्ष्म उपकरण, औषध-विज्ञान और सफल शल्य-क्रिया-ये सब किसी मृत्युंजयी तत्त्व से कम नहीं हैं। आश्चर्य तो इस बात का है कि इतना सब कुछ होते हुए भी उच्च रक्तचाप जैसी जानलेवा बीमारी का राक्षसी-पंजा नियंत्रण के बाहर है। जो चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं, वे आम-आदमी के लिए अलभ्य हैं। इस महंगी चिकित्सा-सेवा के द्वारा संपन्न व्यक्ति भले ही मृत्यु के निमंत्रण को एक अवधि तक टाल दें, किंतु गरीबों की दयनीय दशा की कल्पना कौन कर सकता है? मियामी विश्वविद्यालय अमेरिका के वैज्ञानिकों/डॉक्टरों ने अपनी संयुक्त विज्ञप्ति में अपील की है कि मानसिक तनावों को अपने पर हावी न होने दें। इस संबंध में लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के तौर-तरीके सिखाने चाहिए। उनका मानना है कि निरंतर तनाव-ग्रस्त रहने और भोजन में चिकने पदार्थों का अधिक सेवन करने वालों पर हाई ब्लड प्रेशर का आक्रमण आसानी से हो जाता है। तनाव मुक्त रहने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक शक्ति सुरक्षित रहती है।

तमाम तरह के शोध इस बात का खुलासा करते रहे हैं कि ऐसे डिब्बा बन्द खाद्य पदार्थों में शुगर, फैट और नमक की मात्रा काफी अधिक होती है, जबकि फाइबर व अन्य पोषक तत्व कम होते हैं। इसीलिए प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुएं उच्च रक्तचाप से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा देती हैं। लोग बेपरवाह होकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। खास तौर से नई पीढ़ी को ऐसी खाद्य वस्तुएं अधिक लुभा रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशंस की ओर से जारी एक रिपोर्ट में पाया गया कि भारत का प्रसंस्कृत खाद्य बाजार 2011 से 2021 तक 13.37 फीसदी की सालाना दर से बढ़ा है। हालांकि कोविड-19 महामारी के दौरान इस क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 5.50 प्रतिशत रह गई थी, लेकिन यह अस्थायी दौर था।

आधुनिक जीवन का अभिशाप है हाई ब्लडप्रेशर

- ललित गर्ग

उच्च रक्तचाप यानी हाई ब्लड प्रेशर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसके रोकथाम, पहचान और नियंत्रण को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल 17 मई को ह्यविश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया जाता है ह्व वर्तमान में दुनिया भर में उच्च रक्तचाप से करीब डेढ अरब से अधिक लोग पीड़ित हैं। दुनिया भर में उच्च रक्तचाप वाले अनुमानित 46 फीसदी लोग इस बात से अनजान हैं कि उन्हें उच्च रक्तचाप है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक उच्च रक्तचाप वाले पांच में से सिर्फ एक वयस्क इसे नियंत्रण में रखता है, जिसका अर्थ है कि 80 फीसदी को भारी खतरा है, जिसमें दिल का दौरा, स्ट्रोक, अनियमित दिल की धड़कन और गुर्दे को नुकसान पहुंचना आदि शामिल है। इस वर्ष की थीम के तहत ह्यअपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापें, इसे नियंत्रित करें और लंबे समय तक जीवित रहेंह्व, इस पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उच्च रक्तचाप के प्रमुख कारण हैं मोटापा, तनाव, अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, नियमित शारीरिक गतिविधि न करना, धूम्रपान, अल्कोहल, आहार में सोडियम (नमक) की अत्यधिक मात्रा और मधुमेह जैसी कुछ स्थितियाँ भी इसका कारण बन सकती हैं। गर्भावस्था के दौरान भी उच्च रक्तचाप हो सकता है। नयी सदी की दहलीज पर खड़े महत्त्वाकांक्षी युवा-वर्ग के सामने प्रतिस्पधार्ओं का अंतहीन माहौल है। यदि वह इस बाधा दौड़ में हारता है, तो नकारात्मक तनावों से घिर जाता है, यदि जीतता है तो नयी-नयी स्पधाओं का चुनौति भरा संघर्ष फिर शुरू हो जाता है। अपनी विजय को स्थायी रखने तथा नये-नये कीर्तिमान स्थापित करने के लिए छल-प्रपंच और झूठ का सहारा लेता है। वैज्ञानिक कहते हैं दुनिया में जितना अधिक झूठ बढ़ा है, उतना ही अधिक हाई ब्लड प्रेशर का खतरा भी बढ़ा है। झूठ का रास्ता कभी सीधा नहीं होता। उबड़-खाबड़, टेढ़ा-मेढ़ा और घुमावदार होता है वह। कुटिल व्यक्ति के विचार सदा प्रदूषित रहते हैं। यह मन का प्रदूषण उच्च रक्तचाप की जड़ है। उच्च रक्तचाप से जुड़े तमाम खतरों के बीच प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुओं (अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड) का बढ़ता चलन चिंताजनक है। चिंता इसलिए कि खतरों को जानते-बूझते भी ऐसे खाद्य पदार्थों की बाजार में उपलब्धता ज्यादा होने लगी है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के हाल ही में सामने आए एक अध्ययन में बताया गया है कि नियमित रूप से प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ खाने से समय पूर्व मौत का जोखिम चार फीसदी बढ़ जाता है, जिसमें उच्च रक्तचाप प्रमुख है। आमतौर पर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ रेडी टू यूज होते हैं। पैकेट वाले स्नैक्स, डिब्बाबंद फूड, कोल्ड ड्रिंक इसकी श्रेणी में आते हैं। हाई ब्लडप्रेशर का खतरा महिलाओं से ज्यादा पुरुषों में होता है। इससे बचने के लिए न केवल डाइट और लाइफ स्टाइल पर ध्यान देने की जरूरत है बल्कि तनाव को कम करना और शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए एक्सरसाइज भी बेहद जरूरी है। आजकल 18 साल से 50 वर्ष के लोग हाइपरटेंशन के अधिक शिकार हैं। हालांकि साठ साल की उम्र से पहले पुरुषों में उच्च रक्तचाप का खतरा ज्यादा रहता है, पर बाद में स्त्री-पुरुष दोनों में ही खतरे की आशंका बराबर होती है। देखा गया है कि जो व्यक्ति गुस्सा नहीं करते, वो कम बीमार होते हैं। जिस व्यक्ति को गुस्सा ज्यादा आता है, उनमें ब्लडप्रेशर, हाइपरटेंशन, गंभीर रूप से पीठ में दर्द की शिकायत देखी गई है।

आज का राशिफल

मेष आज आपका भाग्य साथ देगा और आपके रुके कार्य पूर्ण होने से मन में प्रसन्ता रहेगी।

तुला चारों ओर खुशी का माहौल रहेगा। चली आ रही लेन-देन की समस्या का अंत होगा ।

वृषभ आज का दिन सुख और शांति का है। आज आपके प्रयास सफल होंगे और दिन आनंद में बीतेगा।

वृश्चिक आर्थिक समस्याओं वाला हो सकता है और आज आपको कोई बड़ा नुकसान हो सकता है।

मिथुन आज का दिन सावधानी से बिताने का है। आज आपकी कोई मूल्यवान वस्तु चोरी हो सकती है।

धनु आपके खिलाफ कुछ नहीं कर पाएंगे। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है।

कर्क आज का दिन शुभ है और आज आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के संकेत मिल रहे हैं।

मकर आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में नए प्रयास सफल होंगे।

सिंह शुभ योग बन रहे हैं। आज भाग्य आपका साथ देगा। आपके लिए आज आमदनी के योग बनेंगे।

कुंभ आज आपकी धन से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी। निर्मूल विवाद अकारण शत्रुपत्ति की आशंका है।

कन्या आपको ऑफिस के काम में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी।

मीन आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। लाभ होगा। दाम्पत्य जीवन की परेशानियों का अंत होगा।

विशेष

परिवार के लिए नहीं भारत के लिए जीतें है मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ दिन पहले कहा था, भारत में रहने वाले सभी लोग मेरा परिवार है। में परिवार के लिए ही काम करता हूं। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गिरिडीह की सभा में कहा है, मैं परिवार के लिए नहीं, बल्कि भारत के लिए जीता हूं। मैं एक गरीब मां का बेटा हूं। लोकसभा के चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर दिन नया-नया बयान देते हैं। जो पुराने बयान से अलग होता है। अब लोग यह नहीं समझ पा रहे हैं,कि वह मोदी के परिवार के सदस्य हैं या नहीं हैं।

पूर्व महामंडलेश्वर मंदाकिनी गिरफ्तार

भगवा वस्त्र पहनकर अपराध करना आसान होता है। भगवा वस्त्रों पर लोग जल्दी विश्वास कर लेते हैं। जब महामंडलेश्वर जैसी पदवी हो,साध्वी हों,तो अपराध करना और भी आसान हो जाता है। पुलिस ने निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर मंदाकिनी देवी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ठगी के आरोप में इन्हें गिरफ्तार किया गया है। निरंजनी अखाड़े ने अब इन्हें महामंडलेश्वर के पद से अलग कर दिया है। मध्य प्रदेश से लेकर राजस्थान,उत्तराखंड,उत्तर प्रदेश में इन्होंने लोगों को मनो कामना पूरी करने के लिए हर तरह से ठगा है। करोड़ों रुपयों की कमाई की है। दो राज्यों में उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज हो गए हैं। ठगी के अपराध और गिरफ्तारी से बचने के लिए जहर खाने का भी नाटक किया।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1527: इंग्लैंड के तख्त के दावेदार एडवर्ड स्टैफोर्ड को राजद्रोह के आरोप में मौत के घाट उतार दिया गया. 1540: शेरशाह ने हुमायूं को हरदोई की लड़ाई में पराजित किया. 1632: जान जार्ज सेक्सोनी ने प्राग पर कब्जा किया. 1792: न्यूयार्क के शेयर बाजार की स्थापना 24 शेयर दलालों के बीच वाल स्ट्रीट में समझौते के बाद हुई. 1803: ब्रिटेन ने फ्रांस और हालैंड के जहाजों पर प्रतिबंध लगाया. 1844: नार्वे ने स्वीडन से स्वतंत्र होने की घोषणा की और नया संविधान स्वीकार किया. 1857: बहादुरशाह द्वितीय स्वतंत्र भारत के शाहंशाह घोषित हुए. 1940: द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रुसेल्स पर जर्मनी न कब्जा किया. 1946: रोमानिया के युद्धकालीन प्रधानमंत्री मित्री एटोनेस्कू को मौत की सजा सुनाई गयी. 1957: मिस्त्र ने इजरायली जहाजों के स्वेज नहर से गुजरने पर रोक लगायी.

दैनिक पंचांग

17 मई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.09 बजे से
चंद्र	सिंह में	मिथुन	07.11 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	09.25 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.41 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	13.53 बजे से
शुक्र	मेष में	तुला	16.03 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	18.18 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.34 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	22.39 बजे से
राहुकाल		कुंभ	00.26 बजे से
10.30 से		मीन	01.59 बजे से
12.00 बजे तक		मेष	03.29 बजे से

शुक्रवार 2024 वर्ष का 138 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** नवमी 08.49 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 21.18 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 09.21 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 08.49 बजे तदनन्तर तैतिल 22.06 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 08.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 19° 24' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871982 **जूलियन दिन** 2460447.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** जिल्काद **तारीख** 08 **विशेष** विश्व दूरसंचार दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

दुर्गापुर के नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी में राज्यभर के स्टूडेंट्स पढ़ने आते हैं। यहां सिलीगुड़ी और वर्धमान से आए दो छात्र इंस्टीट्यूट के बाहर बैठे मैगी खा रहे हैं। उनमें से एक कहता है, मैं फर्स्ट टाइम वोटर नहीं हूं, लेकिन हमेशा नोटा को चुनता हूं क्योंकि मुझे नहीं लगता की राजनीतिक पार्टियां ईमानदार हैं। इस पॉलिटिकल सिस्टम का विकल्प तो नहीं पता, लेकिन मैं जानता हूं कि यह सिस्टम काम नहीं कर पा रहा। अलीद्वारपुर से यहां पढ़ने आईं ओली घोष कहती हैं कि बंगाल में डर्टी पॉलिटिक्स चल रही है। ध्रुवीकरण और हिंसा है। वोटिंग भी निष्पक्ष नहीं हो रही। उनके दोस्त कुशल सारदा कहते हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष को दबाने की रणनीति चल रही है। असल मुद्दा रोजगार का है। यहां एक के बाद एक प्लांट बंद होने से धीरे-धीरे रोजगार एक आपदा की तरह बनता जा रहा है।

राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई, दिलीप घोष के सामने त्रिकोणीय मुकाबला

इस बार टूटेगा बर्दवान दुर्गापुर का पैटर्न?

पश्चिम बंगाल की बर्धमान दुर्गापुर लोकसभा सीट पर दिलचस्प मुकाबला है। दिलीप घोष राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए लड़ रहे हैं। मेदिनीपुर से पिछली बार वह लोकसभा चुनाव भारी मतों से जीते थे लेकिन इस बार कड़ी टक्कर है। पीएम मोदी भी उनके लिए यहां रैली करने आ चुके हैं।

बर्धमान दुर्गापुर का हाल

बर्दवान – रेलवे स्टेशन से उतरते ही कुछ दूर आगे बढ़ते हुए हलवाई की एक दुकान में सीताभोग और मिहिदाने की झलक बता देती है कि यह बर्दवान है। 1904 में लॉर्ड कर्जन के स्वागत में राजा बिजॉय चंद महताब के घर बनाई गई इन मिठाइयों में इतिहास और राजनीति दोनों का ज़ायका है। दुर्गापुर के नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी में राज्यभर के स्टूडेंट्स पढ़ने आते हैं। यहां सिलीगुड़ी और वर्धमान से आए दो छात्र इंस्टीट्यूट के बाहर बैठे मैगी खा रहे हैं। उनमें से एक कहता है, मैं फर्स्ट टाइम वोटर नहीं हूं, लेकिन हमेशा नोटा को चुनता हूं क्योंकि मुझे नहीं लगता की राजनीतिक पार्टियां ईमानदार हैं। इस पॉलिटिकल सिस्टम का विकल्प तो नहीं पता, लेकिन मैं जानता हूं कि यह सिस्टम काम नहीं कर पा रहा। अलीद्वारपुर से यहां पढ़ने आईं ओली घोष कहती हैं कि बंगाल में डर्टी पॉलिटिक्स चल रही है। ध्रुवीकरण और हिंसा है। वोटिंग भी निष्पक्ष नहीं हो रही। उनके दोस्त कुशल सारदा कहते हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष को दबाने की रणनीति चल रही है। असल मुद्दा रोजगार का है। यहां एक के बाद एक प्लांट बंद होने से धीरे-धीरे रोजगार एक आपदा की तरह बनता जा रहा है।

दुर्गापुर बैराज की ओर किनारे पर बैठे रविंद्र मंडल कहते हैं, एक वक्त था जब यहां बांकुड़ा की ओर से ये बैराज पार कर दुर्गापुर में 8 से 9 हजार लोग फैक्ट्री में काम करने आते थे। अब तो ये संख्या 2-3 हज़ार ही रह गई। एक जमाने में इंडस्ट्रियल हब माने जाने वाले दुर्गापुर में उजड़े कारखाने और प्लांट और वहां काम करने वाले लोगों की रिहाइशों में एक अजीब-सा उजाड़पन है।

पटरी से उतरी हजारों की जिंदगी

माइनिंग एंड अलाइड मशीनरी कॉरपोरेशन यानि एमएएमसी के बंद होने का यहां के लोगों पर क्या असर पड़ा, यह विश्वकर्मा नगर में कपड़ों की सिलाई कर रही कृष्णा सरकार को देखकर समझ आता है। कृष्णा बताती हैं कि उनके ससुर एमएएमसी में स्टाफर थे, लेकिन कारखाना बंद हुआ तो उनके जैसे हजारों लोगों की ज़िंदगी तब पटरी से उखड़ी तो अब तक संभल नहीं पाई है। 2002 में बंद हुए प्लांट के बाद यहां के लोगों को ढंग का कोई रोज़गार मिल नहीं पाया। यही कहानी यहां के हज़ारों लोगों की है। ना काम है और ना ही घर छोड़ सकते हैं।

हर बार अलग पार्टी जीती

बीजेपी ने यहां अपने बड़े नेता दिलीप घोष को उतारा है। टीएमसी से उनके मुकाबले में कीर्ति आज़ाद हैं। यहां कुछ लोग टीएमसी तो कुछ लोग बीजेपी का पलड़ा भारी बताते हैं। 2021 के विधानसभा चुनावों में टीएमसी ने यहां की दुर्गापुर पश्चिम को छोड़कर बाकी सभी क्षेत्रों पर जीत हासिल की थी। इस सीट की खास बात ये है कि यहां लोगों ने साल 2009 के बाद अस्तित्व में आने के बाद से ही पिछले तीन चुनावों में सीपीएम, तृणमूल और बीजेपी उम्मीदवारों को चुनकर दिल्ली भेजा। इस इलाके को पहले वाम दलों का गढ़ माना जाता था लेकिन 2011 में वाम मोर्चा सरकार के हारे जाने के बाद से टीएमसी लगातार यहां पैठ बना रही हैं। हालांकि यहां के दूरदराज के इलाकों में रामनवमी और भगवा झंडे की भारी मौजूदगी भी काफी कुछ कहती है। ट्रेड यूनियनों और आंदोलनों की ऐतिहासिक मौजूदगी की वजह से वाम कांग्रेस गठबंधन की उम्मीदवार सुकृति घोषाल भी एक कड़ी चुनौती माना जा रहा है।

त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा

दिलीप घोष के सामने लड़ाई राजनीतिक अस्तित्व बचाने की है। मेदिनीपुर से पिछली बार भारी मतों से जीतने के बाद उनके लिए यह एक नई चुनौती है। लोगों का कहना है कि यहां दोनों उम्मीदवारों में कड़ी टक्कर है। इस इलाके में मुस्लिम आबादी करीब 20 प्रतिशत फीसदी है। एसटी समुदाय 27 प्रतिशत है। 2019 में बीजेपी के एस. एस. अहलूवालिया ने लगभग 3,000 वोटों के मामूली अंतर से टीएमसी से ये सीट जीत ली थी तो 2009 में सीपीआई (एम) के सैदुल हक ने कांग्रेस समर्थित टीएमसी उम्मीदवार नरगिस बेगम को एक लाख से ज्यादा वोटों से हराया था। 2014 में टीएमसी की मुमताज संघमित्रा ने सीपीएम के हक से यह सीट छीन ली थी। कुल मिलाकर ये बंगाल की उन सीटों में है जहां कड़ा त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा।

कौन हैं टीएमसी के नेता कुणाल घोष

जिनसे ममता बनर्जी ने स्टार कैंपेनर का दर्जा छीन लिया

कुणाल घोष को टीएमसी ने जुलाई 2020 में तृणमूल कांग्रेस का प्रवक्ता बनाया था। इसके बाद एक साल बाद पार्टी ने उन्हें स्टेट जनरल सेक्रेटरी की जिम्मेदारी सौंपी थी। अब पार्टी ने कुणाल घोष को स्टार प्रचारकों की सूची से हटा दिया है। स्टार प्रचारकों की सूची में नाम हटाए जाने पर कुणाल घोष की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। इसमें उन्होंने कहा है कि एक महीने पहले मैंने पार्टी से कहा था कि मुझे मेरे कर्तव्यों से मुक्त कर दिया जाए।

तृणमूल कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों के तीसरे चरण की वोटिंग से पहले पार्टी के पूर्व राज्यसभा सांसद कुणाल घोष को स्टार प्रचारक की सूची से बाहर कर दिया है। घोष ने पार्टी के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि मैंने इसके लिए पार्टी से अनुरोध किया था।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पार्टी के नेता कुणाल घोष को स्टारक प्रचारक का दर्जा छीन लिया है। कुणाल घोष को टीएमसी ने जुलाई 2020 में तृणमूल कांग्रेस का प्रवक्ता बनाया था। इसके बाद एक साल बाद पार्टी ने उन्हें स्टेट जनरल सेक्रेटरी की जिम्मेदारी सौंपी थी। अब पार्टी ने कुणाल घोष को स्टार प्रचारकों की सूची से हटा दिया है। स्टार प्रचारकों की सूची में नाम हटाए जाने पर कुणाल घोष की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। इसमें उन्होंने कहा है कि एक महीने पहले मैंने पार्टी से कहा था कि मुझे मेरे कर्तव्यों से मुक्त कर दिया जाए। मैं भी स्टार प्रचारकों की सूची में था, लेकिन अब नहीं हूं।

घोष बोले, कॉमेडी चल रही है

घोष ने स्टार प्रचारक के पद से हटने के बाद पार्टी की स्थिति पर तंज कसा है। कुणाल घोष ने कहा है कि पार्टी ने नए को मौका दिया है। यह अच्छी बात है। पार्टी को लंबे समय से जानकारी थी कि नौकरी भर्ती मामले में कुछ गड़बड़ है। यही कारण है कि 2021 में पार्थ चटर्जी को शिक्षा विभाग से हटा दिया गया था। अगर पार्टी ने गंभीरता से हस्तक्षेप किया होता बात यह है कि नौकरी चाहने वालों को किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। हम सिस्टम को असहज होने से रोक सकते थे। कुणाल घोष ने कहा कि मैं ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता हूं। मैं पार्टी में चल रहे दृश्यों का आनंद ले रहा हूं, यह एक कॉमेडी फिल्म चल रही है। कुणाल घोष पूर्व में एक कार्यकाल के लिए राज्यसभा के सदस्य भी रह चुके हैं।

पत्रकारिता से राजनीति में आए थे घोष

स्टार प्रचारक से हटाए जाने के बाद घोष ने पार्टी की नीति और फैसलों पर सवाल खड़े किए हैं लेकिन ममता बनर्जी की तारीफ की। 20 जून 1968 को जन्में कुणाल घोष पत्रकारिता को छोड़कर राजनीति में आए थे। घोष ने टीवी चैनल के साथ-साथ कई अखबारों के लिए भी काम किया। घोष बंगाल की पहली निजी समाचार पत्रिका प्रभा के एडीटर भी रहे। 2013 में घोष पर सारदा चिटफंड घोटाले में आरोप लगा था। नवंबर, 2013 में जब उन्हें एसआईटी ने अरेस्ट किया था तो उन्होंने इस मामले में ममता बनर्जी का नाम घसीटा था। उस वक्त पर घोष ने पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने की बात कही थी। घोष ने कथित तौर पर 2.67 करोड़ रुपये लौटा दिए थे। जो उन्होंने सारदा समूह से वेतन के रूप में और विज्ञापनों के लिए अर्जित किए थे। घोष अप्रैल, 2012 से अप्रैल 2018 तक राज्य सभा के सदस्य रहे थे।

मोदी, रामनवमी जुलूस...

नजरूल इस्लाम के गढ़ में बदल गई राजनीति, आसनसोल के चुरुलिया में क्या मिजाज है?

2019 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल के आसनसोल से बीजेपी के बाबुल सुप्रियो जीते थे, जो बाद में टीएमसी में चले गए। आसनसोल में उपचुनाव हुए तो सीट टीएमसी के खाते में चली गई। पटना से चुनाव हारे शत्रुघ्न सिन्हा आसनसोल से चुनाव जीत गए। इस बार के चुनाव में उनका मुकाबला बीजेपी के एस एस अहलुवालिया से है।

(अल्पयू सिंह)

चुरुलिया (पश्चिम बंगाल) आसनसोल के चुरुलिया में विद्रोही कवि कहे जाने वाले नजरुल इस्लाम के घर के बाहर दीवारों पर उनके वो गीत और छंद से पटे पड़े है, जिनमें सांप्रदायिक सद्भाव का दर्शन है, जिस पर वह जीवन भर चले और विद्रोही कवि कहलाए। तीन हजार से ज्यादा गीत और संगीत की रचना करने वाले नजरूल गीति ना सिर्फ बंगाल बल्कि बांग्लादेश के जनमानस का हिस्सा बना। दोनों देशों की सरकारों से सम्मान पाने वाले साहित्यकार ने आसनसोल के इसी छोटे से गांव में धार्मिक सद्भाव से जुड़ा 'साम्यता का गान' का पाठ सीखा था। उनके घर से महज चार कदम की दूरी पर सब्जी बेच रहे मंसूर अली के अनुसार आज भी सद्भाव के साथ रहते हैं। हालांकि कुछ लोग कहते हैं कि दूसरे इलाकों में राजनीतिक पार्टियां ध्रुवीकरण की सीढ़ी चढ़ वोट हासिल करने की कोशिश करती रहती हैं।

टीएमसी और बीजेपी ने सीपीएम के खिलाफ सेटिंग कर रखी है– चुरुलिया के काजीबड़ा मुहल्ले में कुछ लोग धूप से बचते हुए गपशप कर रहे हैं। इनमें से एक शेख फकरूद्दीन एक बदलाव का जिक्र करते हैं। उनका कहना है कि केंद्र में बीजेपी सरकार के आने के बाद से ही यहां रामनवमी को लेकर ज्यादा जुलूस वगैरह देखने को मिल रहा है। इससे पहले यहां हिंदू यहां कालीपूजा, दुर्गापूजा और सरस्वती पूजा करते थे। हाल के वर्षों में रामनवमी का जुलूस भी देखने को मिल रहा है। इसी इलाके में रहने वाले सीमांतों काजी कहते हैं कि अटल बिहारी वाजपेयी के वक्त भी ऐसा कुछ नहीं था। लेकिन अब धर्म की पॉलिटिक्स दिख रही है। उनके साथ बैठे तन्मय काज़ी कहते हैं कि ऐसा लगता है कि ममता बनर्जी और पीएम मोदी के बीच चुनावी सेटिंग है। ये लोग अब सीपीएम को राज्य में घुसने नहीं देंगे। गांव के हिंदू मोहल्लों में राम के पोस्टर और होर्डिंग्स की मौजूदगी गवाही देती है कि रामनवमी को लेकर काफी तैयारी की गई। इसी मुहल्ले के शख्स ने कहा कि पिछले पांच साल से रामनवमी को पहले के मुकाबले भव्य तरीके से मनाया जा रहा है।

मोदी और राम का प्रभाव भी पड़ रहा है चुनाव पर– दरअसल बंगाल में रामनवमी और उसे लेकर होने वाली हिंसा को लेकर टीएमसी और बीजेपी के बीच बीते कई सालों से तनातनी देखने को मिली है। इस राजनीति ने साल 2016 के दौरान जोर पकड़ा जब बीजेपी का राज्य में उभार हो रहा था। यहां के रानीगंज और आसनसोल में रामनवमी के जुलूस को लेकर 2017, 2018 और 2023 में भी हिंसा हुई। रानीगंज के रोनाई में जहां हिंसा 2016 में हिंसा देखी गई। राम मंदिर का असर भी चुरुलिया में काफी है। नाई की दुकान चलाने वाले दिलीप कहते हैं कि मोदी जी का काम अच्छा है, राममंदिर भी बनवाया है। इस बार जुलूस बहुत अच्छे से निकला। धूम धड़ाका से निकला। वहीं साथ लगी दुकान के अमन पंडित भी कहते हैं कि पीएम मोदी यहां लोकप्रिय है। इस इलाके में यहां के उम्मीदवार एस एस आहलुवालिया के पोस्टर में पीएम मोदी के साथ राम मंदिर की भी झलक दिख जाती है।

गैर बंगाली आबादी को रिझाने में जुटी पार्टियां– राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि टीएमसी के पास हिंदुत्व की राजनीति के इस उभार का कोई काट नहीं है क्योंकि धर्मनिरपेक्षता को लेकर उसकी वैचारिक प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठते रहे हैं। माना जाता है कि टीएमसी भी सॉफ्ट हिंदुत्व की रणनीति पर चलती रही है। उसकी वजह यहां की गैर बंगाली आबादी है और बहुसंख्यकों की तादाद 80 फीसदी से ज्यादा है। इसके साथ ही मुस्लिम यहां 10 फीसदी ही हैं। हालांकि यहां एससी और एसटी समुदाय का ब्लॉक वोटिंग का पैटर्न भी रहा है। बर्दवान दुर्गापुर से शिफ्ट किए गए एस एस अहलूवालिया के सामने बिहारी बाबू शत्रुघ्न सिन्हा हैं, जिन्हें गैर बंगाली आबादी के वोटों को ध्यान में रखकर उतारा गया है। चुरुलिया से निकलते वक्त जहन काज़ी नजरुल इस्लाम के चुरुलिया वाले संग्रहालय की एक तस्वीर पर अटक गया। जिसमें हिंदू और मुसलमान एक दूसरे को गले लगा रहे थे। लेकिन राजनीति का मिजाज़ अलग होता है। ये मौजूदा चुनाव के लिए लगे चुनावी पोस्टरों में अलिखित तौर पर पढ़ा जा सकता है।

साहब, बीबी और गैंगस्टर का दौर बिहार में फिर शुरू होगा?

चुनाव में उतरीं बाहुबलियों की पत्नियां जीत पाएंगी क्या चुनाव

देश में चौथे चरण का चुनाव संपन्न हो चुका है। इस चुनाव में बिहार की सीवान और मुंगेर लोकसभा सीटों की काफी चर्चा हो रही है। भी हैं। यहां से बीते जमाने के बाहुबलियों की पत्नियों मैदान में हैं। ये दोनों ही पतियों के नाम पर चुनाव लड़ रही हैं। मुंगेर से गैंगस्टर अशोक महतो की पत्नी अनीता देवी मैदान में हैं। वह राजद के टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं। वहीं, सीवान से मरहूम शहाबुद्दीन की बेवा हिना शेहाब मैदान में हैं। हिना शेहाब आरजेडी के टिकट पर चुनाव लड़ती रहीं। लेकिन उनकी मौत के बाद हिना शहाब ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया है। हिना ने 30 अप्रैल को बतौर निर्दलीय उम्मीदवार नामांकन कर दिया था। आरजेडी ने हिना के बदले पूर्व विधानसभा के अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी को टिकट दिया है। पिछले महीने हिना शेहाब ने राजद पर निशाना साधते हुए कहा था कि जिस पार्टी को साहब ने सींच कर आसमान तक पहुंचाया, उनके नहीं रहने पर उन लोगों ने खुद समेटना शुरू कर दिया। आज वह हमें इग्नोर कर रहे हैं। निर्दलीय उतरने के बाद भी राजद का माय समीकरण हिना के पक्ष में दिख रहा है। उधर नीतीश कुमार ने सीटिंग सांसद कविता सिंह का टिकट काट कर राजपूतों को नाराज कर दिया है। ऐसे में राजपूत समाज का झुकाव हिना की तरफ जाता दिखाई दे रहा है। यह अगर वोट में तब्दील हो जाता है तो सीवान का खेल बदल भी सकता है। सीवान में त्रिकोणीय मुकाबला है मगर मुंगेर में दोनों प्रमुख गठबंधनों में सीधी फाइट है। ये भी उतनी ही रोमांचक नजर आ रही है। यहां राजद ने गैंगस्टर अशोक महतो की पत्नी अनीता देवी को टिकट दिया है। अनीता देवी को अशोक महतो की शादी से पहले कोई नहीं जानता था। ऐसे में हर कोई जानता है कि वे सिर्फ एक उम्मीदवार हैं, चुनाव तो असल में अशोक महतो ही लड़ रहे हैं। यहां पर उनका मुकाबला जेडीयू नेता ललन सिंह से हो रहा है। वो यहां से 2009 और 2019 में जीत चुके हैं। लालू यादव ने अशोक महतो की पत्नी को टिकट देकर अगड़ा बनाम पिछड़ा का खेल खेलना चाहा है। अब देखना होगा कि वे इस खेल को जीत पाते हैं या नहीं।

पेट में पहुंचते ही कमाल दिखाएगी अजवाइन

हमारी रसोई के अंदर कितने मसाले मौजूद हैं। जिन्हें खाने को टेस्टी बनाने के लिए डाला जाता है। मगर क्या आप ने सोचा है कि सही तरीके से अगर इन मसालों का उपयोग किया जाए तो ये दवा बन सकते हैं। आयुर्वेद में इन्हें जड़ी-बूटी की तरह बताया गया है।

आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताया कि अजवाइन को यवानी कहा जाता है, जिससे 11 बीमारियों का नाश किया जा सकता है। लेकिन इसे इस्तेमाल करने का सही तरीका आपको जरूर मालूम होना चाहिए। आइए जानते हैं कि अजवाइन के पत्तों या बीजों को दवा कैसे बना सकते हैं?

अजवाइन के बेहतरीन फायदे

- पाचन तंत्र तेज करता है
- भूख और स्वाद बढ़ाता है
- ब्लोटिंग और स्टमक क्रैम्प का इलाज
- पेट के कोलिक पेन से राहत
- पेट में पानी भरने पर असरदार
- पेट के कीड़े मारता है
- टॉक्सिन निकालता है
- खांसी में कारगर
- पीरियड्स के दर्द से राहत
- हाइपरटेंशन से राहत
- वात-कफ दोष में संतुलन लाता है

अजवाइन का पहला उपयोग

- बंद नाक, साइनस, कोल्ड-फ्लू के लिए अजवाइन की भाप ले सकते हैं।
- अजवाइन की कुछ पत्तियां, 1 चम्मच अजवाइन के बीज का तेल उबलते पानी में डालें।
- फिर सिर पर तौलिया रखकर इसकी भाप लें।
- दिन में 2 से 3 बार स्टीम लें।
- इससे फेफड़े खुल जाते हैं और सूजन कम होती है।

अजवाइन का दूसरा इस्तेमाल

- पेट की समस्या, ब्लोटिंग, भारीपन, कमजोर पाचन में इसका काढ़ा पीएं।
- 1 चम्मच अजवाइन के बीज लें।
- इसे 1 गिलास पानी में डालकर उबाल लें।
- फिर इस मिक्सचर को छानकर घूंट-घूंट करके पीएं।
- लेकिन इसे रोजाना ना करें और दिक्कत होने पर ही पीएं।

मोल्ड टॉक्सिसिटी क्या है? जानें सेहत के लिए यह कैसे है खतरनाक

घरों में नमी के कारण दीवार पर फंगस जमा हो जाते हैं, इसके कारण होने वाली समस्याओं को मोल्ड टॉक्सिसिटी कहते हैं।

हाइजीन की कमी, बैक्टीरिया और फंगस की वजह से शरीर बीमारियों की चपेट में आ सकता है। घरों में सफाई न होने, नमी या सीलन बनी रहने के कारण भी आप फंगस के संपर्क में या सकते हैं। इसकी वजह से कई गंभीर समस्याओं का खतरा भी रहता है। अक्सर घर के किचन, बाथरूम, सिंक आदि के पास दीवार में नमी हो जाती है। इसकी वजह से दीवार पर सफेद या गहरे रंग के झाग जैसे फाहे जम जाते हैं। यह एक तरह का नुकसानदायक कवक और बैक्टीरिया होता है, जिसकी वजह से गंभीर समस्याओं का खतरा रहता है। इसी को मोल्ड टॉक्सिसिटी कहते हैं।

मोल्ड टॉक्सिसिटी के लक्षण

मोल्ड एक प्रकार का कवक होता है जो सतहों पर विकसित होता है, जैसे कि फसल, कागज, दीवार या जमीन। यह आमतौर पर गर्म और आर्द्र के कारण होता है और इसकी वजह से कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं। मोल्ड के संपर्क में आने से कई तरह की एलर्जी और इन्फेक्शन का खतरा रहता है। इसकी वजह से नाक, कान और गले में गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। मोल्ड टॉक्सिसिटी के कुछ प्रमुख लक्षण इस तरह से हैं-

सांस लेने में दिक्कत

यह एक सामान्य लक्षण है जो मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर दिखता है। व्यक्ति को आसानी से सांस लेने में कठिनाई हो सकती है और सांस लेने के दौरान गले में खराश या कफ भी हो सकता है।

नाक से जुड़ी दिक्कतें

जलवायु और वायरल संक्रमण की तरह, मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर भी नायक से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसमें नाक में खुजली, जलन, और बंद नाक शामिल हो सकते हैं।

स्किन से जुड़ी समस्याएं

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण व्यक्ति को स्किन पर छाले, चकत्ते, खुजली, दानें आदि हो सकते हैं।

पेट से जुड़ी समस्या

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण पेट में दर्द, अपच और बदहजमी जैसी समस्याओं का खतरा भी रहता है।

रिस्क फैक्टर

मोल्ड टॉक्सिसिटी के कारण मरीज को इन गंभीर खतरों का सामना करना पड़ सकता है-

एलर्जिक रिएक्शन

बहुत से लोग मोल्ड टॉक्सिसिटी होने पर एलर्जिक रिएक्शन का सामना कर सकते हैं, जो नाक, गला, और आंतरिक सिस्टम में खराबी का कारण बनता है।

अस्थमा

मोल्ड टॉक्सिसिटी वाले व्यक्तियों में अस्थमा का खतरा बढ़ सकता है, जिसमें सांस लेने में कठिनाई और सांस लेने की क्षमता में कमी होती है।

फेफड़ों से जुड़ी समस्या

मोल्ड टॉक्सिसिटी अगर लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसकी वजह से फेफड़ों से जुड़ी गंभीर समस्याओं का खतरा रहता है।

मानसिक समस्याएं

लंबे समय तक के मोल्ड एक्सपोजर के बाद, व्यक्ति में चिंता, डिप्रेशन, या अन्य मानसिक समस्याएं भी हो सकती हैं।

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचाव

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचाव के लिए आपको इन चीजों का ध्यान रखना चाहिए-

- घर में साफ-सफाई रखें
- सीलन वाली जगहों का विशेष ध्यान दें
- नमी दूर करने के लिए धूप और हवा आने की व्यवस्था करें
- नियमित रूप से दीवारों और घर की सफाई करें

मोल्ड टॉक्सिसिटी से बचने के लिए हाइजीन का ध्यान रखना चाहिए। साफ-सफाई और नमी को दूर करने से आप मोल्ड टॉक्सिसिटी का शिकार होने से बच सकते हैं। मोल्ड टॉक्सिसिटी के लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय डॉक्टर से संपर्क करें।

क्या गर्मियों में काली मिर्च का पानी पी सकते हैं?

अधिकतर भारतीय घरों में काली मिर्च का उपयोग मसाले के रूप में किया जाता है। काली मिर्च खाने को स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाती है। इसके अलावा, काली मिर्च का उपयोग लोग काढ़े के लिए भी करते हैं। आपको बता दें कि काली मिर्च की तासीर बेहद गर्म होती है। इसलिए अधिकतर लोग गर्मियों में काली मिर्च का अधिक मात्रा में सेवन करने से परहेज करते हैं। क्या गर्मियों में काली मिर्च का पानी पी सकते हैं?

काली मिर्च की तासीर बेहद गर्म होती है। इसलिए आपको काली मिर्च का पानी पीने से बचना चाहिए। वैसे तो किसी भी मौसम में काली मिर्च का पानी नहीं पीना चाहिए। लेकिन गर्मियों में तो काली मिर्च के पानी से पूरी तरह परहेज करना चाहिए। गर्मियों में काली मिर्च का पानी पीने से शरीर में गर्मी बढ़ सकती है। यह कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण भी बन सकता है। यानी काली मिर्च का पानी सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। इसका सीधे तौर पर सेवन करने से बचना चाहिए।

गर्मियों में काली मिर्च का सेवन कैसे करें?

गर्मियों में काली मिर्च का सेवन सीधे तौर पर या अधिक मात्रा में बिल्कुल नहीं करना चाहिए। आप काली मिर्च के पाउडर को किसी पेय पदार्थ के साथ ले सकते हैं। आपको बता दें कि आप काली मिर्च को खीरा, पुदीना, नींबू या सत्तू के पानी के साथ मिलाकर ले सकते हैं। इसके लिए आप काली मिर्च का पाउडर बनाएं। इसे पेय पदार्थ में मिक्स करें और पी लें। इस तरह से काली मिर्च का सेवन करने से शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है। इससे शरीर को एनर्जी मिलेगी और गर्मी भी नहीं बढ़ेगी।

गर्मियों में काली मिर्च खाने के नुकसान

- गर्मियों में काली मिर्च का सेवन करने से पेट में गर्मी बढ़ सकती है।
- काली मिर्च पेट में जलन या दर्द का कारण बन सकती है।
- इसके अलावा, अगर गर्मियों में काली मिर्च का सेवन किया जाए, तो इससे एसिडिटी या सीने में जलन भी हो सकती है।
- काली मिर्च का अधिक मात्रा में सेवन करने से त्वचा पर मुंहासे निकल सकते हैं।
- इससे त्वचा पर खुजली और रेडनेस की समस्या भी हो सकती है।
- आपको भी गर्मियों में काली मिर्च का सेवन सीधे तौर पर नहीं करना चाहिए। आप किसी पेय पदार्थ के साथ काली मिर्च का पाउडर ले सकते हैं।

हार्ट अटैक, स्ट्रोक का जोखिम बढ़ाता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल एक तेजी से बढ़ती समस्या बनता जा रहा है। यह खून में जमा होने वाला एक चिपचिपा पदार्थ होता है, जिसका लेवल बढ़ने से खून की नसों में ब्लॉकेज आ सकती है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का नुकसान यह है कि यह ब्लड फ्लो को धीमा या रोक सकता है जिससे आपको हार्ट अटैक, स्ट्रोक, दिल के रोग या नसों के रोग होने का जोखिम बढ़ सकता है।

अगर बात करें कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षणों की तो कई बार इसके लक्षणों का पता नहीं चल पाता है और जब पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। वैसे हाई कोलेस्ट्रॉल के कुछ लक्षण हैं, जो आपको अपनी आंखों में नजर आ सकते हैं। अगर आपको आंखों से जुड़ी कुछ समस्या महसूस होती है, तो आपको उनकी जांच के साथ कोलेस्ट्रॉल का भी टेस्ट कराना चाहिए।

जलन और बेचैनी होना

यदि आपके आंखों में अक्सर जलन, खुजली या बेचैनी महसूस होती है, तो यह हाई कोलेस्ट्रॉल का एक संकेत हो सकता है। हाई कोलेस्ट्रॉल से खून में धीरे-धीरे खराब फैट की मात्रा बढ़ती है, जिससे आंखों की सतह पर जलन या खुजली का अहसास हो सकता है।

आंखों में सूखापन रहना

हाई कोलेस्ट्रॉल की वजह से आंखों की सतह आपको कई लक्षण महसूस हो सकते हैं, जैसे आंखों में सूखापन रहना या आंखों का कमजोर होना। यह समस्याएं आंखों की सूजन, खुजली, और पानी आने के कारण हो सकती हैं।

आंखों के पास गांठ बनना

अगर आपकी आंखों के आस-पास किसी भी स्थान पर गांठें हैं, तो यह भी हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण हो सकते हैं। वास्तव में हाई कोलेस्टेरॉल से फैट से बनता है और फैट आपकी आंखों के आसपास गांठों के रूप में दिख सकता है। इनके अलावा अगर आपकी आंखों की पुतली में रंग का बदलाव या अंधापन महसूस होता है, तो यह कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का एक लक्षण है।

कैसे कम करें कोलेस्ट्रॉल

इसके लिए आपको डाइट और एक्सरसाइज का खास ध्यान रखना चाहिए। कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए आप प्रोटीन डाइट की हेल्प ले सकते हैं। प्रोटीन से भरपूर चीजों के सेवन से आपको कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिल सकती है। चलिए जानते हैं अप किन-किन चीजों का सेवन करना चाहिए।

- प्रोटीन रिच फूड्स कम करेंगे बैड कोलेस्ट्रॉल
- दाल और बीन्स- मूंग दाल, तूर दाल, चना दाल, मसूर दाल
- मछली- सार्डिन मछली, मैकरेल फिश, सालमन फिश, ट्राउट फिश
- मांस- चिकन (स्किन निकालकर) और टर्की
- अंडे- अंडे का सिर्फ सफेद हिस्सा
- दही और पनीर- पनीर (लो फैट या स्किम पनीर) और ग्रीक योगर्ट (सुखा योगर्ट)
- ड्राई फ्रूट्स- काजू, बादाम
- सोया प्रोडक्ट्स- टोफू और सोया मिल्क
- अनाज और अनाजवाले उत्पाद- ओट्स, ब्राउन राइस, ब्राउन ब्रेडम किनुआ

संक्षिप्त समाचार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के ब्रोकर ने पूछा टैक्स पर सवाल

- उसने कहा कि हमारी पूरी कमाई टैक्स के रूप में ले रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए उस समय अजीब स्थिति पैदा हो गई जब एक कार्यक्रम में एक ब्रोकर ने स्टॉक मार्केट ब्रोकर्स और रियल एस्टेट ट्रांजैक्शन पर भारी टैक्स लगाने को लेकर एक पूछ लिया। बीएसई के एक कार्यक्रम में ब्रोकर ने फाइनेंस मिनिस्टर

से पूछा कि ब्रोकर अपना सबकुछ दांव पर लगाकर जोखिम उठा रहे हैं लेकिन उसका सारा फायदा सरकार को मिल रहा है। आप हमारे स्लीपिंग पार्टनर हैं और मैं अपना पैसा, जोखिम, स्टाफ और सबकुछ लगाकर वर्किंग पार्टनर हैं। इस सवाल के जवाब को फाइनेंस मिनिस्टर ने मजाकिया अंदाज में टाल दिया।

ब्रोकर ने वित्त मंत्री से सवाल किया कि उनके जोखिम और निवेश के बावजूद सरकार ब्रोकर्स से ज्यादा पैसा कमा रही है। ब्रोकर्स को जीएसटी, आईजीएसटी, स्टांप ड्यूटीस सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स और लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स देना पड़ता है। उन्होंने कहा, आज भारत सरकार एक ब्रोकर से ज्यादा पैसा कमा रही है। मैं सबकुछ निवेश कर रहा हूं, मैं भारी जोखिम उठा रहा हूं और भारत सरकार मेरा पूरा मुनाफा अपने हिस्से में ले जा रही है। आप मेरे स्लीपिंग पार्टनर हैं और मैं अपने फाइनेंस, रिस्क, स्टाफ के साथ वर्किंग पार्टनर हैं।

बिजली उत्पादन में घटी कोयले की खपत, 64 साल में पहली बार 50 फीसदी से नीचे आई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी 64 साल में पहली बार घटकर 2024 की पहली तिमाही में 50 फीसदी से नीचे आ गई है। 1960 के दशक के बाद ऐसा पहली बार हुआ है। जलवायु परिवर्तन के दौर में ये अच्छे संकेत हैं। इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस की पावरअप पर नवीनतम तिमाही रिपोर्ट में यह

खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक, जनवरी-मार्च में देश की बिजली उत्पादन क्षमता में जोड़ी गई रिकॉर्ड 13,669 मेगावाट (मेगावाट) बिजली में नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा 71.5 फीसदी रहा। इसी के साथ भारत 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा का चलन बढ़ाकर 50 फीसदी से अधिक ले जाने के लक्ष्य से आगे निकल गया है। भारत 2030 तक ऊर्जा की नवीकरणीय क्षमता को तीन गुना करने का लक्ष्य रखने वाले कुछ देशों में से एक है। वहीं, बिजली उत्पादन क्षमता में कोयले की हिस्सेदारी में गिरावट एक वैश्विक चलन भी दिखाती है।

संतुष्ट न होने पर 10 में से नौ ठुकरा देते हैं नौकरी

युवाओं को आर्थिक हालात में सुधार की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में मिलेनियल्स व जेन जी अर्थव्यवस्था और सामाजिक हालात को लेकर आशावादी हैं। ज्यादातर युवाओं को उम्मीद है कि उनके देश के आर्थिक व सामाजिक हालात में आगे चलकर सुधार होगा। मिलेनियल्स यानी 1983 से 1994 के बीच पैदा हुए लोग और जेन जी 1995 से 2005 के बीच पैदा हुए लोग दुनिया के श्रम बल का सबसे अहम हिस्सा हैं।

डेलॉइट की सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों पीढ़ियों के 10 में से नौ लोग नौकरी की संतुष्टि को अहम मानते हैं और वे ऐसी नौकरियों के प्रस्तावों को ठुकराने को तैयार रहते हैं, जो उनकी नैतिकता और मान्यताओं के अनुरूप नहीं होती हैं। संर्वेक्षण में 44 देशों के 22,800 से अधिक जेन जी और मिलेनियल को शामिल किया गया। 24 नवंबर, 2023 से 13 फरवरी, 2024 के बीच किए गए इस

सर्वे का लक्ष्य यह पता लगाना था कि दोनों पीढ़ियां अपने आसपास की दुनिया में होने वाले बदलावों को कैसे समझती हैं। डेलॉइट इंडिया की चीफ पीपल एंड एक्सपीरिएंस अधिकारी दीप्ति सागर कहती हैं कि दोनों पीढ़ियां दुनिया में बदलाव के वाहक हैं। खासतौर पर जेनएआई को लेकर उत्साहित हैं और मानते हैं कि नई तकनीक उनके कार्य-जीवन संतुलन पर सकारात्मक प्रभाव डालेगी।

शहरी बेरोजगारी मार्च तिमाही में घटकर 6.7 फीसदी, महिलाओं की बेरोजगारी दर में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में शहरी बेरोजगारी दर मार्च तिमाही में मामूली घटकर 6.7 फीसदी पर आ गई है। एक साल पहले समान अवधि में यह 6.8 फीसदी थी। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए शहरी बेरोजगारी पिछले साल अप्रैल-जून और जुलाई-सितंबर में 6.6 फीसदी थी। अक्तूबर-दिसंबर में यह 6.5 फीसदी थी। एनएसओ की ओर से बुधवार को जारी 22वें पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वे के मुताबिक, शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के बीच बेरोजगारी दर इस साल जनवरी-मार्च में घटकर 8.5 प्रतिशत हो गई। एक साल पहले इसी तिमाही में यह दर 9.2 प्रतिशत थी। अप्रैल-जून 2023 में यह 9.1 फीसदी, जुलाई-सितंबर 2023 में 8.6 फीसदी और अक्तूबर-दिसंबर 2023 में 8.6 फीसदी थी।

पुरुषों में बढ़कर 6.1 फीसदी

शहरी पुरुषों में बेरोजगारी दर इस साल जनवरी-मार्च में बढ़कर 6.1 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई।?एक साल पहले की अवधि में 6 प्रतिशत थी। अप्रैल-जून 2023 में यह 5.9 फीसदी, जुलाई-सितंबर 2023 में 6 फीसदी और अक्तूबर-दिसंबर 2023 में 5.8 फीसदी थी। शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में श्रम बल भागीदारी दर 2024 की जनवरी-मार्च तिमाही में बढ़कर 50.2 प्रतिशत हो गई। एक साल पहले इसी अवधि में 48.5 प्रतिशत थी।

सोने-चांदी की कीमतों ने लगाई छलांग

87000 के पार पहुंचे चांदी के भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार तीसरे दिन सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। चांदी के वायदा भाव तो आज सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए। खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 73,211 रुपए के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 87,316 रुपए के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव में सुस्ती, जबकि चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है।

सोने की कीमत

सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट आज 26 रुपए की तेजी के साथ 73,128 रुपए के भाव पर खुला। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 73,211 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 73,211 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 73,047 रुपए के भाव पर दिन का निचला

स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 73,958 रुपए के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

चांदी के वायदा भाव 87 हजार पार- चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी आज तेज रही और इसके भाव अब तक के उच्च स्तर पर पहुंच गए। MCX पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रैक्ट आज 98 रुपए की तेजी के साथ 86,963 रुपए पर खुला।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना सुस्त, चांदी तेज- अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। Come& पर सोना 2,391.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,394.90 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 1.70 डॉलर की गिरावट के साथ 2,393.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। Come& पर चांदी के वायदा भाव 29.90 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 29.72 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.08 डॉलर की तेजी के साथ 28.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सिग्नेचर ग्लोबल का चालू वित्त वर्ष में 10,000 करोड़ रुपए के मकान बेचने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 10,000 करोड़ रुपए की आवासीय संपत्तियां बेचने का लक्ष्य है। यह पिछले वित्त वर्ष से 38 प्रतिशत अधिक है। कंपनी को चालू वित्त वर्ष में आवासीय संपत्तियों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। उसने अपनी निवेशक प्रस्तुति में चालू वित्त वर्ष में बिक्री बुकिंग के लिए 10,000 करोड़ रुपए का मार्गदर्शन दिया है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की बिक्री बुकिंग बढ़कर 7,268 करोड़ रुपए हो गई थी। सिग्नेचर ग्लोबल के चेयरमैन प्रदीप कुमार अग्रवाल ने कहा, ''वित्त वर्ष 2023-24 हमारी कंपनी के लिए महत्वपूर्ण रहा...वित्त वर्ष 2024-25 में आगे बढ़ते हुए हमारा ध्यान जोखिम कम करने और सभी हितधारकों के लिए स्थायी लाभप्रदता तथा दीर्घकालिक मूल्य सुनिश्चित करने के अवसरों के निर्माण पर होगा। सिग्नेचर ग्लोबल दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है।

सरकार दयालुतापूर्ण पूंजीवाद को अपनाए

नारायणमूर्ति बोले- बेहतर शैक्षणिक संस्थानों के लिए फंडिंग बढ़ाना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटी उद्योग के दिग्गज एनआर नारायणमूर्ति और क्रिस गोपालकृष्णन को उम्मीद है कि आगामी सरकार ईमानदार उद्यमियों को खुली छूट देगी और देश के लिए धन सृजन में तेजी लाने में किसी भी बाधा को दूर करेगी। इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायणमूर्ति ने इकोनॉमिक टाइम्स से कहा कि वे चाहते हैं कि नई सरकार दयालुतापूर्ण पूंजीवाद को अपनाए क्योंकि अतीत में समाजवादी और कम्युनिस्ट व्यवस्था ने संतोषजनक परिणाम नहीं दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 99 प्रतिशत ईमानदार उद्यमियों को तेजी से आगे बढ़ने और देश में बहुत सारी नौकरियां पैदा करने के लिए मदद दी जानी चाहिए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को दंडित किया जाना चाहिए। आईटी क्षेत्र के दोनों दिग्गजों ने निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों की ओर से देश में अनुसंधान और उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए फंडिंग बढ़ाने का भी समर्थन किया। ईटी से बातचीत में एक्सिलर वेंचर्स के चेयरमैन कृष गोपालाकृष्णन ने कहा कि हमें प्राइवेट और पब्लिक दोनों तरह के रिसर्च के लिए फंडिंग बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा,

अमेरिकी विश्वविद्यालयों- एमआईटी, हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, आदि को देखें- उन्हें अरबों डॉलर की फंडिंग मिलती है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि हमारे पूर्व छात्र हमारे संस्थानों में अधिक योगदान देंगे। उन्होंने आगे कहा कि हमारे के संस्थान मुख्य रूप से सरकारी फंडिंग पर निर्भर करते हैं। मैं इस मामले में उद्योग जगत की अधिक भागीदारी देखना चाहता हूं। नारायणमूर्ति ने उनसे सहमति जताई और कहा कि अकादमिक संस्थानों में कुछ चीजों को बदलने की जरूरत है जबकि कॉरपोरेट जगत में पहले से ही काफी नवाचार हो रहा है। उन्होंने कहा, यदि कोई युवा उद्यमी किसी नए विचार पर काम शुरू करता है, तो हमें यह नहीं मानना चाहिए कि वे सभी विफल हो जाएंगे। एक बार जब सरकार नए विचारों, नए आइडियाज पर ध्यान देना शुरू कर देगी, तो चीजें बदलेंगी। उन्होंने कहा, एक बार जब कंपनी कुछ वृद्धि हासिल कर लेती है तो उन्हें (जिन संस्थानों को शेयर दिए गए थे) लाभांश मिलेगा, जो अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण होगा और उनका मूल्य बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को भी देखना होगा कि अब से 20 या 50 साल बाद हमारा भविष्य क्या होगा।

नौ साल में कृषि क्षेत्र का बजट 300 फीसदी बढ़ा

स्टार्टअप की संख्या कई गुना बढ़कर 7,000 पार

नई दिल्ली, एजेंसी। कारोबार के अनुकूल माहौल और सरकार के समर्थन से पिछले नौ साल में कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों में स्टार्टअप की संख्या कई गुना बढ़कर 7,000 से अधिक हो गई है। 2014-15 से पहले इनकी संख्या 50 से कम थी। नौ वर्षों की इस अवधि में कृषि के लिए बजट आवंटन में भी 300 फीसदी का उछाल आया है।

यह 30,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.3 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया फार्मर एसोसिएशंस (एफएआईएफए) की बुधवार को जारी भारत के कृषि परिवर्तन शीर्षक वाली रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार का एक दशक लंबा प्रयास सराहनीय है। इसमें व्यापक दृष्टिकोण को स्वीकार किया गया है, जिससे कृषि क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है।?

इन योजनाओं से किसानों की स्थिति में आया सुधार - रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ने किसानों की स्थिति बदलने में अहम भूमिका निभाई है। इन योजनाओं की मदद से किसानों की वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। जैविक खेती को बढ़ावा देने, महिला किसानों को सशक्त बनाने, बुनियादी ढांचा मजबूत करने एवं सेवाओं को डिजिटल बनाने के लिए?सरकार ने रणनीति बनाई है।

अब श्रीलंका में भी कर सकेंगे यूपीआई से पेमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। डिजिटल दुनिया में भारत लगातार बेहतर कर रहा है। मनी ट्रांजेक्शन हो या पेमेंट सब आसान हो गया है। इसमें सबसे बड़ा योगदान यूपीआई पेमेंट सर्विस का है इस सर्विस को लोगों के बीच पॉपुलर बनाने में फोनपे और गूगलपे जैसी कंपनियों के साथ-साथ पेटीएम ने भी बहुत काम किया। इसी में से अब फोनपे ने अपने ग्राहकों के लिए नई सर्विस शुरू की है, जिसकी मदद से श्रीलंका जाने वाले भारतीय भी फोनपे ऐप की मदद से आसानी से यूपीआई पेमेंट कर पाएंगे। फोनपे ने बुधवार को लंकापे के साथ साझेदारी करने का ऐलान किया है। इससे कंपनी के यूजर्स को श्रीलंका में यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) पेमेंट करने की सुविधा मिलेगी। श्रीलंका की यात्रा करने वाले सैलानियों को ये बहुत फायदा देगा। वो आसानी से फोनपे के जरिए लंकापे के क्यूआर कोड को स्कैन करके यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे।

अडानी एनर्जी ने 1,900 करोड़ रुपए में एस्सार ट्रांसको का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस (पहले अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) ने एस्सार ट्रांसको लिमिटेड (ईटीएल) के 100 प्रतिशत इक्विटी शेयरों के अधिग्रहण को पूरा कर लिया है। कंपनी ने जानकारी दी कि अधिग्रहण 15 मई को पूरा हुआ।

कंपनी ने जारी किया बयान

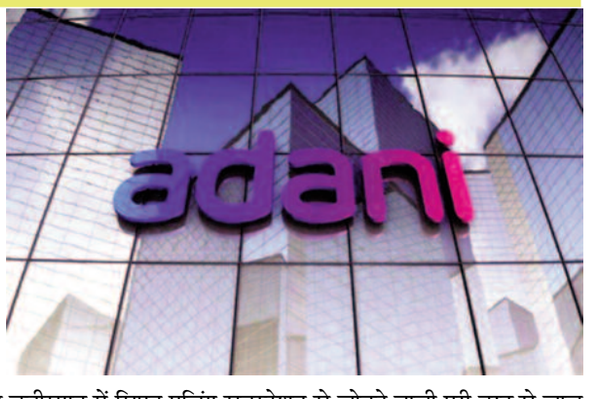

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के बयान के अनुसार, शेयर अधिग्रहण जून 2022 में हस्ताक्षरित निश्चित समझौतों के तहत हुआ। बयान में कहा गया, ''अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने 1,900 करोड़ रुपए के एंटरप्राइज वैल्यू के लिए आवश्यक नियामक तथा अन्य अनुमोदन हासिल करने के बाद एस्सार ट्रांसको लिमिटेड में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली। इस अधिग्रहण में मध्य प्रदेश में महान को छत्तीसगढ़ में सिपत पूलिंग सबस्टेशन से जोड़ने वाली पूरी तरह से चालू 400 केवी, 673 सर्किट किलोमीटर अंतर-राज्य 'ट्रांसमिशन लाइन' शामिल है।'' यह प्रोजेक्ट केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग विनियमित रिटर्न ढांचे के तहत संचालित होती है और 22 सितंबर 2018 को शुरू की गई थी। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अडानी ट्रांसमिशन स्टेप टू लिमिटेड ने 1,900 करोड़ रुपए में एस्सार ट्रांसको लिमिटेड में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है। महान-सीपत ट्रांसमिशन नेटवर्क के अधिग्रहण से मध्य भारत में 3,373 सर्किट किलोमीटर की चार परिचालन परिसंपत्तियों के साथ एईएसएल की उपस्थिति मजबूत होगी।

संक्षिप्त समाचार

● पेरिस ओलंपिक ट्रायल्स को लेकर

विनेश फोगाट ने खेल मंत्रालय और डब्ल्यूएफआई से लगाई ये गुहार

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक के लिए केवल तीन महीने बचे हैं ऐसे में स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने खेल मंत्रालय और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से ट्रायल का स्थान और प्रारूप, इसका समय, तारीख की घोषणा करने का आग्रह किया है। महिला पहलवानों के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के विरोध प्रदर्शन में अहम रहीं विनेश ने पिछले महीने बिश्केक में 50 किग्रा ओलंपिक कोटा जीता था, लेकिन नियमों के अनुसार अंतिम टीम की घोषणा से पहले उन्हें ट्रायल से गुजरना होगा।

अब तक पांच भारतीय महिलाओं ने पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई किया है और केवल एक पुरुष पहलवान अमन सहरावत को ही वैश्विक प्रतियोगिता का टिकट मिला है। विनेश ने एक्स पर लिखा, ''पेरिस ओलंपिक में केवल तीन महीने रह गये हैं, इसके बावजूद भारतीय कुश्ती महासंघ ने अभी तक आधिकारिक ट्रायल की तारीख, समय और स्थान सहित प्रारूप की घोषणा नहीं की है।'' उन्होंने कहा, ''यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि सभी महासंघों ने दिसंबर 2023 में या जनवरी 2024 में क्वालीफिकेशन और स्पष्ट प्रारूप की घोषणा कर दी थी।

उन्होंने कहा, ''मैं खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण, आईओए, भारतीय कुश्ती महासंघ से अनुरोध करती हूं कि वे इस मामले को प्राथमिकता दें और तुरंत आधिकारिक तौर पर ट्रायल की तारीख, समय, स्थान और सटीक प्रारूप की घोषणा करें।

और कुछ दिनों तक दिखाई नहीं दूंगा...

विराट कोहली ने संन्यास को लेकर दिया बड़ा बयान

नईदिल्ली, एजेंसी। इस बार के आईपीएल सीजन में रॉयल चैंलेजर्स बेंगुलरु के स्टार बल्लेबाज और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली काफी कमाल के फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वहीं बात करें आरसीबी की तो अभी भी उनकी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें नजर आ रही हैं। इन सब के बीच विराट कोहली को लेकर एक बड़ा बयान सामने आया है। आरसीबी द्वारा एक पोडकास्ट में कोहली ने अपने करियर से जुड़े कई सवालों के जबाव दिए, जिसमें उन्होंने अपने क्रिकेट संन्यास को लेकर भी बात की। इसके साथ ही कोहली के टी20 विश्व कप की टीम में चयन को लेकर भी कई सवाल खड़े हुए थे जिसका जवाब उन्होंने दिया। संन्यास को लेकर कोहली ने कहा, हर खिलाड़ी के जीवन में एक समय आता है जब उन्हें संन्यास लेने का फैसला करना पड़ता है, लेकिन मैं अभी उस समय पर नहीं हूं। मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहता जिससे मुझे बाद में पछतावा हो।÷ इसके बारे में मुझे पूरा भरोसा है मैं ऐसा नही करुंगा। कोहली ने आगे कहा की जब मेरा यहां पर काम पूरा हो जाएगा तो मैं चला जाउंगा और कुछ दिनों तक दिखाई नहीं दूंगा। कोहली ने कहा मैं जबतक खेलना जारी रखूंगा तब तक अपना बेस्ट देता रहूंगा।

आईपीएल के बारे में भी की बात

इसके अलावा, कोहली ने आईपीएल सीजन के बारे में भी बात की और कहा कि वह अपने बल्ले से प्रदर्शन कर रहे हैं और हर मैच में अपने टीम के लिए योगदान दे रहे हैं। विराट कोहली ने इस सीजन में 13 मैचों में 661 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 155.16 है। इसके अलावा उन्होंने ऑरेंज कैप पर भी अपना कब्जा किया है। विराट ने इस सीजन हर मैच में अपने बल्ले से विपक्षी टीम के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की है। वे टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं अगर उन्होंने अपनी फॉर्म को बनाए रखा।

संधू एफसी, सेंट जॉन्स, हिमालयन एफसी और मारुति एफसी का जीत से आगाज

चंडीगढ़, एजेंसी। अंडर-13 और अंडर-15 चंडीगढ़ यूथ लीग की शुरुआत सेक्टर-46 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के फुटबॉल ग्राउंड पर हो गई। चंडीगढ़ फुटबॉल एसोसिएशन (सीएफए) के प्रेसिडेंट केपी सिंह ने इसका आगाज किया और संधू एफसी, सेंट जॉन्स, हिमालयन एफसी, मारुति एफसी ने पहले दिन जीत दर्ज की। अंडर-15 कैटेगरी के पहले मैच में संधू एफसी ने स्पेलविला एफसी को 6-1 से हराया। वंश ने तीसरे, 50वें और 58वें मिनट में तीन गोल किए।

सार्थक ने 8वें, अर्शबीर ने 21वें और अबिहल सिंह ने 56वें मिनट में 1-1 गोल किया। दिन के दूसरे मैच में सेंट जॉन्स स्कूल ने सैफरों एफसी को 4-3 से मात दी। विजेता टीम की ओर से रिषित ने छठे, करण ने 18वें, लक्ष्य ने 36वें और कर्ण ने 51वें मिनट में गोल किए। सैफरों के लिए रणविजय ने 23वें, कुनाल ने 49वें और विवान ने 53वें मिनट में गोल दागा। अंडर-15 के तीसरे मैच में मारुति एफसी ने रॉयल एफसी को 11-3 से हराया। विजेता टीम के लिए प्रत्यक्ष ने चौथे, 7वें, 10वें, 14वें, 19वें, 23वें, 26वें और 51वें मिनट में 8 गोल किए। गर्व ने 28वें और 37वें मिनट में दो, जबकि इशान ने 29वें मिनट में गोल किया। रॉयल एफसी के लिए बलजोत ने 12वें और 35वें मिनट में दो गोल दागे, जबकि निखिल ने 47वें मिनट में एक गोल किया। कैटेगरी के चौथे मैच में द हिमालयन एफसी ने बनयन ट्री स्कूल को 6-2 से हराया। हिमालयन एफसी के लिए सत्यम ने 31वें, प्रिंस ने 32वें, आदित्य ने 36वें, हर्ष ने 40वें, रायल ने 45वें और अयान ने 50वें मिनट में 1-1 गोल किया। बनयन ट्री की ओर से रिदम्ब ने 37वें और युवराज ने 45वें मिनट में 1-1 गोल दागा। अंडर-13 बॉयज कैटेगरी के पहले सेंट जॉन्स ने संधू एफसी को 3-1 से हराया। अर्णव ने 35वें और 48वें मिनट में दो गोल किए, जबकि आदित्य ने 9वें मिनट में एक गोल किया। संधू एफसी के लिए अयान ने 8वें मिनट में एक गोल दागा।

थ्रो के बारे में बात नहीं करते हैं

स्वर्ण पदक जीतने के बावजूद खुश नहीं हैं नीरज

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर स्वर्ण पदक जीता लेकिन उस तरह से नहीं जैसा वह चाहते थे और उन्हें इसे स्वीकार करने में कोई झिझक भी नहीं थी। तीन साल में पहली बार भारत में प्रतिस्पर्धा करते हुए विश्व चैम्पियन भाला फेंक एथलीट ने बुधवार को फेडरेशन कप में 82.27 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता।

ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर स्वर्ण पदक जीता लेकिन उस तरह से नहीं जैसा वह चाहते थे और उन्हें इसे स्वीकार करने में कोई झिझक भी नहीं थी। तीन साल में पहली बार भारत में प्रतिस्पर्धा करते हुए विश्व चैम्पियन भाला फेंक एथलीट न

बुधवार को फेडरेशन कप में 82.27 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। चोपड़ा ने टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन पर कहा, ÷मुझे लगा कि मैं यहां प्रतिस्पर्धा कर सकता हूं और यह अच्छी रही। हालांकि थ्रो के बारे में बात नहीं करते, यह वैसा नहीं था जैसा मैं चाहता था।÷ दोहा डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहने के बाद पहुंचे 26 वर्षीय सुपरस्टार तीन दौर के बाद दूसरे स्थान पर रहे।

उन्होंने आगे कहा, प्रतियोगिता काफी अच्छी थी और मौसम भी गर्म था। शुरू से ही मैं सोच रहा था कि अगर मुझे अच्छा लगेगा तो मैं उसी के अनुसार प्रयास करूंगा। मैं दोहा में खेलने के बाद यहां आया था और उबरने के लिए ज्यादा समय नहीं था और यात्रा भी करनी थी। और मैं इतना अच्छा भी महसूस नहीं हो रहा था।

चोपड़ा ने कहा, मैंने इसके अनुसार ही अपने प्रयास किये और केवल चार थ्रो ही किये क्योंकि मुझे चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक प्रतियोगिता में 28 मई को प्रतिस्पर्धा करनी है। इसके लिए उबरने के लिए लगभग 10 दिन होंगे। लंबे समय के बाद इस तरह के मौसम में आया हूं। प्रतियोगिता में जो आनंद आता है, वो नहीं था। मुझे लग रहा था कि परिस्थितियां उतनी अच्छी नहीं हैं, इसलिए मैंने चौथे थ्रो के बाद रुकने का फैसला किया।

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने की संन्यास की घोषणा, जानिए कब खेलेंगे आखिरी मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने बताया कि वह अपना आखिरी मुकाबला छह जून को कुवैत के खिलाफ खेलेंगे। छेत्री ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो जारी कर दी। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने बताया कि वह अपना आखिरी मुकाबला छह जून को कुवैत के खिलाफ खेलेंगे। छेत्री ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो जारी कर दी।

बीसीसीआई ने दी प्रतिक्रिया

सुनील छेत्री के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास के फैसले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ट्वीट किया है। बोर्ड ने लिखा, आपका करियर असाधारण से कम नहीं रहा है और आप भारतीय फुटबॉल और भारतीय खेलों के लिए एक अभूतपूर्व प्रतीक रहे हैं। सुनील छेत्री ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत साल 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ की थी। वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल (94) करने वाले चौथे खिलाड़ी है। वहीं, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अली डेई और लियोनेल मेस्सी के बाद सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उन्हें साल 2011 में अर्जुन पुरुस्कार और 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

दिल्ली हाई कोर्ट ने ओलंपिक के लिए शूटरों के चयन के एसोसिएशन की नीति पर लगाई मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को पारित एक आदेश में पेरिस में होने वाले 2024 ओलंपिक खेलों के लिए टीम चयन की भारतीय राष्ट्रीय राइफल एसोसिएशन (एनआरएआई) की नीति को सही ठहराया। एक शूटर ने अदालत में याचिका दायर कर ओलंपिक चयन के ट्रायल में उसे शामिल नहीं करने को चुनौती दी थी। अदालत ने एनआरएआई के चयन मापदंड/नीति को सही ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी। उच्च न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एनआरएआई के महासचिव के. सुल्तान सिंह ने कहा, ÷ओलंपिक गेम्स 2024 के लिए हमारी चयन नीति को निष्पक्ष, तार्किक और पारदर्शी ठहराया गया है। सभी एथलीटों को निष्पक्ष मौका दिया गया है। नीति शूटरों के क्वालीफाई करने के लिए ज्यादा समावेशी है। भारतीय शूटरों ने देश के लिए रिकॉर्ड 21 कोटा हासिल किए हैं। इस साल 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक में एक देश को शूटिंग में अधिकतम 24 कोटा की सीमा है। राइफल और पिस्टल प्रतिस्पर्द्धाओं में भारत ने अधिकतम आठ-आठ कोटा हासिल कर लिया है। शॉटगन में भारत को पांच कोटा मिले हैं। भारत ने शूटिंग में अब तक एक स्वर्ण सहित चार ओलंपिक मेडल जीते हैं। इस बार इस सूची में और मेडल जुड़ने की उम्मीद है।

एआईएफएफ विकास समिति ने आयोजित की वर्चुअल बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ(एआईएफएफ) की विकास समिति ने बुधवार को एक वर्चुअल बैठक की। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एआईएफएफ की कार्यकारी समिति के सदस्य अविजीत पॉल ने की। कार्यक्रम में एआईएफएफ के कार्यवाहक महासचिव, एम सत्यनारायण के साथ-साथ क्लिफ नोंग्रम, ताकुम किपा और डॉ. सोनम टी. एथेनपा भी उपस्थित थे, ताकि एआईएफएफ द्वारा प्रदान किए गए 2024/25 वित्तीय वर्ष में धन के उपयोग के लिए दिशानिर्देश तय किए जा सकें। पॉल ने कहा कि यह एआईएफएफ में 2024-25 वित्तीय वर्ष की पहली विकास समिति की बैठक है। जब से विकास समिति का गठन हुआ है, तब से राज्य और एआईएफएफ देश भर में खेल के विकास के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। एआईएफएफ की मदद से राज्य पूरे साल खेल की गतिविधियों को बढ़ाने में सफल रहे हैं। हमें उम्मीद है कि इस बार भी हम इसी तरह आगे बढ़ते रहेंगे। बैठक में समिति ने इस तथ्य को संबोधित किया कि प्रत्येक राज्य को अगले वर्ष के लिए कम से कम चार टूर्नामेंटों की मेजबानी करनी होगी, जिसमें से प्रत्येक को जूनियर लड़कों और लड़कियों के लिए आयोजित किया जाएगा ताकि दी जा रही धनराशि का उचित उपयोग किया जा सके। कार्यवाहक महासचिव ने कहा कि एआईएफएफ ने इस तथ्य पर भी जोर दिया कि सभी आयोजनों के लिए प्रतिस्पर्धा प्रबंधन प्रणाली (सीएमएस) का उपयोग अनिवार्य है। यह भी कहा गया है कि विकासात्मक निधि के सुचारु उपयोग के लिए नियमों का एक नया सेट बनाया जाना चाहिए और अनुमोदन के लिए कार्यकारी समिति को प्रस्तुत किया जाना चाहिए। राज्य भारतीय फुटबॉल की रीढ़ हैं। राज्यों को एआईएफएफ से आवश्यक समर्थन प्रदान करने की नीति ने खेल को आगे बढ़ाने में काफी प्रभाव डाला है। हम भारत के हर कोने में फुटबॉल की प्रगति के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

नवाजुद्दीन ने कहा

मेरे और आमिर के बीच एक खास रिश्ता

गैंग्स ऑफ वासेपुर, सेक्रेड गेम्स, रमन राघव 2.0, ब्लैक फ्राइडे और द लंचबॉक्स में अपने काम के लिए मशहूर एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के साथ सरफरोश और तलाश में काम करने का अपना अनुभव शेयर किया।

हाल ही में फिल्म सरफरोश ने अपनी रिलीज के 25 साल पूरे किए हैं। इस फिल्म में नवाजुद्दीन को एक छोटी सी भूमिका में देखा गया था, जब आमिर की पुलिस टीम उनसे पूछताछ करती है। उस दृश्य से बॉलीवुड में अपनी साधारण शुरुआत के साथ नवाज ने आमिर के साथ तलाश में भी काम किया।

सरफरोश और तलाश के सेट पर अपने अनुभवों को याद करते हुए नवाज ने कहा, सरफरोश और तलाश दोनों में आमिर के साथ स्क्रीन शेयर करना एक उल्लेखनीय यात्रा रही है। सेट के बाहर भी हमारा बंधन उतना ही मजबूत और आपसी सम्मान से भरा था। उन्होंने आगे कहा, अपनी कला के प्रति आमिर का समर्पण और जुनून वास्तव में प्रेरणादायक है, और हमारी चर्चाएं अक्सर स्क्रिप्ट और दृश्यों से परे होती हैं, हमें सिनेमा पर चर्चा करना पसंद है। इन वर्षों में नवाजुद्दीन सिद्दीकी का करियर फला-फूला है, जिससे उन्हें प्रशंसा और एक समर्पित प्रशंसक आधार मिला है। उन्होंने गैंग्स ऑफ वासेपुर, बजरंगी भाईजान, बदलापुर, किक, मंटो और अन्य फिल्मों की सफलता से अपने लिए एक बड़ा प्रशंसक आधार तैयार किया है।

आदिल ने राखी सावंत की बीमारी को बताया नाटक !

कहा- कोर्ट की तारीख से बचने के लिए ऐसा कर रही

बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें हार्ट संबंधी दिक्कतों के चलते मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब खबर सामने आ रही है कि मेडिकल जांच में उनके यूटेरस में ट्यूमर पाया गया है। यह खुलासा राखी के पूर्व पति रितेश ने किया है। इस पर अब आदिल दुर्रानी ने प्रतिक्रिया दी है। आदिल का कहना है कि राखी सावंत कोर्ट की तारीख से बचने के लिए ऐसा कर रही हैं।

17 करोड़ के कर्ज में डूबी हैं कंगना

10 साल में 12 फिल्में हुई फ्लॉप

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत लगातार सुर्खियों में हैं। खुद को बॉलीवुड की सफल एक्ट्रेस बताने वाली कंगना रनौत के पास अथाह पैसा है। उन्होंने 10 सालों में 14 फिल्में कीं लेकिन उसमें से कितनी हिट हुईं, ये आप भी जानते हैं। इन्होंने जो अपना हलफनामा भरा है, उसके मुताबिक ये मोहतरमा कर्ज में भी डूबी हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही हैं। हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से वह भाजपा के टिकट पर खड़ी हैं। लगातार चुनाव प्रचार कर रही हैं। लंबे-लंबे भाषण दे रही हैं और विपक्ष पर तीखे प्रहार करके अपनी पीठ थपथपा रही हैं। 14 मई को उन्होंने नामांकन दाखिल किया। इसके बाद चुनाव आयोग को दिए गए हलफनामे में उनकी नेट वर्थ सामने आई। आइए जानते हैं कि इनके पास कितनी संपत्ति है और कितने कर्जे में डूबी हुई हैं।

कंगना रनौत की नेट वर्थ जानने से पहले उनकी फिल्मों के बारे में जानते हैं कि पिछले 10 सालों में उनका पर्दे पर क्या हाल रहा। साल 2014 में उनही फिल्म क्वीन आई थी, जो सुपरहिट रही थी। लेकिन उसी साल आई रिवॉल्वर रानी और उंगली बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। इसके बाद 2015 में आई तनु वेड्स मनू रिटर्न्स सुपरहिट थी तो उसके बाद रिलीज हुई आई लव न्यूयॉर्क, क ट्टी बट्टी, रंगून, सिमरन, जजमेंटल है क्या, पंगा, थलइवी, धाकड़ और तेजस बुरी तरह पिटी थी। मणिकर्णिका एवरेज रही थी। कंगना रनौत 12वीं पास हैं और उनकी कुल संपत्ति 91 करोड़ बताई गई है। जिसमें 28.7 करोड़ रुपये चल संपत्ति है और 62.9 करोड़ रुपये अचल संपत्ति है। वह फिल्मों से 10-1 5 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं तो विज्ञापन से वह 3 से 3.5 करोड़ रुपये कमाती हैं। अब तो वह फिल्में भी बनाने लगी हैं।

धोनी का सादगी भरा व्यवहार उनके चरित्र को बताता है: जान्हवी कपूर

एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। उन्होने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से मुलाकात का अपना एक्सपीरियंस शेयर किया। जान्हवी ने बुधवार को मल्टीप्लेक्स में मीडिया से बात करते हुए कहा, मेरा मानना है कि मैं और यहां मौजूद हर कोई महेंद्र सिंह धोनी सर का बहुत बड़ा फैन है। उनका व्यक्तित्व कुछ ऐसा है कि हर कोई उनकी ओर आकर्षित हो जाता है। कुछ दिन पहले मैं उनके साथ एक फंक्शन में थी, जैसे ही मैंने उन्हें देखा, मुझे लगा कि वह चल नहीं रहे थे, बल्कि उड़ रहे थे। उन्होंने आगे बताया कि कैसे धोनी के व्यवहार ने उन्हें काफी प्रभावित किया। उन्होंने आगे कहा, उन्होंने न सिर्फ लोगों के साथ सेल्फी ली...बल्कि उनके साथ बातचीत भी की।

हॉलीवुड आइकन मेरिल स्ट्रीप के लिए करीना कपूर ने कहा, आपके जैसा कोई नहीं

एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने हॉलीवुड आइकन मेरिल स्ट्रीप के बारे में एक पोस्ट शेयर किया और कहा कि उनके जैसा कोई नहीं है।

करीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर स्ट्रीप की फोटो शेयर की, जिसमें वह सफेद पैंटसूट में दिखाई दे रही हैं। इस फोटो के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन देते हुए लिखा, ओ मेरिल, आपके जैसा कोई नहीं है। मेरिल स्ट्रीप को मंगलवार को 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में गेस्ट ऑफ ऑनर पाम डी' ओर अवॉर्ड से नवाजा गया। इस दौरान उनको दो मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन दिया गया। अवॉर्ड लेते समय मेरिल स्ट्रीप इमोशनल हो गईं। वह तालियों की गड़गड़ाहट के बीच डांस करने लगीं। स्ट्रीप ने अपने संबोधन में तीन दशकों से अधिक समय के बाद उनका स्वागत करने के लिए कान को धन्यवाद दिया। उन्होंने इससे पहले 1989 में हुए कान फेस्टिवल में फिल्म ईविल एंजेल्स के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता था।

काजोल ने शेयर की इंस्टा स्टोरी, कहा

आज मेरे चरित्र में काफी गहराई है

एक्ट्रेस काजोल ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फैंस के लिए मैसेज शेयर किए। उन्होंने कहा कि आज मेरे चरित्र में काफी गहराई है। काजोल, जिनके इंस्टाग्राम पर 1.69 करोड़ फॉलोअर्स हैं, ने स्टोरीज सेक्शन में जाकर हैशटैग बुधवार विजडम का इस्तेमाल करते हुए लिखा, मैंने आज तय किया है कि मेरे स्केल पर वजन मेरे चरित्र की गहराई को दिखाता है। कल, मैं एक बेहद हल्का इंसान बनना तय कर सकती हूं, लेकिन आज मुझमें गहराई है।

एक अन्य स्टोरी में, बाजीगर फेम एक्ट्रेस ने निकिता गिल की कविता की पंक्तियां शेयर की हैं - तुम खुद अपनी कहानी हो, जिसकी परिभाषा कोई पुरुष नहीं दे सकता, दुनिया में चमकते हुए, इतिहास को महिलाओं की गाथा बनाते हुए... और जब वे समझाने की कोशिश करते हैं कि तुम फलां-फलां नहीं बन सकती, तुम मुस्कुरा कर कहती हो मैं युद्ध भी हूं और महिला भी... और तुम मुझे रोक नहीं सकते। उनकी आने वाली फिल्में में सरजमीं, दो पत्ती और मां हैं।

काम पर वापस आकर खुश हैं एक्ट्रेस ईशा देओल

ईशा देओल शादी के 11 साल बाद भरत तख्तानी से तलाक के कारण सुर्खियों में थीं। अब एक्ट्रेस ने कहा है कि वह अपनी अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में काम करने को लेकर बेहद खुश हैं।

ईशा देओल ने मुंबई में एक पौधरोपण अभियान में शामिल होने के दौरान अपनी आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में बात की। पिछली बार ओटीटी सीरीज, हंटर टूटेगा नहीं तोड़ेगा में सुनील शेट्टी के साथ नजर आने वाली एक्ट्रेस ने बताया कि मैं आगामी फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हूं। उसके लिए बहुत जल्द घोषणाएं की जाएंगी। मैं केवल इतना ही कह सकती हूं कि मैं काम करके बहुत खुश हूं। नो एंट्री एक्ट्रेस ने पेड़ लगाने के महत्व के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना एक अद्भुत एहसास है क्योंकि यह हमारे लिए नहीं बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए है। एक्ट्रेस ने कहा कि कल, हमने मुंबई में एक भयानक तूफान देखा। इससे पहले, दुबई में भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई थी। ये सभी प्रकृति की ओर से उसकी सुंदरता को बनाए रखने के लिए एक आह्वान है। ईशा ने कहा कि आजकल अधिक से अधिक पेड़ काटे जा रहे हैं और शहरी जीवन के बहाने नई इमारतों का निर्माण किया जा रहा है।

यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाएं।

बॉलीवुड के बदलते रिश्तों पर खुलकर बोले दीपक तिजोरी, कहा- मैंने कभी किसी से मदद मांगने नहीं गया

अभिनेता दीपक तिजोरी इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। उनके निर्देशन में बनी फिल्म टिप्सी पिछले दिनों सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। दर्शकों को उनकी यह फिल्म काफी पसंद आ रही है। हाल ही में अपने फिल्म के प्रमोशन के दौरान वे अपने पुराने दिनों को याद करते दिखे। साथ ही साथ उन्होंने अपनी असफलताओं का भी जिक्र किया।

दीपक तिजोरी को बतौर अभिनेता वह सफलता नहीं मिली जिसके वे हकदार हैं। इस विषय में बात करते हुए दीपक कहते हैं, मैं कई बार निराश जरूर हो जाता हूं, लेकिन मैं कभी कड़वाहट से नहीं भरा। आज भी बॉलीवुड मेरे लिए एक परिवार के जैसा है। आज तीस साल भी बाद मुझे वही प्यार और अपनापन महसूस होता है। दीपक तिजोरी आगे कहते हैं, मुझे संतुष्टि है कि मैंने एक अच्छी फिल्म का निर्माण किया है। मेरे लिए यह एक चुनौतीपूर्ण फिल्म थी। मैं चाहता हूं कि दर्शक इस फिल्म को देखे और सराहें। मैं चाहता हूं कि मल्टीप्लेक्स में इसे सही टाइम स्लॉट मिले। दीपक तिजोरी ने अपने करियर के शुरुआत में कई हिट फिल्में दी थी। वे राहुल रॉय के साथ आशिकी फिल्म में नजर आए थे। इस फिल्म के अलावा वे खिलाड़ी, जो जीता वही सिकंदर, गुलाम जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। दर्शकों ने उन्हें बतौर अभिनेता काफी सराहा था।

दीपक तिजोरी ने अपने करियर में कई फिल्मों का निर्देशन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो टिप्सी उनके निर्देशन में छठी फिल्म है। दीपक कहते हैं, मैं हमेशा नए विषयों पर फिल्म बनाने की कोशिश करता हूं। ऐसे विषय जिनपर लोग फिल्में बनाने से हिचकते हैं। मैंने जब स्वतंत्र रूप से फिल्में बनाने का निर्णय लिया था तभी मैंने तय कर लिया था कि मैं टिपकल बॉलीवुड फिल्में नहीं बनाऊंगा। मैंने हमेशा से अलग विषयों पर काम किया है। मेरी पहली पहली फिल्म स्ट्रिपर्स के बारे में थी और आगे भी मेरी यही कोशिश रहेगी।

सलमान खान की मुन्नी ने 10वीं कक्षा में किया कमाल, ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

हर्षाली मल्होत्रा ने सलमान खान की फिल्म बजरंगी भाईजान में 'मुन्नी' का किरदार निभाकर सबका दिल जीत लिया था। प्रशंसक आज भी उस प्यारी 'मुन्नी' अपनी यादों में बसाए हुए हैं। हर्षाली ने अपने चाहने वालों को एक खुशखबरी दी है। हर्षाली ने सीबीएसई बोर्ड की 10वीं की परीक्षा में कमाल कर दिया। हर्षाली ने यह जानकारी शेयर की है और उन लोगों को करारा जवाब दिया जो उन्हें आए दिन ट्रॉल करते हैं। सलमान खान के साथ काम कर चुकीं हर्षाली भले ही लंबे समय से पर्दे से दूर हो, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन इंस्टाग्राम पर रील्स शेयर करती रहती हैं, जिससे उन्हें लोग ट्रॉल करते हैं। अब हर्षाली ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह कमेंट सेक्शन में आए कुछ सवाल दिखा रही हैं। इनमें किसी ने लिखा, ÷बोर्ड्स है पढ़ लो...रील बनाकर एग्जाम पास नहीं होते हैं। दूसरे ने लिखा, पूरे दिन रील ही बनाती हो क्या? तीसरे ने लिखा, कथक क्लास जाओगी तो पास कैसे करोगी? इसके बाद हर्षाली बताती हैं कि उनके 10वीं सीबीएसई बोर्ड में 83 प्रतिशत नंबर आए हैं। हर्षाली ने कैप्शन में लिखा, अपनी मुद्राओं में सुधार करने से लेकर अपनी शिक्षा में निपुणता हासिल करने तक, मैं अपनी कथक क्लासेस और पढ़ाई के बीच सही संतुलन बनाने में कामयाब रही। 83त्न स्कोर ! कौन कहता है कि आप रील और रियल दुनिया दोनों में अपने पैर नहीं जमा सकते?

- साभार एजेंसी

काश! पीरियड्स के पहले दो दिन शूटिंग न करने का होता विकल्प : हिना

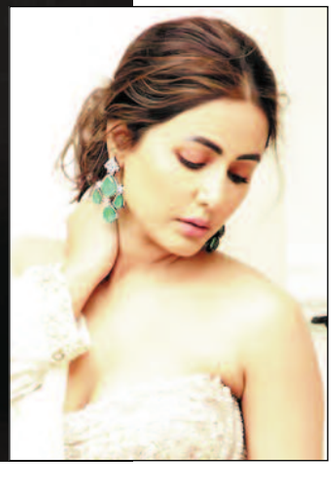

एक्ट्रेस हिना खान ने कहा कि अगर पीरियड्स के पहले दो दिनों के दौरान शूटिंग न करने का विकल्प होता तो यह सभी एक्ट्रेस के लिए बेहतर होता। हिना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें लिखा था, पीरियड्स के दौरान हमें न कहें ! उन्होंने लिखा, काश मेरे पास पीरियड्स के पहले दो दिन शूटिंग न करने का विकल्प होता। उन्होंने लिखा, शरीर में ज्यादा ताकत नहीं रहती है.. लेकिन बाहर शूटिंग करना पड़ता है। लगभग 40 डिग्री में... पीरियड्स पेन, मूड स्विंग, डिहाइड्रेशन, गर्मी, डिस्कंफर्ट, लो बीपी, ऐसे में शूटिंग, जिसमें धूप में बहुत ज्यादा भागना पड़ता है... यह आसान नहीं है। हालिया रिलीज की बात करें तो हिना ने गिप्पी ग्रेवाल स्टारर शिंदा शिंदा नो पापा से पंजाबी सिनेमा में कदम रखा।